{ विश्वास वही रफ्तार नई }

मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

बालाघाट
बुधवार 14 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 113
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

1 लाख से ज्यादा वीजा रद्द किए

वाशिंगटन। अमेरिका ने 2025 में अब तक 1 लाख से ज्यादा वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें करीब 8 हजार छात्र और 2,500 स्पेशल वर्क वीजा शामिल हैं। यह कार्रवाई आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामलों को लेकर इमिग्रेशन पर सख्ती के तहत की गई है। जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दी। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए ऐसे लोगों को देश से बाहर किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक जिन विदेशी नागरिकों के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले सामने आए, उनके वीजा रद्द किए गए हैं। 2025 में रद्द किए गए वीजा की संख्या 2024 के मुकाबले दोगुनी से ज्यादा है। 2024 में करीब 40 हजार वीजा रद्द किए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में ज्यादातर बिजनेस और टूरिस्ट वीजा थे, जिनमें ओवरस्टे के मामले सामने आए।

संसद से नहीं हटेगी सावरकर की तस्वीर

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संसद और दूसरे सरकारी संस्थानों से वी.डी सावरकर की तस्वीरें हटाने की याचिका पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने ऐसी याचिका दायर करने पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल पंचोली की बेंच पीआईएल की सुनवाई कर रही थी। याचिका एक रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी, बालासुंदरम बालामुरुगन ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि जब आप इस तरह की बेवजह याचिका दायर करते हैं, तो हम आपकी मानसिकता देख रहे हैं। हम आप पर जुर्माना लगाएंगे।

मशहूर गायक समर हजारीका का निधन

गुवाहाटी। असम के संगीतकार और गायक समर हजारीका का मंगलवार को गुवाहाटी में निधन हो गया। उनकी उम्र 75 साल थी। वह कुछ समय से बीमार थे और हाल ही में अस्पताल से घर लौटे थे। हजारीका का निधन गुवाहाटी के निजारापार इलाके में उनके घर पर हुआ। इसी इलाके में हजारीका परिवार के सभी सदस्य पहाड़ी पर बने अलग-अलग घरों में रहते हैं। परिवार ने उनकी मौत की पुष्टि की है। समर भारत रत्न से सम्मानित सिंगर भूपेन हजारीका के सबसे छोटे भाई थे। वो दस भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उन्होंने रेडियो, एल्बम और फिल्मों के लिए कई गाने गाए और संगीत भी तैयार किया। हजारीका ने 1960 के दशक में अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत की।

कुछ ना कहना

'प्रदर्शन जारी रखो, मदद रास्ते में है'

ईरान में प्रदर्शनकारियों को मिला ट्रंप का खुला समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी ।

ईरान में पिछले कई दिनों से बड़े पैमाने पर प्रदर्शन चल रहे हैं। पहले जहां लोग महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे, लेकिन अब विरोध सरकार के खिलाफ राजनीतिक मांगों तक पहुंच गया है। ऐसे में एक ओर ईरान की सरकार इसे अराजकता और विदेशी प्रभाव बता रही है और सख्ती से निपटने का प्रयास भी कर रही है। वहीं अब इस पूरे मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुले तौर पर ईरानी प्रदर्शनकारियों को समर्थन देने की बात कही है। पहले तो ट्रंप ने ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाली बैठक को रद्द कर दी। इसके बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों को कहा कि ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखो..मदद रास्ते में है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। जहां उन्होंने लिखा कि ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखो, अपनी संस्थाओं पर कब्जा करो, कातिलों और अत्याचारियों के नाम सुरक्षित रखो। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ट्रंप ने आगे लिखा प्रदर्शनकारियों की बेवजह हत्याएं बंद होने तक मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। इस दौरान ट्रंप ने जोर देते हुए ईरानी प्रदर्शनकारियों से कहा कि आपकी मदद जल्द आपके पास पहुंच रही हैं, मदद रास्ते में है। उनके इस बयान के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और गहरा गया है।

ट्रंप ने दिए बड़े संकेत

इस दौरान ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने ईरान के अधिकारियों के साथ होने वाली सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब तक प्रदर्शनकारियों की हत्या बंद नहीं होती, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। अपने संदेश में ट्रंप ने ईरानी प्रदर्शनकारियों से सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जो लोग हिंसा और अत्याचार के जिम्मेदार हैं, उन्हें इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी।

प्रदर्शन में 2000 से ज्यादा लोगों की मौत

बचा दें कि ईरान में बीते करीब दो हफ्तों से भारी प्रदर्शन चल रहे हैं। ये प्रदर्शन मुद्रा की कीमत गिरने के बाद शुरू हुए थे। अब तक इन प्रदर्शनों में करीब 2,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान भी शामिल हैं। एक तरफ ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के चलते स्थिति तो भयावह है हीं, दूसरी ओर ईरान को बाहरी सैन्य खतरा का डर भी परेशान कर रहा है। इतना ही नहीं व्यापार के आधार पर भी ईरान के लिए सारे रास्ते बंद होते नजर आ रहे है।

कारण है कि इससे पहले ट्रंप ने एलान किया था कि जो भी देश ईरान से कारोबार करेगा, उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क (टैरिफ) लगाया जाएगा। इतना ही नहीं ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई भी एक विकल्प हो सकती है। उन्होंने पहले कहा था कि अमेरिका इस मामले में पूरी तरह तैयार है।

ईरानी शासन के अंतिम दिन शुरू हो चुके हैं, मुल्ला सरकार अब समझ ले- जर्मनी चांसलर मर्ज

नई दिल्ली। ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती हिंसा के बीच जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने ईरानी शासन को लेकर एक चौंकाने वाला और सख्त बयान दिया है। भारत दौरे पर मौजूद जर्मन चांसलर ने मंगलवार सुबह कहा कि ईरानी शासन के अंतिम दिन और सप्ताह अब दुनिया के सामने हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो शासन केवल हिंसा के बल पर सत्ता में बना रहता है, वह अपने अंत के बेहद करीब होता है।

फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि ईरान में जनता अब खुलकर शासन के खिलाफ उठ खड़ी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ईरानी शासन को जनता द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से कोई वास्तविक वैधता नहीं मिली है। ऐसे में जनता का विद्रोह इस बात का संकेत है कि शासन अपनी पकड़ खो चुका है। मर्ज ने उम्मीद जताई कि इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त करने का कोई रास्ता निकले, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि मुल्ला शासन को अब यह बात समझ लेनी चाहिए।

इस बीच, यूरोप के कई देश ईरान के खिलाफ कूटनीतिक दबाव बढ़ा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्पेन के विदेश मंत्री ने विरोध प्रदर्शनों को कुचलने और हिंसक कार्रवाई की कड़ी निंदा करने के लिए मैड्रिड में ईरान के राजदूत को तलब किया है। वहीं, फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनेन ने भी ईरानी राजदूत को तलब करने की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान की सरकार ने हत्याओं और दमन को छिपाने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं, जो बेहद चिंताजनक है। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रजा पहलवी ने भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से ईरान के धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, बोला-जो आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित, वे अपने घर ले जाएं; उन्हें ऐसे नहीं छोड़ सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते। ये कुत्ते सडकों पर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि कुत्तों में एक खास तरह का वायरस

होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। अब तक चार दिन की सुनवाई में इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही है। जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या हम इसपर आंखें मूंद लें।

पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें

जस्टिस मेहता ने कहा कि अगर कोई आवारा कुत्ता किसी पर हमला कर दे तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? इस पर वकील ने कहा- स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए जिम्मेदारी तय की जा सकती है। जस्टिस मेहता ने कहा- आवारा कुत्ता किसी के कब्जे में नहीं होना चाहिए। अगर आप पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने आज की सुनवाई खत्म कर दी। अब 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से अगली सुनवाई होगी।

कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए

जस्टिस नाथ ने कहा कि हम बच्चों या बुजुर्गों को कुत्ते के काटने से होने वाली हर मौत या हमले के लिए, राज्य सरकार पर भारी मुआवजा तय करेंगे। सरकार कुछ नहीं कर रही है। साथ ही, उन लोगों पर भी जवाबदेही तय होनी चाहिए जो कह रहे हैं कि हम कुत्तों को खाना खिला रहे हैं।

अब बड़ी बेंच करेगी सुनवाई

भ्रष्टाचार विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट का बंटा हुआ फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार विरोधी कानून के 2018 के एक प्रावधान की सांविधानिक वैधता पर खंडित फैसला सुनाया है, जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले मंजूरी लेना जरूरी है। भ्रष्टाचार निवारण कानून 1988 से जुड़े इस मामले में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असांविधानिक है। इसे निरस्त किया जाना चाहिए।

इससे जांच बाधित होती है-जस्टिस नागरत्ना

वहीं पूर्व स्वीकृति अनिवार्य होने पर सवाल खड़े करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ये शर्त भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की भावनाओं के खिलाफ है। इससे जांच बाधित होती है। कानून के ऐसी धाराओं से भ्रष्ट लोगों को संरक्षण मिलता है। हालांकि मुकदमे की सुनवाई कर रही इस खंडपीठ में शामिल एक अन्य न्यायमूर्ति ने कानून की इस धारा को सांविधानिक बताया।

धारा 17ए सांविधानिक प्रावधान-जस्टिस विश्वनाथन

न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने अपने हिस्से के फैसले में लिखा, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए सांविधानिक प्रावधान है। उन्होंने कहा कि कानून के इस प्रावधान से ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा होती है, जिस पर जोर दिया जाना आवश्यक है।

अब मामले की बड़ी बेंच करेगी सुनवाई

एक तरफ जहां जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असांविधानिक है और इसे खत्म किया जाना चाहिए, तो वहीं जस्टिस केवी विश्वनाथन ने इस प्रावधान को संवैधानिक बताया और ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया। ऐसे में अब इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सामने रखा जाएगा ताकि अंतिम फैसले के लिए मामले की दोबारा सुनवाई के लिए एक बड़ी बेंच बनाई जा सकें।

मंजूरी के बिना किसी भी पूछताछ या जांच पर रोक

बता दें कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए, जिसे जुलाई 2018 में पेश किया गया था, किसी भी लोक सेवक के खिलाफ आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई सिफारिशों के लिए सक्षम प्राधिकारी से पहले मंजूरी के बिना किसी भी पूछताछ या जांच पर रोक लगाती है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एनजीओ सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संशोधित धारा 17ए की वैधता के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर आया है।

फिर टल गई भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत....सर्जियो गोर के दावों की निकली हवा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत फिर टल गई है। ट्रेड डील को एक बड़ा अपडेट तब सामने आया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर नई टैरिफ धमकी दी है। इतना ही नहीं ईरान के साथ ट्रेड करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। भारत पहुंचे अमेरिकी राजदूत ने सर्जियो गोर ने कहा था कि व्यापार समझौते पर मंगलवार से बात फिर से शुरू होगी, लेकिन ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह भारत-अमेरिका के बीच कोई व्यापार वार्ता निर्धारित ही नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह अमेरिका के साथ कोई व्यापार वार्ता निर्धारित नहीं है। यह स्पष्टीकरण भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर द्वारा भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील के संबंध में की गई टिप्पणी के बाद आया है। इसमें मामले से संबंधित अधिकारी के हवाले से कहा गया हैं कि वाणिज्य मंत्रालय को वाशिंगटन से ट्रेड डील पर आगे की बातचीत के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है।

मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि, मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता कि इस महीने बातचीत होगी या फिर नहीं, लेकिन निकट भविष्य में या कम से कम इस सप्ताह तक कुछ भी निर्धारित नहीं है।

दरअसल सर्जियो गोर ने कहा था कि भारत-यूएस ट्रेड डील को लेकर दोनों पक्ष गंभीर हैं और समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा था कि भारत दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है, इसलिए इस तरह के व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना आसान नहीं है, लेकिन दोनों पक्ष इस समझौते को पूरा करने में लगे हुए हैं।

बात दें कि भारतीय सामानों पर फिलहाल अमेरिकी बाजार में 50 प्रतिशत टैरिफ लागू है, और ये दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत में सबसे अहम मुद्दा है। भारतीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले महीने कहा था कि भारत-अमेरिका इसके संबंध में भारत की चिंताओं को दूर करने वाले एक अंतरिम समझौते के करीब हैं। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा तय करने से इंकार किया था।

जन नायकन को रोक कर तमिल संस्कृति पर हमला कर रहे पीएम मोदी - राहुल गांधी

अभिनेता विजय की फिल्म को मिला राहुल गांधी का समर्थन

नई दिल्ली,। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अभिनेता विजय की फिल्म जन नायकन को रोकने की केंद्र की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिल लोगों की आवाज दबाने में कभी कामयाब नहीं होने वाले है। राहुल का यह बयान तमिल फिल्म जन नायकन के निर्माता के सुप्रीम कोर्ट में मद्रास हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को चुनौती देने के बाद आया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा, 'सूचना और प्रसारण मंत्रालय की जन नायकन को रोकने की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी, आप तमिल लोगों की आवाज दबाने में कभी कामयाब नहीं होने वाले है।

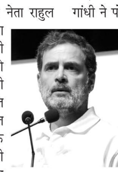

केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने बीते शुक्रवार को उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश के खिलाफ अपील की है, जिसने बोर्ड को फिल्म का प्रमाणपत्र तुरंत जारी करने के एकल पीठ के निर्देश पर रोक लगा दी थी। विजय ने कुछ महीने पहले अपना राजनीतिक दल तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) बनाया है और जन नायकन को विजय के राजनीति में पूरी तरह से प्रवेश से पहले उनकी आखिरी फिल्म के तौर पर बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फिल्म पोंगल के मौके पर 9 जनवरी को रिलीज होने वाली थी।

क्विक कॉमर्स पर सरकार की सख्ती

10 मिनट की डिलीवरी डेडलाइन खत्म

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने अपने सभी ब्रांड प्लेटफॉर्म्स और विज्ञापनों से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटा लिया है। केंद्रीय लेबर मिनिस्टर मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप और डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा को लेकर जताई गई चिंता के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है। सरकार के साथ हुई बैठक में स्विगी, जोमैटो और जेप्टो ने भी भरोसा दिया है कि वे अब ग्राहकों से समय सीमा का वादा करने वाले विज्ञापन नहीं करेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के टॉप अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की थी। इस बैठक में डिलीवरी पार्टनर्स की सेफ्टी और उन पर पडने वाले मानसिक दबाव पर चर्चा हुई। मंत्री ने कंपनियों को सलाह दी कि वे डिलीवरी के लिए तय की गई सख्त समय सीमा को खत्म करें, क्योंकि इसकी वजह से राइडर्स ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं।

कंपनियों ने सरकार को दिया आश्वासन

बैठक के बाद सभी प्रमुख क्विक कॉमर्स और फूड डिलीवरी कंपनियों ने सरकार को आश्वस्त किया कि वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और विज्ञापनों से टाइम-बाउंड डिलीवरी के दावों को हटा लेंगे। ब्लिंकिट ने इसकी शुरुआत करते हुए अपने लोगो और ऐप इंटरफेस से 10 मिनट वाले टैग को हटाना शुरू कर दिया है।

मनरेगा बचाओ संग्राम : सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए बोलीं, योजना पर बुलडोजर चलाया गया

नई दिल्ली। कांग्रेस की चेयरपर्सन और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान के तहत एक वीडियो जारी कर केंद्र की मोदी सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह कानून गरीबों, बेरोजगारों और वंचित वर्गों के हितों पर सीधा हमला है और सरकार ने इस ऐतिहासिक योजना पर बुलडोजर चला दिया है।

अपने वीडियो संदेश में सोनिया गांधी ने याद दिलाया कि करीब 20 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में मनरेगा कानून को संसद में सर्वसम्मति से पारित किया गया था। उन्होंने इसे एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि इस कानून ने ग्रामीण परिवारों के पलायन को रोका और करोड़ों लोगों को रोजगार का कानूनी अधिकार दिया। मनरेगा ने न सिर्फ गरीब परिवारों को आजीविका का सहारा दिया, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान की।

सोनिया गांधी ने कहा, कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने गरीबों, बेरोजगारों और वंचितों के हितों की लगातार अनदेखी की है। उन्होंने कहा, मनरेगा कानून से सिर्फ महात्मा गांधी का नाम ही नहीं हटाया गया, बल्कि इस पर बुलडोजर चला दिया गया। विपक्ष से बिना किसी सलाह-मशविरे के मनमाने बदलाव किए गए। अब किसे कितना, कैसे और कहां रोजगार मिलेगा, यह सब दिल्ली में बैठकर तय किया जा रहा है, जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कांग्रेस की देन जरूर है, लेकिन यह कभी पार्टी का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह देशहित और जनहित से जुड़ा कानून है। सोनिया गांधी के मुताबिक, मनरेगा को कमजोर करके मोदी सरकार करोड़ों किसानों, गरीबों और भूमिहीन मजदूरों पर सीधा हमला कर रही है। उन्होंने ऐलान किया, इस हमले का हमें मिलकर मुकाबला करना होगा।

वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनेवानी और नवेगांव के प्रभावित विस्थापितों को पूर्ण मुआवजा नहीं मिला!!

मुआवजे की मांग को लेकर सरकारी कार्यालयों के काट रहे चक्कर
दूसरी किस्त न मिलने से मकान अधूरे, खरीदी गई जमीन पर भी मंडरा रहा खतरा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शासकीय योजनाओं को सफल बनाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा जंगलों के बीच बसे वन ग्रामों को किसी अन्य स्थान पर विस्थापित किया जाता है।जहां ग्रामीणों को विस्थापन के पूर्व शासन प्रशासन द्वारा तरह-तरह की सुविधाओं के साथ-साथ भारी धनराशि का मुआवजा देने के वादे किए जाते है और गांवो का विस्थापन कर अपनी योजनाओं को सफल कर लिया जाता है। लेकिन लालबर्रा तहसील के अंतर्गत आने वाले वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनेवानी और नवेगांव के विस्थापन प्रस्ताव के बाद अब ग्रामीण गहरी चिंता और आर्थिक संकट में फंस गए हैं। शासन द्वारा विस्थापन योजना के अंतर्गत प्रत्येक यूनिट को 15 लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है, जिसके तहत अब तक ग्रामीणों को पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये प्रदान किए जा चुके हैं।वही नवंबर माह के अंत तक दूसरी किस्त के 10-10 लाख रुपये देने का वादा अब तक पूरा नहीं किया गया है,जिससे स्थिति गंभीर हो गई है।जहा पूर्ण मुआवजा ना मिलने के चलते, वन ग्राम के ग्रामीण परेशान है।जो पूर्ण मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर शासकीय कार्यालयो के चक्कर काटने के लिए मजबूर है, बावजूद इसके भी उन्हें मुआवजे की उक्त बकाया रकम का भुगतान शासन द्वारा नही किया गया है।जिसके चलते ग्रामीण वन ग्राम को छो?ने तैयार नही है।वही पूर्व में मिली पहली किस्त से जो जमीनो, मकानों के सौदे उन्होंने किए है उसकी रजिस्ट्री सहित अन्य भुगतान भी अटक गए है।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से उन्हें विस्थापन नीति के तहत पूर्ण राशि का भुगतान किए जाने की मांग की है।

उधारी में लिए ईंटक्कसीमेंट, जमीन के बयाने की मियाद लगभग पूरी

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने विस्थापन के भरोसे पर नई जमीन खरीदी, बयाना राशि जमा की, मकान निर्माण के लिए ईंट, सीमेंट, रेत, कांक्रीट उधारी में मंगवाए और शर्तों के अनुसार स्टांप पर तय समय अवधि में शेष राशि देने का वचन दिया। लेकिन अब दूसरी किस्त न मिलने से समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है। यदि तय समय पर पैसे नहीं दिए गए तो खरीदी गई जमीन की रजिस्ट्री नहीं करा पाएंगे, बयाना राशि भी जप्त हो जाएगी, अधूरे मकान वैसे ही खड़े रह जाएंगे और विस्थापित ग्रामीण कहीं के भी नहीं रहेंगे।ग्रामीणों ने कहा कि जहां से हटाए गए, वहां जमीन चली गई, और जहां बसने की कोशिश कर रहे हैं, वह जमीन भी हाथ से निकल जाएगी। हम दोहरी मुश्किल में फंस गए हैं।

विस्थापन के बाद बेघर होने की कगार पर पहुँचे परिवार

ग्रामीणों का कहना है कि विस्थापन के लिए सहमति इसलिए दी थी क्योंकि शासन ने समय पर राशि देने का आश्वासन दिया था। लेकिन अब स्थिति यह है कि न वनग्राम में जमीन बची, न नई जगह पर कब्जा मिल पा रहा है और निर्माण सामग्री का भुगतान न होने से काम ठप पड़ा है।कुछ ग्रामीणों ने कहा कि जबतक पूरी राशि नहीं मिलती,तबतक हम वनग्राम में ही रहेंगे, क्योंकि हमारे पास कहीं और जाने का साधन ही नहीं बचेगा।ग्रामीण प्रतिनिधियों ने अधिकारियों को सौंपे ज्ञापन में कहा कि विस्थापन किए गए तीनों गांवों के परिवारों को जनवरी माह के अंत तक संपूर्ण 10-10 लाख रुपये की दूसरी किस्त तत्काल जारी की जाए। यदि राशि समय पर नहीं मिली, तो मकान निर्माण कार्य अधूरा रह जाएगा, खरीदी गई जमीन हाथ से निकल जाएगी और विस्थापित ग्रामीणों को गंभीर सामाजिक-आर्थिक संकट झेलना पड़ेगा।

शासन के वादे पर टिकी हैं 240 यूनिट परिवारों की उम्मीदें

विस्थापन के बाद नई शुरुआत करने के सपने देख रहे ग्रामीण इस समय अनिश्चितता में जी रहे हैं। उनका कहना है कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में उन्हें पूर्ण राशि मिलना अत्यंत आवश्यक है, तभी वे अपने परिवारों को नई जगह बसाने का सपना पूरा कर पाएंगे।वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनेवानी और नवेगांव के विस्थापित 240 यूनिट परिवारों को दूसरी किस्त का इंतेजार है, उनके मकान अधूरे हैं, जमीन पर संकट है और जीवन की नई शुरुआत अधर में लटक गई है। ग्रामीणों ने जनवरी माह के अंत तक संपूर्ण मुआवजा जारी करने की मांग की है, ताकि वे सुरक्षित रूप से अपने नए बसेरों में रह सकें।

नाबालिग के विवाह करने का मामला नाबालिग के पति ससुर सहित 6 नामजद और विवाह में शामिल अन्य लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छतरपुर में एक 15 वर्षीय नाबालिक लड़की का विवाह करने का मामला सामने आया। बिरसा पुलिस ने इस मामले में नाबालिग लड़की के पति ससुर सहित 6 नामजद और शादी में शामिल अन्य लोगों के विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।इस नाबालिक लड़की उर्मिला पति विनोद कुमार सिंदराम ने शादी के 15 दिन बाद ही अपने ससुराल छतरपुर में किसी मानसिक तनाव में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उर्मिला मसराम ग्राम मोहरई थाना ग?ी की रहने वाली थी। जिसकी एक बड़ी बहन भी है। पालसिंह टेकाम ग्राम छतरपुर निवासी की पत्नी ललिता तेकाम ने अपने साथ उर्मिला को मेहमानी में अपने घर छतरपुर लेकर आई थी। ग्राम के अवतार सिंह ने अपने परिवार के साथ उर्मिला का विवाह विनोद कुमार से करवाने के लिए पालसिह तेकाम और ललिता तेकाम से बात किये थे। उर्मिला ने भी विनोद कुमार के साथ शादी करने के लिए हामी भरी थी। गांव के लोगों ने उर्मिला से उसके परिजनों के संबंध में पूछताछ किये थे। तब उर्मिला ने बताई थी कि मेरी मम्मी चिरौंजाबाई को पापा छोड़ दिए हैं मेरी मम्मी अलग रहती है एवं मेरे पापा मनोज मसराम ने दूसरी शादी कर ली है। इस कारण हमारा कोई संबंध नहीं है और वह अकेली हो चुकी है। उर्मिला ने पढ़ाई लिखाई एवं कोई भी कागज पास नहीं होने के सम्बंध बताई थी। 6 नवंबर 2025 को उर्मिला की शादी विनोद कुमार से परिजनों और गांव वालों की उपस्थिति में कर दी गई थी। शादी के बाद उर्मिला अपने पति विनोद कुमार के साथ ग्राम छतरपुर में ही रहने लगी थी। 22 नवंबर 2025 को प्रात: 9:00 बजे उर्मिला ने अपने पति विनोद कुमार अपनी छोटी नंनद ईश्वरी सिंदराम के साथ के साथ खाना खाये। उसके बाद विनोद कुमार खेत चला गया था। इसके बाद उर्मिला की छोटी नंनद ईश्वरी अपने पिता के लिए खाना लेकर खेत चली गई थी।उर्मिला खेत नहीं गई थी। उर्मिला अपने घर में थी। 11:00 करीब जब विनोद कुमार घर आया तब उसने अपनी पत्नी उर्मिला को खाना बनाने वाले कमरे में लाल पीले रंग की साड़ी से लकड़ी की सिवार में फांसी पर लटके हुए देखा। जो झटपट्टा रही थी तभी विनोद कुमार ने उर्मिला के गले में लगी साड़ी को हसिया से काटा और नीचे उतार कर लिटाया किंतु उर्मिला की मृत्यु हो चुकी थी। इस संबंध में विनोद कुमार ने अपने पिता और गांव वालों को बताया और बिरसा थाना में रिपोर्ट की थी और बिरसा पुलिस ने उर्मिला का शव पंचनामा कार्रवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवाया था। मर्ग जांच के दौरान उर्मिला के पिता मनोज मसराम छतरपुर आया और उसने रिपोर्ट किया था कि उर्मिला करीब 16 वर्ष की नाबालिक थी फिर भी छतरपुर में सामाजिक रीति रिवाज से उसकी शादी करवाई गई और शादी के कुछ दिन बाद ही उर्मिला ने किसी कारण से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रिपोर्ट होने के बाद इस मामले की जांच की गई और मृतिका उर्मिला के पति ससुर सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज किए गए। जांच में पाया गया की घटना के दो दिन पहले से उर्मिला बातचीत कम करने लगी थी और गुमसुम रहती थी और वह दूर जाकर मोबाइल से किसी से बातें करते रहती थी। इसके बाद उर्मिला के मोबाइल का सी डीआर निकाल कर जांच की गई और घटना के पूर्व बात करने वालों से पूछताछ की गई जिसमें सुग्रीव धुर्वे 20 वर्ष मनोरी थाना मोती नाला जिला मंडला निवासी से 22 नवंबर 2025 को दिन के 9:10 बजे उर्मिला ने सुग्रीव को दो बार फोन की और सुग्रीव से बोली थी की तुम मुझे लेने के लिए छतरपुर आ रहे हो या नहीं अगर मुझे लेने नहीं आओगे तो मैं मर जाऊंगी ।सुग्रीव ने उर्मिला को बहुत समझाया था कि तेरी शादी हो चुकी है तू मर जाने के बात करती है और उसने छतरपुर आने से मना कर दिया था और उसके बाद उर्मिला ने फोन काट दी थी। उर्मिला ने सुग्रीव द्वारा अपने साथ ले जाने से मना करने पर उसने आत्महत्या करने की धमकी दी थी।सम्भावना है कि सुग्रीव के लेने नही आने के कारण उर्मिला ने अपनी जिद और आवेश में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मर्ग जांच में इस मामले कोई अपराध घटित नहीं हो पाया। किंतु उर्मिला की शादी नाबालिक अवस्था में करवाने के मामले में अपराध होना पाया गया और नाबालिक लड़की की शादी करने के इस मामले में उर्मिला के पति विनोद कुमार पिता अवतार सिंह सिंदराम 22 वर्ष, ससुर अवतार सिंह पिता महाराजी लाल सिंदराम 44 साल, ललिता बाई पति पाल सिंह तेकाम 45 साल,पालसिंह पिता ननकूसिह तेकाम 50 साल , सुदामा बाईपति राम चरण सिंदराम 55 साल ,फूला बाई पति नैनसिंह सिंदराम 60 साल के अलावा इस नाबालिक लड़की की शादी में शामिल अन्य लोगों के विरुद्ध धारा 9 10 11 बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

सांसद श्रीमती पारधी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में 13 जनवरी को जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सडक सुरक्षा एवं सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधायक राजकुमार करहिे, गौरव सिंह पारधी, श्रीमती अनुभा मुंजारे, विवेक विक्की पटेल, मधु भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, जनपद अध्यक्ष समल सिंह धुर्वे, कल्याण सिंह राणा, श्रीमती कल्पना मर्सकोले, कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढपाल,

नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली कराहलिया, यातायात थाना प्रभारी सुश्री यीना राहंगडाले एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि जिले की सडको पर दुर्घटना वाले चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनायें रोकने के लिए तत्परता के साथ कडे कदम उठाए जाए। दुर्घटना वाले स्थलों पर साईन बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर आदि की व्यवस्था की जाए। टर्निंग पाईट वाले स्थानों पर लाईट की व्यवस्था की जाए और सडको के किनारे की झाडियो की सफाई की जाए। सडको के साईड सोल्डर भरे जाए। दो पहिया वाहन चालको के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जाए। पेट्रोल पंपो पर बगैर हेलमेट के पेट्रोल का विक्रय नही होना चाहिए इसका कडाई से पालन किया जाए। सांसद श्रीमती पारधी ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले एवं नाबालिग बच्चों द्वारा दो पहिया वाहन चलाने पर कडी कार्यवाही करने कहा। उन्होंने अधिकारियों को आश्वस्त किया कि इन मामलों में किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा पुलिस को कार्यवाही करने से नही रोका जाएगा।

सांसद श्रीमती पारधी ने त्यौहारो के समय भोपाल, इंदौर बसो में तीन गुना किराया बढाये जाने का मामला उठाते हुए कहा कि इस पर सख्ती से रोक लगायी जाए और सुनिश्चित किया जाए कि त्यौहारो के दौरान अधिक किराया न लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि भोपाल, इंदौर की बसो द्वारा अधिक किराया लिया जाना पाया जाता है तो बसो की जब्ती की कार्यवाही की जाए। विधायक श्री गौरव पारधी ने कटंगी-सिवनी रोड पर नेहलेसरा के पास स्पीड ब्रेकर बनाने, कटेदरा में खवासा रोड पर स्पीड ब्रेकर बनाने एवं वाहन चालको का मेडिकल करने व यातायात नियमों की जानकारी देने के लिए शिविर लगाने की आवश्यकता बनायी। विधायक विवेक विक्की पटेल ने सांदीपनि स्कूल वारासिवनी के सामने सडक दुर्घटना रोकने के लिए उचित व्यवस्था करने की आवश्यकता बतायी।

बैठक में बताया गया कि बालाघाट जिल में विगत 03 वर्षों में घटित सडक दुर्घटनाओं के आधार पर कटंगी तहसील में अर्जुननाला ब्रिज से पद्मावती ढाबा, बालाघाट-सिवनी रोड पर मिरेगांव, कनकी में पोहा धान मिल के पास, गोंदिया रोड पर खुरसोडी चौक, हट्टा-सालेटेका चौराहा एवं किरनापुर-लांजी मार्ग पर सेवती नहर के आगे ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गए है। इन ब्लैक स्पॉट पर पिछले 03 वर्षों में 31 लोगो की सडक दुर्घटना में मृत्यु हुई है। वर्ष 2025 में जिले में 688 सडक दुर्घटनाए हुई है जिनमें 248 की मृत्यु हुई है और 705 घायल हुए है। जिनमें दो पहिया वाहनों से हुई 293 घटनाओं में 116, चार पहिया वाहनों से हुई 160 दुर्घटनाओं में 42, ऑटो रिक्शा से हुई 12 दुर्घटनाओं में 04, ट्रक से हुई 120 दुर्घटनाओं में 38, बस से हुई 30 दुर्घटनाओं में 11 एवं अन्य कारणों से हुई 73 दुर्घटनाओं में 37 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। हिट एंड रन के प्रकरणों में वर्ष 2023 से अब तक 326 प्रकरण दर्ज किये गए है इनमें 78 प्रकरणों में राहत राशि स्वीकृत की गई है। बालाघाट में अम्बेडकर चौक पर सिग्नल लगाए जा चुके है और इनका परीक्षण कर लिया गया है। रानी अवंतीबाई, काली पुतली, जय स्तंभ एवं हनुमान चौक में भी ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। सुगम यातायात के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट : कैनरा बैंक बैंगलुरू, कोलकाता, आरडबल्यूएफ बैंगलुरू और साउथ कमाडेंट बैंगलुरू ने जीते मैच

रोमांचक मुकाबले की ओर बढ़ रहा आल इण्डिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट
16 को सेमी, 17 को फाईनल के साथ होगा प्रतियोगिता का समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नेहरू सपोर्टिंग क्लब और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 51 वीं नारायणसिंह मेमोरियल ऑल इण्डिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट अब रोमांचक मुकाबले की ओर बढ़ता नजर आ रहा है।11 जनवरी से स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर आजाद एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट के तीसरे दिन 13 जनवरी मंगलवार को 4 मैच खेले गए। इसमें एससीआर कोलकाता ने सैफई इटावा को तो वहीं आरडबल्यूएफ बैंगलुरू ने इटारसी को पराजित किया इसके अलावा कैनरा बैंक बैंगलुरू ने सोनभद्र को तो वही साउथ कमाडेंट बैंगलुरू ने दुर्ग को पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। टूर्नामेंट का सेमी फाइलन मैच 16 जनवरी को खेला जाएगा।वही टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला व समापन 17 जनवरी को किया जाएगा।

3 मैच में मिली एकतरफा जीत

शहीद चन्द्रशेखर आजाद एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट के तीसरे दिन 13 जनवरी मंगलवार को 4 मैच खेले गए।दिन का पहला मैच 11 बजे से एससीआर कोलकाता व सैफई इटावा के मध्य खेला गया। ये मैच काफी रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने कलात्मक हॉकी दिखाते हुये बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। मैच में कोलकाता 4-3 गोल से विजयी हुई। दिन का दूसरा मैच आरडबल्यूएफ बैंगलुरू व इटारसी के मध्य खेला गया। इसमें खेल प्रारंभ होते ही कुछ देर बाद बैंगलुरू को पैनाल्टी स्टोक मिला जिसे खिलाड़ी ने गोल में तब्दील कर शुरू में 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद बैंगलुरू ने आक्रामक खेल दिखाते हुये इटारसी को 5-0 गोल से एकतरफा हराया। वहीं तीसरा मैच कैनरा बैंक बैंगलुरू बनाम सोनभद्र के मध्य खेला गया। इसमें बैंगलुरू टीम के खिलाडियों ने बेहतर खेल दिखाते हुये 6-0 गोल से एकतरफा जीत प्राप्त कि। मंगलवार का अंतिम मैच साउथ कमाडेंट बैंगलुरू व डीएचए दुर्ग के मध्य खेला गया। इसमें बैंगलुरू टीम ने 5-0 गोल से विजयी होकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

आज इन टीमो के बीच होगी भिढ़ंत

टूर्नामेंट के चौथे दिन 14 जनवरी बुधवार को 3 मैच खेले जाएंगे। इसमें पहला मैच आर्मी इलेवन दिल्ली बनाम बिलासपुर रेल्वे के बीच होंगा, तो दूसरा मैच बीएसएफ जालंधर व बनाम हॉकी गैंगपुर के मध्य खेला जाएगा।दिन का तीसरा मैच व अंतिम मैच एससीआर सिकन्द्राबाद बनाम आरडबल्यूएफ बैंगलुरू के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

दिव्यांग बच्चों के परिजनों ने कलेक्टर से लगाई गुहार, पेंशन राशि और मूलभूत सुविधाएं की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और जीवनयापन से जुड़ी समस्याओं को लेकर लगभग एक दर्जन से अधिक दिव्यांग बच्चों और उनके परिजनों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने वर्तमान में दी जा रही प्रोत्साहन राशि को अपर्याप्त बताते हुए कहा कि इससे दिव्यांग बच्चों का समुचित भरण-पोषण और शिक्षा संभव नहीं हो पा रही है। परिजनों ने बताया कि महंगाई के इस दौर में दिव्यांग बच्चों की विशेष जरूरतों जैसे इलाज, सहायक उपकरण, आवागमन और देखभाल पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है, जबकि शासन की ओर से मिलने वाली पेंशन इस खर्च को पूरा करने में असमर्थ है। उन्होंने मांग की कि दिव्यांग बच्चों को निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही दिव्यांगों के लिए आवास सुविधा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। परिजनों ने प्रशासन से आग्रह किया कि दिव्यांग बच्चों के हित में चल रही योजनाओं की राशि में वृद्धि कर उन्हें और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि दिव्यांग बच्चे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। कलेक्टर से उन्होंने इस पूरे मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र उचित निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है। दिव्यांगों की समस्याओं और मांगों को लेकर दिव्यांग ठाकुर महेंद्र सिंह के नेतृत्व में लगभग एक दर्जन से अधिक दिव्यांग बच्चे और उनके परिजन 13 जनवरी को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने वर्तमान में शासन द्वारा दी जा रही सहायता राशि को अपर्याप्त बताते हुए उसमें वृद्धि की मांग की। दिव्यांग ठाकुर महेंद्र सिंह ने बताया कि वर्तमान में दिव्यांगों को प्रति माह मात्र 600 रुपये की सहायता राशि दी जा रही है, जिससे न तो उनकी मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो पा रही हैं और न ही शिक्षा, इलाज एवं अन्य जरूरी खर्चों का निर्वहन संभव नही है। उन्होंने मांग की कि दिव्यांगों को 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दिया जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। इसके साथ ही दिव्यांगों के लिए निशुल्क शिक्षा, आवास सुविधा और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। उन्होंने यह भी बताया कि कई दिव्यांग बच्चे आठवीं, दसवीं और बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं, बावजूद इसके उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे शिक्षित दिव्यांगों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार या स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस दौरान उपस्थित परिजनों में शामिल श्यामू उपवंशी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को रोजमर्रा के जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि 600 रुपये की सहायता राशि में बच्चों की पढ़ाई, इलाज और अन्य जरूरतें पूरी करना असंभव है। उन्होंने मांग की कि शासन दिव्यांग बच्चों के लिए अलग से विशेष सुविधाएं सुनिश्चित करे और योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। दिव्यांगों और उनके परिजनों ने प्रशासन से अपील की कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र ठोस निर्णय लिया जाए, ताकि दिव्यांगजन भी समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जी सकें।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0025/ड-154/2025-26
मौजा मोहगांव ध., रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हिसबलाल दशरिये पिता पन्नालाल दशरिये जाति लोधी, निवासी ग्राम मोहगांव ध., तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मोहगांव ध, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता यशोदा पति पन्नालाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 25.01.2021 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम मोहगांव ध. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 22.01.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 14.01.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

मकर संक्राति पर्व आज

जलाशयों में लगेगी आस्था की डुबकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सूर्य आराधना का प्रमुख पर्व मकर संक्रांत बुधवार 14 जनवरी को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों सहित समस्त ग्रामीण अंचलों में पूर्ण विधि-विधान व धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनाया जाएगा।जहा हिंदू धर्मावलंबियों के इस प्रमुख पर्व में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा जिले के विभिन्न जलाशयों, दार्शनिक स्थलों व मन्दिरो में जाकर भगवान सूर्य, शनि ,भगवान गणेश और भगवान शंकर की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। वहीं विभिन्न दार्शनिक स्थलों में जगह-जगह पिकनिक पार्टी सहित अन्य आयोजन होंगे। जिसको लेकर तैयारियां लगभग पूर्ण हो गई है।जहा मकर संक्रांति के इस पर्व विशेष को लेकर मंगलवार को पतंग बाजार सहित स्थानीय बाजार गुलजार नजर आया। जहां इस पर्व विशेष पर ज्यादा लोगों को मकर संक्रांति की देर शाम तक खरीदारी करते हुए देखा गया।

उड़ेंगी पतंगे, नदी घाटों में लगेगी आस्था की डुबकी

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में मकर संक्राति पर्व आज बुधवार को आस्था पूर्वक मनाया जाएगा। जिसके चलते जिले के पिकनिक स्पॉट पर मेला जैसा महौल रहेगा।शहर के वाटनिकल उद्यान, जागपुरघाट, बजरंगघाट, गांगगुलपारा, ढुटी डेम सहित अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने पहुंचेंगे।वहीं इस दिन तिल स्नान का भी महत्व है। इस कारण नदी घाटों में आस्था की डुबकी लगाकर तिल गुड़ का सेवन किया जाएगा।तो वही वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी जगह-जगह पतंगबाजी देखने को मिलेंगी।

शास्त्रों में पर्व विशेष का मिलता है महत्व

शास्त्रों के अनुसार दक्षिणायण को देवताओं की रात्रि अर्थात् नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात् सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इसीलिए इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद्ध, तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढकर पुनः प्राप्त होता है। ज्योतिषाचार्यो के अनुसार इस दिन शुद्ध घी एवं कम्बल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है।

मकर संक्रान्ति को लेकर नहीं है कन्फ्यूजन

इस बार मकर सक्रांति खास संयोग में आ रहा है। इस पर अच्छी बात यह भी है कि इस साल मकर संक्रांति की तिथि को लेकर किसी तरह का कन्फ्यूजन भी नहीं है। इस साल मकर संक्रांति 14 जनवरी को ही पूरे देश में मनाई जाएगी।इसी दिन पोंगल, बिहू और उत्तरायण पर्व भी मनाया जाएगा।

ग्राम पंचायत टेकाड़ी में जेसीबी से एक दिन में बना तालाब फर्जी मस्टरोल से 85 हजार रूपये निकाले गये

टेकाड़ी में सरपंच पति की कारस्तानियों का सिलसिला बेधड़क जारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

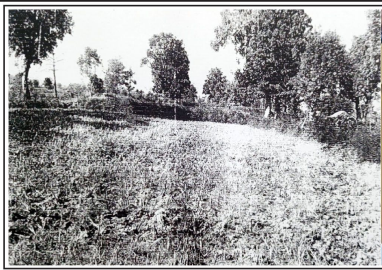

ग्राम पंचायत टेकाड़ी में कथित अनियमितताओं की कड़ी लगातार बढ़ती जा रही है। अभी एक मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि पंचायत प्रशासन से जुड़ी नई शिकायतें सामने आ गई हैं। आरोप छोटे तालाब निर्माण योजना को लेकर लगाए गए हैं, जिसने पंचायत की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। योजना के तहत बनने वाले तालाबों का निर्माण नियमों की अनदेखी करते हुए रातों-रात जेसीबी मशीन से करा दिया गया। आरोप यह भी है कि हितग्राही का जेसीबी से तालाब बनवाने की बात कही गई, जबकि शेष राशि का आहरण अलग से किया गया। मामले का कथित ऑडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ऑडियो में सरपंच पति तारा कावरे पर हितग्राहियों को शिकायत करने पर झूठे मामलों में पुलिस में फंसाने की धमकी देने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

जिलेभर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शासकीय कार्यों और स्वीकृत शासकीय राशि के दुरुपयोग की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कई मामलों में आरोप सही पाए जाने के बावजूद कार्रवाई की गति धीमी बनी हुई है। इसी तरह की स्थिति जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत टेकाड़ी में भी देखने को मिल रही है, जहां पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि ग्राम पंचायत टेकाड़ी में निर्वाचित महिला सरपंच रश्मि कावरे के स्थान पर उनके पति तारा कावरे ही पंचायत के अधिकांश कार्यों का संचालन कर रहे हैं। गांव के शिकायतकर्ता सिद्धूलाल बाहेश्वर ने बताया कि उन्होंने पंचायत में शासकीय योजनाओं में हो रही कथित गड़बड़ियों को लेकर जनपद पंचायत, जिला पंचायत, कलेक्ट्रेट, सीएम हेल्पलाइन और यहां तक कि प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि शिकायतों के बाद सरपंच पति द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जिसकी पुष्टि करता एक कथित ऑडियो इन दिनों पूरे गांव में वायरल हो रहा है। सिद्धूलाल बाहेश्वर ने आगे बताया कि ग्राम टेकाड़ी निवासी शंकरलाल पिता नन्दूलाल के खेत में जल गंगा संवर्धन योजना के अंतर्गत तालाब निर्माण की स्वीकृति 15 मई 2025 को दी गई थी। इस कार्य के लिए एक लाख 37 हजार रुपये स्वीकृत हुए, जिसमें से 16 मई 2025 से 20 जून 2025 के बीच 85 हजार 347 रुपये फर्जी मस्टर रोल के माध्यम से आहरित कर लिए गए। शिकायत करने के बाद 12 दिसंबर 2025 की रात जेसीबी मशीन से तालाब का निर्माण करा दिया गया, जबकि मनरेगा के तहत यह कार्य श्रमिकों से कराया जाना था।

जेसीबी से एक दिन में बना तालाब,मजदूरो की फर्जी हाजिरी लगी!!

सिद्धूलाल बाहेश्वर का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में ऑनलाइन शिकायत और जनसुनवाई के माध्यम से जांच के लिए आवेदन दिया गया था, लेकिन आज तक कोई जांच नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत के संबंधित कर्मचारी और सरपंच पति द्वारा एक स्थान का तालाब दिखाकर वास्तविक निर्माण दूसरे स्थान पर रातों-रात जेसीबी से करा दिया गया। निर्माण से पहले जीपीएस सहित फोटो भी ली गई थी, वहीं बाद में मौके पर जेसीबी के टायरों के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। पूरा मामला मनरेगा योजना के उस उद्देश्य पर भी सवाल खड़े करता है, जिसके तहत मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य है। लगातार सामने आ रहे आरोपों के बाद अब ग्रामीणों की नजर प्रशासन की कार्रवाई और निष्पक्ष जांच पर टिकी हुई है।

सरपंच पति का झूठे मामलों में फंसाने का ऑडियो वायरल

गांव के शिकायतकर्ता सिद्धूलाल ने आरोप लगाया है कि सरपंच पति तारा कावरे खुलेआम लोगों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। सिद्धूलाल के अनुसार, तारा कावरे और संतोष नागेश्वर के बीच हुई बातचीत का एक कथित ऑडियो इन दिनों गांव में वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में तारा कावरे संतोष नागेश्वर से यह कहते सुने जा रहे हैं कि वे इधर-उधर शिकायत न करें। इसके बदले मात्र 10 हजार रुपये में जेसीबी मशीन से तालाब बनाकर उसमें पानी भरकर तालाब दर्शा देने की बात कही जा रही है। ऑडियो में यह भी दावा किया गया है कि इससे पहले गांव के शंकरलाल के खेत में भी इसी तरह से तालाब निर्माण कराया गया था। इतना ही नहीं, ऑडियो में कथित तौर पर तारा कावरे यह भी कहते सुनाई दे रहे हैं कि यदि तालाब नहीं बनवाया गया और शिकायत की गई तो किसी भी झूठे मामले में फंसाकर पुलिस केस करवा दिया जाएगा। इस तरह की धमकी भरी बातचीत का ऑडियो गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी दिए थे जांच के संकेत

बीते दिनों बालाघाट प्रवास पर आए मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी ग्राम पंचायतों में हो रही अनियमितताओं को लेकर गंभीरता दिखाई थी। इस दौरान उन्होंने संबंधित ग्राम पंचायतों के नाम पूछे थे, जिसमें टेकाड़ी और भरवेली ग्राम पंचायत का उल्लेख हुआ था। मंत्री प्रहलाद पटेल ने अपने बयान में कहा था कि ग्राम पंचायतों में हुई अनियमितताओं को लेकर जल्द ही जांच के आदेश दिए जाएंगे और संबंधित विभाग को तलब किया जाएगा। अब वायरल ऑडियो और लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद ग्रामीणों की उम्मीदें एक बार फिर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

8 वर्षीय बालक छत से गिरकर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुरसोडी में एक दर्दनाक हादसे में 8 वर्षीय बालक मकान की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खुरसोडी निवासी हरिप्रसाद लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते हैं। उनके परिवार में पत्नी धनवंती, एक 8 वर्षीय पुत्र आनंद तथा एक बड़ी बेटी है। घटना 12 जनवरी को दोपहर लगभग 3 बजे की बताई जा रही है।बताया गया कि घटना के समय हरिप्रसाद लिल्हारे गांव के चौक की ओर गए हुए थे, जबकि उनकी पत्नी धनवंती घरेलू कार्यों में व्यस्त थीं। इसी दौरान बालक आनंद खेलते-खेलते अपने मकान की छत पर चढ़ गया और अचानक फिसलने से नीचे गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। घटना को पड़ोसियों ने देखा और तत्काल इसकी सूचना बालक के पिता को दी। सूचना मिलते ही हरिप्रसाद लिल्हारे घर पहुंचे और पत्नी धनवंती के साथ घायल पुत्र आनंद को बस के माध्यम से बालाघाट लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उसका उपचार जारी है।

बालाघाट प्रवास पर पहुचे मुख्य अभियंता गिरिया का विभिन्न संगठनों ने किया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) जबलपुर एस.के. गिरिया सोमवार को बालाघाट प्रवास पर पहुचे, जिनका म.प्र. विद्युत अधिकारी/कर्मचारी एवं समस्त संगठन द्वारा कैपिंग हाउस बालाघाट गर्म जोषी से स्वागत किया गया।जिसमें बालाघाट जिले के अमित कुमार, अधीक्षण अभियंता, रवि कुम्हरे, कार्यपालन अभियंता बालाघाट, चंद्रहास चन्द्राकर कार्यपालन अभियंता (एसटीएम-एसटीसी.), बाबुलाल भैना कार्यपालन अभियंता वारासिवनी, लक्ष्मण सिंह कार्यपालन अभियंता बैहर, आई.डी. पटले प्रांतीय उपाध्यक्ष यूनाइटेड फोरम, के.एल. गौतम अध्यक्ष पेंशनर एसोसियशन, महासंघ संगठन के पदाधिकारी नितेन्द्र श्रीवास्तव, आर.एस. ठाकरे, एवं समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण कार्यक्रम में उपस्थित रहें। मिलन समारोह में सफल मंच संचालन मनोज पाराशर एवं मोहसिन खान द्वारा किया गया।

समान रूप से पट्टा जारी करने की मांग को लेकर परेशान वार्ड-33 के परिवार जनसुनवाई में पहुंचे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वार्ड क्रमांक 33 के लगभग 30 से 40 परिवार कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और वर्षों से लंबित पट्टा प्रकरणों को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी समस्या रखी। परिवारों ने बताया कि वे बीते कई वर्षों से लगातार आवेदन और निवेदन कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें अब तक पट्टा जारी नहीं किया गया है। परिवारों का कहना है कि उसी क्षेत्र के कुछ लोगों को पट्टा प्रदान कर दिया गया है, जबकि अनेक परिवारों को अपात्र घोषित कर दिया गया, जिससे उनमें असंतोष और असमानता की भावना उत्पन्न हो गई है। उन्होंने मांग की कि सभी पात्र परिवारों के प्रकरणों की पुनः जांच कर समान रूप से

पट्टा जारी किया जाए, ताकि वर्षों से चला आ रहा उनका आवासीय संकट समाप्त हो सके।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान वार्ड क्रमांक 33 से पहुंचे अनेक परिवारों ने वर्षों से लंबित पट्टा समस्या को एक बार फिर प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया। जनसुनवाई में मौजूद परिवारों ने बताया कि पट्टा नहीं मिलने के कारण वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक और सामाजिक परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। परिवारों का कहना है कि आवास, बिजली, पानी, राशन कार्ड और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ पट्टा के अभाव में नहीं मिल पा रहा है। इससे उनका जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है और वे विकास की मुख्यधारा से कटे हुए महसूस कर रहे हैं। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने बताया कि कुछ हितग्राहियों को पट्टा प्रदान किया गया है, जबकि अनेक पात्र परिवारों को बिना किसी ठोस कारण के अपात्र घोषित कर दिया गया। इस दौरान वार्ड निवासी सरिता बिसेन ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि वे पिछले 15 से 20 वर्षों से उसी क्षेत्र में निवास कर रही हैं, इसके बावजूद अब तक उन्हें पट्टा जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड में कई ऐसे परिवार हैं, जो सभी निर्धारित मापदंडों के अनुसार पात्र हैं, फिर भी उन्हें पट्टा से वंचित रखा गया है। सरिता बिसेन ने बताया कि यदि उन्हें पट्टा प्रदान किया जाता है, तो वे शासन की आवास, बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ ले सकेंगी, जिससे उनके परिवार की स्थिति में सुधार होगा। इस संबंध में वार्ड पार्षद योगेश बिसेन ने भी कलेक्टर का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वार्डवासियों की सबसे बड़ी आवश्यकता आज पट्टा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कुछ परिवारों को पट्टा दिया गया है, लेकिन शेष पात्र परिवारों को इससे वंचित रखा गया, जिस पर उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई है। पार्षद ने कहा कि वर्षों से रह रहे परिवारों को बिना स्पष्ट कारण के अपात्र घोषित करना न्यायसंगत नहीं है। पार्षद योगेश बिसेन ने कलेक्टर से आग्रह किया कि वार्ड-33 के सभी पात्र निवासियों को शीघ्र और समान रूप से पट्टा उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे भी शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें और उनकी वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

सिरका जंगल में नक्सलियों का बड़ा डंप मिला, नक्सल साहित्य समेत दवाइयों का जखीरा बरामद

मलाजखंड दलम के माओवादियों की डंप छिपाने पर बड़ी कार्रवाई

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

फाईल फोटो

गत दिनों सीआरपीएफ कैम्प नोडांगीको विगत दिनों से मुखबिरों और नक्सल सेल से मिल रही सूचनाओं,जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) के मलाजखंड एरिया कमेटी के सदस्य अज्ञात नक्सलियों द्वारा अवैध शस्त्र एवं गोलाबारूद के दम पर विधि विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त होकर मुखबिरों की हत्या करने के आशय से एवं क्षेत्र में भय व्याप्त कर अवैध वसूली करने, शासन एवं कानून के विरुद्ध अपनी विधि विरुद्ध गतिविधियों को संचालित करते हुए शासकीय कर्मचारियों एवं ग्रामिणों पर अवैध शस्त्रों के बल पर भय एवं आतंक का माहौल बनाकर पुलिस बल एवं पुलिस के मुखबिर की हत्या करने की मंशा से घुमकर एवं आतंक का माहौल बनाकर पुलिस बल एवं पुलिस के मुखबिर की हत्या करने की मंशा से घुमकर जंगलों में कई जगह विस्फोटक व अन्य सामग्री इत्यादि छिपाकर रखे हैं,कि प्राप्त गंभीर सूचनाओं परपुलिस अधीक्षक महोदय बालाघाट आदित्य मिश्रा के नक्सल विरोधी अभियान के तहत 11 जनवरी 2026 को नक्सल विरोधी अभियान हेतु सिरका के जंगल क्षेत्र में सर्चिंग की कार्यवाही के लिये लोड़ांगी सीआरपीएफ 123 बीएन एक्स समवाय पार्टी प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मी प्रसाद सीआरपीएफ लोंडाँगी जिला बालाघाट तथा जिला पुलिस बल लोढ़ागी से 2 का बल पार्टी प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मी प्रसाद सीआरपीएफ हमराह में रवाना किया गया.

पुलिस के मुताबिक दल के रवाना होकर सर्चिंग हेतु सिरका के जंगल क्षेत्र में पहुंचकर सर्चिंग कर रहे थे कि सुबह करीब11.50 बजे सिरका जंगल में कोर्डिनेट पाइट पर कुछ जमीन उठी हुई दिखाई दी जो शंकास्पद होने पर साथ में मौजूद बीडीडीएस टीम के द्वारा उस जगह की मिट्टी को सुरक्षा का ध्यान रखते हुए एवं एस.ओ.पी. का पालन करते हुए हटा कर देखा गया जो एक नीले रंग का प्लास्टिक का ड्रम जमीन में गड़ा दिखा. टीम को किसी वायर या अन्य उपकरण से जुड़ाव नहीं होने की पुष्टि होने पर जिसे बीडीडीएस टीम व हमराही बल की मदद से सावधानीपूर्वक चेक करते मिट्टी हटाकर बाहर निकालकर खोला गया जिसमें संदिग्ध सामग्री रखी दिखी जिसे सावधानीपूर्वक एसओपी का पालन करते हुए एक-एक सामान को निकालकर देखा जो ड्रम से नक्सल सामग्री बरामद हुई।

डंप से बरामद नक्सल असलहा सामग्री

पुलिस द्वारा दी गयी जानकारी अनुसार- ड्रम (प्लास्टिक) 01 नग , त्रिपाल (तारपोलिन)-1 नग, रोप 1 नग , ब्लैक यूनिफार्म (डंगरी)-04 नग , बेड शीट -01 नग , ब्लाउज -01 नग , न्यू क्लॉथ कटिंग -05 नग , नक्सल फ्लैग -01 नग , नक्सल बुक/लिटरेचर - भूमकाल सन्देश -01, गणित दंड कमिता -01, भारत देश का इतिहास -01, विज्ञानं शर्तोंरा -01,पीएलजी की 24th वर्षगांठ -01, पार्टी कार्कोराम बुक -01, नक्सल पम्पलेट -08, नोट बुक -03, पार्टी कमेटी के कार्य कामे के तरीके -01, झूटी संसदीय चुनाव का बहिष्कार करें -01, सलेट -01 , फोटो पेपर -04, डीवीडी सीडी -01 , प्रिंटर Ink बोतल -03 , कलर बोतल ऑफ प्रिंटर -08 नग , मल्टी चार्जर -01 , मेडिसिन्स में - नीव मीट -01 ,D-5-02 Nos, RI-33 बोतल, Dns-18 बोतल, टैब माइक्रोडॉक्स Lb&-100 , टैब विटामिन C-30 , कैप बिकॉसुल्स -38 , इंज देक्सामेथसोने -08 , इंज लसिक्स 4द्वद्य-08 , इंज Mvi विटामिन -05 , इंज रेओपिन -01 , इंज गूढे Eaq-15 ,इंज जानथक 2 MI-05 , लोस्सओं -08, ऑय ड्राप -04, इंज वित्तकोफाल 10 MI-01, टैब डिस्प्रिन -70 . इंज साइकिलपम -01 , इंज E-Mal 10 MI-03 , इंज Rt Sunet-03 Set, Tab Tesvnete Sp-01 Kit, Tab Cipladine -04 , Tab Candid V Gel-02 , Sumo Sumo Tub-01 , Inj Chromostat-03 , Nusafe-09 , Canola-02 Set, Tab Shelcal-Os-06 , Tab Metrogy-Er-13 Nos. Tab Mono Cef O-200-10, Mo& Cap 500 mg-60 , Tab E Tova-Er600 Mg-20 , Tab Bactrim Ds-10. Tab Ecosprin-40 , Tab Malirio Ds-06 , Fosfocin Powder -03 , Li1 52-01 , Tab Ciffran-30 , Tab Zerodol Cr200 Mg-70 , Ketopro Shap-2 , Gulcondi-01 , Dettole 125 MI-01 , Hemocell 500 MI-03 मिले जो मलाजखण्ड दलम के नक्सलियों द्वारा अपने उपचार इत्यादि में उपयोग करने के उद्देश्य से उक्त सामग्री जमीन में गड्ढा खोदकर रखी गयी थी। उक्त सामग्री को गड्ढे से बाहर निकालकर मौके पर लिस्ट तैयार कर हमराह स्टाफ की मदद से थाना किरनापुर लेकर आये है। डम्प में मिले नक्सली साहित्य में मलाजखण्ड दलम के एरिया कमेटी का साहित्य होना लेख पाये जाने से मलाजखण्ड दलम के विरुद्ध उक्त धारा सदर का अपराध घटित होना पाये जाने से रिपोर्ट पर से भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) के मलाजखण्ड दलम के नक्सलियों के विरूद्ध अपराध धारा 13 (1) (a), 13(1) (बी) विधि विरुद्ध क्रिया-वलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 का पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इस तरह लगातार सुरक्षा बलों को कहीं आत्मसमर्पित तो कहीं अज्ञात मुखबिरों या सर्चिंग के दौरान नक्सली डंप मिलना लगातार जारी है और सिरका जंगल नक्सलियों का मुख्य डंप वाला जंगल बन गया है।

आस-पास की खबरें

लालबर्रा में रक्तदान शिविर 15 को सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति की एक आवश्यक बैठक ग्राम पंचायत पांढरवानी कार्यालय के सभा हॉल में मंगलवार को संपन्न हुई। यह बैठक समिति के पदाधिकारी एवं

पांढरवानी सरपंच अनीस खान, अमोली उपसरपंच, जामा मस्जिद अध्यक्ष अफसर कुरैशी सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। बैठक में आगामी 15 जनवरी को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं सफल आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि यह रक्तदान शिविर लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य के स्थानांतरित भवन में आयोजित होगा। जो वर्तमान में तहसील कार्यालय के पीछे, कॉलेज के बालिका छात्रावास में संचालित है। साथ ही इस शिविर में मुस्लिम समाज सहित सभी समुदायों के लोग भाग ले सकते हैं, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाया जा सके। वहीं बैठक के दौरान रक्तदाताओं की सूची तैयार करने, पंडाल व्यवस्था, पंजीयन, प्राथमिक चिकित्सा, जलपान, प्रचार-प्रसार तथा कार्यक्रम संचालन की संपूर्ण व्यवस्था पर बारीकी से विचार किया गया और सभी बिंदुओं पर चर्चा के बाद कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर पांढरवानी सरपंच, समिति सदस्य अनीस खान ने ग्राम पंचायत स्तर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। वहीं जामा मस्जिद अध्यक्ष अफसर कुरैशी ने समाज के अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान शिविर में सहभागिता की अपील की है। समिति सदस्य रिजवान खान एवं समिति उपाध्यक्ष राशिद खान ने युवाओं को जागरूक कर रक्तदान के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। वहीं बैठक के अंत में संयुक्त सचिव मतीन रज़ा ने कहा कि रक्तदान शिविर मानव सेवा का एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे सभी के सहयोग से सफल बनाया जायेगा। वहीं सचिव वासित खान ने कार्यक्रम से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने की जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष मोहसिन अहमद, शेख नदीम, सलीम खान, मो. कुद्दुस कुरैशी, नसीर उल्ला, मकसूद खान, जीशान अशरफी, सरफराज खान, इरशाद खान, मोहम्मद जुनेद रिज़्वी एवं मोबिन अहमद सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग सैंट्रल बैंक के सामने यमराज को आमंत्रण देते गड्ढे

आये दिन हो रही हैं दुर्घटनाएं, मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति, सड़क पर बह रहा गंदा पानी, राहगीर परेशान

सड़क एवं नाली का निर्माण करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से गुजरी बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग लालबर्रा बस स्टैण्ड से करीब 200 मीटर दूर सैंट्रल बैंक के सामने की सड़क इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। हाईवे के बीचों-बीच स्थित जानलेवा गड्ढों के कारण यहां आये दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही नाली एवं नल-जल योजना की पाइपलाईन भी क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी हाईवे रोड़ के ऊपर से बह रहा है जिससे लोगों को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह हाईवे रोड़ में कंजई, सिहोरा सहित अन्य स्थानों में भी इस मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए है जिसके कारण दुर्घटनाएं हो रही है। वहीं विडंबना यह है कि शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग सब कुछ जानकर भी अनजान बना हुआ है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। साथ ही बालाघाट से सिवनी हाईवे रोड़ निर्माण के लिए करोड़ों रूपयों की राशि स्वीकृत होने की घोषणा पूर्व में हो चुकी है। लेकिन अब तक निर्माण कार्य की प्रक्रिया तक शुरू नही हो पाई है। जिससे ऐसा लगता है कि सड़क की घोषणा सिर्फ घोषणा ही बनकर न रहे जाये। वहीं क्षेत्रीयजनों ने

शासन-प्रशासन से बालाघाट से सिवनी हाईवे रोड़ का निर्माण कार्य स्वीकृत हो गया है तो जल्द नवीन सड़क का निर्माण एवं सैंट्रल बैंक लालबर्रा के सामने एवं अन्य स्थानों पर बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति

आपकों बता दे कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का पूर्व में मरम्मत कार्य करवाया गया था किन्तु यह मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण जगह-जगह गड्ढे बन चुके है। इसी तरह लालबर्रा सैंट्रल बैंक के सामने सड़क बहुत ही अधिक खराब हो चुकी है एवं जानलेवा गड्ढा बन चुका है। यहां मानकर चले कि सैंट्रल बैंक के सामने वाला यह हिस्सा अब एक्सीडेंट जोन में तब्दील होता जा रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान अचानक गड्ढों से बचने के प्रयास में असंतुलित होकर दुपहिया सहित अन्य वाहन चालक गिर रहे हैं। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है जब कम रोशनी के कारण ये गड्ढे दिखाई नहीं देते। जिसके कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। स्थानीय निवासियों और राहगीरों का आरोप है कि विभाग द्वारा इस मार्ग की सुध नही ले रही है और मरम्मत के नाम पर पूर्व में केवल खानापूर्ति की गई थी। यानि की गुणवत्ताहीन कार्य किया गया था जिसके कारण कुछ दिनों में ही स्थिति जस की तस हो जाती है। साथ ही हाईवे सड़क पर केवल गड्ढे ही समस्या नहीं हैं, बल्कि पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण नाली का गंदा पानी भी सड़क पर बह रहा है। इससे न केवल सड़क और अधिक खराब हो रही है, बल्कि पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सड़क विभाग से मांग है कि हाईवे रोड़ के सैंट्रल बैंक सहित अन्य स्थानों पर बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। वहीं एमपीआरडीसी विभाग के एजेएम मुकेश बेले से दूरभाष पर बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग लालबर्रा सैंट्रल बैंक के सामने सहित अन्य स्थानों पर सड़क में जगह-जगह बने गड्ढों का मरम्मत कार्य एवं नवीन सड़क का जल्द निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

सड़क पर बने है जानलेवा गड्ढे - डॉ. अरूण

डॉ. अरूण उपाध्याय ने बताया कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग में जगह-जगह गड्ढे हो गये है और सैंट्रल बैंक के सामने जानलेवा गड्ढा बन गया है। इस तरह से यह मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है। स्थिति इतनी खराब है कि आये दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि पूर्व में सड़क का मरम्मत कार्य करवाया गया था। डॉ. उपाध्याय ने बताया कि जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण सड़क के ऊपर से गंदा पानी भी बहता है जिसके कारण लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बीमारियां भी होने का खतरा बना हुआ है इसलिए प्रशासन से मांग है कि सड़क में बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाकर जल्द पानी निकासी के लिए नाली का निर्माण करवाये।

आये दिन हो रही दुर्घटनाएं, जिम्मेदार मौन बैठे है - रियाज

रियाज अली ने बताया कि बालाघाट से सिवनी तक का पूरा मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और गत दिवस मैं अपनी पत्नि के साथ जा रहा था। तभी इस सड़क में दुर्घटना का शिकार हो चुका हूं, पैर में चोट आई है और गड्ढों के कारण रोजाना लोग गिरकर घायल होते है, जल्द सड़क में बने बड़े गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो भविष्य में बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। श्री अली ने बताया कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत होने की जानकारी पूर्व में लगी थी, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू तक नही हुआ है और सड़क में बने गड्ढों से सभी परेशान है। जबकि इस मार्ग से रोजाना जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि भी आवागमन करते है लेकिन उन्हे सैंट्रल बैंक के सामने सहित अन्य स्थानों पर बने गड्ढे दिखाई नही दे रहे है जो समझ से परे लग रहा है। शासन-प्रशासन से मांग है कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का जल्द निर्माण करवाये।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह के अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं समस्त स्टॉफ का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी उचित परामर्श चिकित्सकों के द्वारा दिया गया। साथ ही नि:शुल्क औषधियॉ प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी नरेश सौलखे रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के चिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र मंडलोई, डॉ. संजय चौहान,

परामर्शदाता श्रीमती सीमा बोपचे, महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता मेश्राम, श्रीमती संध्या भलावे, नितेश कुमार, मनीष शिवहरे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेडे, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

आरोपों को बताया निराधार, बोले-हमारी सहमति और कुछ अभिभावकों की मौजूदगी में ही गये थे बच्चे

पिकनिक विवाद पर अभिभावकों ने शिक्षक के समर्थन में प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित शासकीय एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ सहायक शिक्षक संतोष तुरकर के द्वारा गत दिनों प्राचार्य व अभिभावकों की बिना अनुमति के बच्चों को पिकनिक में लेकर जाने का मामला प्रकाश में आया था। साथ ही कुछ अभिभावक व ग्राम के जागरूक नागरिकों ने प्राचार्य से इस मामले की शिकायत भी की थी और शिक्षक श्री तुरकर पर प्राचार्य के बिना अनुमति के बच्चों से 300-300 रूपये लेकर पिकनिक ले जाने का आरोप भी लगाया था। इस संबंध में 13 जनवरी को बच्चों के अभिभावकों के द्वारा विद्यालय पहुंचकर प्रभारी प्राचार्य श्री मोहारे को ज्ञापन सौंपकर स्वयं के सहमति से बच्चों को पिकनिक भेजने एवं कुछ अभिभावक के भी पिकनिक में जाने की जानकारी दी और सहायक शिक्षक संतोष तुरकर पर बिना सहमति के पिकनिक पर ले जाने का जो आरोप लगाया था उसे निराधार बताया है। वहीं बच्चों के अभिभावकों का कहना है कि बच्चों के शैक्षणिक मनोरंजन के लिए उन्होंने स्वयं सहमति दी थी और पिकनिक के दौरान कुछ पालक स्वयं भी बच्चों की सुरक्षा और देखभाल के लिए गये थे। ऐसे में सुरक्षा में लापरवाही का सवाल ही नहीं उठता। चर्चा में दिनेश कुमार पटले ने बताया कि अभिभावकों की सहमति से श्री तुरकर सर ने बच्चों को पिकनिक पर लेकर गये थे जिनके साथ कुछ अभिभावक भी गये थे, सर पर जो आरोप लग रहे है कि बिना सहमति से लेकर गये है वह गलत है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

इनका कहना है-

अभिभावकों के द्वारा मंगलवार को विद्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है कि हमारी सहमति से सहायक शिक्षक संतोष तुरकर ने बच्चों को पिकनिक पर लेकर गये थे, जिस संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया जायेगा।

ओमकार मोहारे
प्रभारी प्राचार्य
शास. एकीकृत उमावि. घोटी।

मानपुर पंचायत ने तहसील कार्यालय के उपवन की करवाई सफाई

77 पंचायत के ग्रामीण एवं पक्षकारों को मिलेगी सुविधा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय परिसर में शासन द्वारा लाखों रूपयों की लागत से निर्मित उपवन (गार्डन) की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने से गंदगी फैली हुई थी। साथ ही बैठने के लिए लगाये के सीमेन्ट की कुर्सियां भी क्षतिग्रस्त होने लगी थी एवं झाड़ियों के कारण लोगों को उक्त गार्डन में बैठने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को लेकर गत माह बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार भी प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद तहसील प्रशासन के अधिकारी के साथ ही मानपुर पंचायत के जिम्मेदार लोग हरकत में आये और गत दिवस मानपुर पंचायत के द्वारा गार्डन में फैली गंदगी एवं झाड़ियों के साथ ही सीमेन्ट की बनी कुर्सियों की साफ-सफाई करवाई गई है। जिसके बाद तहसील कार्यालय परिसर स्थित उपवन (गार्डन) स्वच्छ और सुंदर हो गया है। वहीं तहसील कार्यालय में

दुर-दराज से राजस्व सहित अन्य काम से आने वाले लोगों का समय पर काम नही होने पर अब वे गार्डन की कुर्सियों में बैठकर अधिकारी-कर्मचारियों का इंतजार कर रहे है। नही तो पूर्व में लोगों को इधर-उधर घुमना पड़ता था।

नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग

आपकों बता दे कि तहसील कार्यालय परिसर में दुर-दराज से आने वाले लोगों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नही होने पर उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इसलिए विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से गार्डन का निर्माण करने के साथ ही सीमेन्ट की कुर्सी लगाई गई है। वहीं इस गार्डन में पेड़ लगे होने के कारण छाव भी रहता है जहां दुर-दराज से आने वाले लोग बैठते है। साथ ही इस तहसील कार्यालय में राजस्व संबंधी कार्यों के लिए लालबर्रा विकासखण्ड के 77 ग्राम पंचायतों के हजारों किसान और आमजन प्रतिदिन अपने जमीनी दस्तावेजों, नामांतरण और सीमांकन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आते है। लेकिन गार्डन में फैली अव्यवस्था और बड़ी-बड़ी कटीली झाड़ियों के कारण उन्हें बैठने तक की जगह नसीब नहीं होती थी। गंदगी के अंबार और झाड़ियों के चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही दूर-दराज से आने वाले बुजुर्गों और किसानों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। जनहित की इस समस्या को प्राथमिकता देते हुए ग्राम पंचायत मानपुर ने विशेष सफाई अभियान चलाकर पूरे उपवन की साफ-सफाई कर कायाकल्प कर दिया है। अब झाड़ियों की कटाई और कचरे के निपटान के बाद उपवन साफ-सुथरा हो गया है। अब तहसील कार्यालय आने वाले पक्षकारों को सुकून भरा वातावरण मिल रहा है। पंचायत के इस जनहितैषी कार्य की तहसील कार्यालय आने वाले लोगों ने सराहना की है और इसी तरह समय-समय पर साफ-सफाई करवाते रहने की मांग की है।

किरनापुर मुख्यालय मे 19 को धूमधाम से मनाया जाएगा आनंद उत्सव कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर में तीन पंचायतों किरनापुर, आमगांव एवं बड़गांव का संयुक्त रूप से आनंद उत्सव कार्यक्रम स्थानीय बेसिक शाला ग्राउंड मे 19 जनवरी 2025 दिन सोमवार को बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से आयोजित किया जाएगा। शासन की मंशानुरूप इस संबंध मे ग्राम पंचायत किरनापुर में विशेष बैठक आयोजित कर सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई।आनन्द उत्सव कार्यक्रम मे 100 मी दौड़, आलु रस्सा कस्सी, बोरा दौड़, वालीबॉल, सुई धागा दौड़, कुर्सी दौड़ के अलावा गीत गायन, डांस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच ग्राम पंचायत किरनापुर तथा मुख्य अतिथि के रूप मे कल्याण सिंह राणा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भुवन भाऊ राहंगडाले एवं विशेष अतिथि के रूप मे जनपद पंचायत मनीष भीमटे लक्ष्मी संतलाल पांचे सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रहेगी। आयोजित बैठक के दौरान पी एम श्री विद्यालय प्राचार्य इन्द्र श्याम ठाकरे, एल एन बसेना,शासकीय प्राथमिक शाला आमगांव के प्रधान पाठक माधव बघेल, शासकीय प्राथमिक शाला बड़गांव से महेश बोपचे, सरपंच किरनापुर धर्मकला रामटेके, जे पी रामटेके, सचिव नरेन्द्र डहरवाल, बड़गांव पंचायत से ग्राम रोजगार सहायक अरुण कोसरे सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

सड़क पर खड़े धान से भरे ट्रक दुर्घटनाओं को दे रहा न्यौता

रिजनल रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मामला वारासिवनी बालाघाट मार्ग का व्यवस्था बनाने रहागीरों ने की मांग

वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन के गोदाम के सामने सड़क किनारे धान से भरे ट्रक की कतार लगी हुई हैं। यह कतार सड़क के किसी एक तरफ नहीं दोनों तरफ लगी हुई है। जहां पर दो ट्रैकों के बीच खाली स्थान से यातायात संचालित हो रहा है पर दुर्घटना की संभावना बहुत ज्यादा बनी हुई है। जिसको लेकर राहगीरों में रोष व्याप्त है क्योंकि जिला मुख्यालय का मार्ग होने से यातायात का भारी दबाव बना हुआ है। ऐसे में लोगों को सड़क पर ट्रक खड़े होने से दुर्घटनाग्रस्त भी होना पड़ सकता है। राहगीरों के द्वारा मार्ग पर व्यवस्थित ट्रक खड़े करने और आवागमन की बेहतर व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

गोदाम में भण्डारण करने आ रहे ट्रक

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। जिसमें समितियों में रखें धान के भंडारण को सुरक्षित रखने के लिए वेयरहाउस और कैंप में परिवहन करने का कार्य चल रहा है। ऐसे में मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन के गोदाम में भी धान या अनाज का भंडारण लाया जा रहा है। जहां पर अत्यधिक ट्रक एक साथ आने के कारण अव्यवस्था निर्मित हो रही है। गोदाम में एक एक ट्रक को एंट्री दी जा रही है जिसके कारण गोदाम के सामने पहुंचे ट्रक सड़क किनारे अवस्थित रूप से खड़े कर दिए गए हैं। जहां सड़क के दोनों तरफ भारी भरकम ट्रक ऊपर तक धान भरकर खड़े हैं। यह रोड़ के दोनों तरफ खड़े होने से बीच में २० फीट से भी कम स्थान होने के कारण आवागमन करने में लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। तो वहीं सबसे बड़ी दिक्कत इस मार्ग पर स्थित सांदीपनी विद्यालय के लगने और छुट्टी होने के दौरान निर्मित हो रही है। जहां पर जाम जैसी स्थिति बन जाती है जिसके कारण लोगों को उक्त मार्ग से निकलने में आधा से १ घंटे तक का समय खराब करना पड़ रहा है। यह रोजाना सुबह १० से ११ बजे और शाम ४ से ५ बजे तक बनी रहती है। इस दौरान सर्वाधिक दुर्घटनाओं की संभावना भी बनी रहती है क्योंकि सांदीपनी स्कूल से करीब १००० विद्यार्थियों की भीड़ निकलती है। यह स्थिति किसी एक दिन की नहीं रोज की है तो वहीं रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य प्रारंभ होने से पूरा यातायात वाराटोला होते हुए आना जाना कर रहा है। वह ग्रामीण सड़क है जहां और ज्यादा स्थिति भयंकर हो जाती है जबकि यह स्थिति गोदाम संचालकों के द्वारा भी देखी जा रही है। परंतु वर्तमान तक जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति के द्वारा इस विषय पर संज्ञान नहीं लिया गया है और पूर्व के अनुसार ही कार्य करवाया जा रहा है। जबकि ट्रैकों को व्यवस्थित एक लाइन से खड़ा कर देना चाहिए जिससे यातायात बाधित ना हो और लोग सुरक्षित आवागमन कर सके। परंतु ऐसी कोई व्यवस्था वहां पर नहीं बनाई गई है ट्रक चालकों के द्वारा मनमर्जी रूप से सड़क में कहीं भी खड़ा कर दिया जा रहा है। जो सड़क के किनारे भी नहीं उतारे जाते हैं आधा ट्रक सड़क किनारे तो आधा सड़क पर खड़ा होता है । इस प्रकार से स्थिति मौके पर बनी हुई है जो बड़ी दुर्घटना को जन्म दे रही है।

मार्ग के दोनों तरफ बड़े.बड़े वाहन खड़े रहते हैं जिससे सभी को समस्या होती है-अरूण

राहगीर अरुण पटले ने बताया की बालाघाट रोड़ है सभी लोग यहां से आना जाना करते हैं। इस मार्ग के दोनों तरफ बड़े.बड़े वाहन खड़े रहते हैं जिससे सभी को समस्या होती है यहां पर गाड़ी काटने की दिक्कत है आने जाने में दुर्घटना की भी संभावना बनी हुई है। यह सभी ट्रक देखने से तो धान के लग रहे हैं यह पूरे लाइन से १२ ट्रक खड़े हैं। इन्हें सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़े रखना अच्छी बात है परंतु जिस प्रकार से यह खड़े हैं वह दिक्कत का विषय है। यात्रियों को समस्या हो रही है लोग अपने परिवार के साथ आना जाना करते हैं बीच में कोई दुर्घटना हो जाए या कुछ हो जाए इसका भी ध्यान रखना चाहिए। जिला मुख्यालय सड़क है यातायात का बहुत ज्यादा दबाव बना रहता है इस बात को ध्यान में रखते हुए ट्रकों को खड़ा करवाना चाहिए।

मार्ग की संवेदनशीलता को देखते हुए व्यवस्था बनाना चाहिए-कार्तिक

छात्र कार्तिक बिसेन ने बताया कि मैं खैरलांजी के पिपरिया का रहने वाला हूं बालाघाट के निजी महाविद्यालय में शिक्षा अध्ययन करने के लिए आना जाना करता हूं। यह बालाघाट जिला मुख्यालय की सड़क है वारासिवनी और खैरलांजी क्षेत्र के लोग इसी मार्ग से जिला मुख्यालय प्रतिदिन आना जाना करते हैं। मार्ग में खड़े ट्रकों के कारण दिक्कतें बनी हुई है वाहन कई बार अनियंत्रित हो जाते हैं। दोनों तरफयहां पर ट्रक खड़े हुए हैं बीच में कम रास्ता है जहां निश्चित समस्या हर किसी को हो रही है। आगे सांदीपनि विद्यालय बना हुआ है यह स्कूल जब लगता है और बच्चे क्षेत्र से आते हैं और जब छुट्टी होती है तो मार्ग पर पूरा जाम लग जाता है। इस दौरान बड़े वाहन जो एक साइड से आते हैं और एक तरफ बस चलती है तो बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। कई बार लोग दुर्घटनाग्रस्त होते हुए बच जाते हैं तो वहीं कई बार दुर्घटनाएं भी हो जाती है। मार्ग की संवेदनशीलता को देखते हुए व्यवस्था बननी चाहिए ताकि व्यवस्थित रूप से आवागमन किया जा सके।

श्रीमद भागवत कथा से समाज और युवाओं में हो रहा सुधार-प्रदीप

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर के मिश्रा नगर में श्रीराधा कृष्ण मंदिर के तत्वाधान में आयोजित संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, निरजंन बिसेन, श्रीमती पुष्पा बिसेन, हेंमत अमूले ने व्यासपीठ व कथावाचक भुवनकृष्ण दुब को नमन कर भगवान श्रीकृष्ण का आर्शीवाद प्राप्त किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की भागवत कथायें समाज में धार्मिकता, सदभाव और मानवीय मूल्यो को बढावा देती है। श्रीकृष्ण की लीलाओं, नृत्य नाटिकायें और भजन लोगो को आध्यात्मिकता से सीधे तौर पर जोडकर सकरात्मक बदलाव लाते है। श्री जायसवाल ने कहा की हमने अनेको बार भागवत कथाओं को सुना है। किंतू हर बार ऐसा लगता है की हम नया प्रसंग ही सुन रहे है यह इसकी व्यापकता का असर है। भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म के साथ कर्म का भी संदेश दिया है। इससे मानव जीवन में नैतिकता का पाठ व कर्तव्यों का पता चलता है की हमे कैसा व्यवहार करना चाहिये। अगर हम अच्छा सोचेंगे तो अच्छा ही करेंगे। और अच्छा करेंगे तो हमारे जीवन में सदैव अच्छा ही होंगा। इसी तरह उन्होने स्वामी विवेकानंद की जन्म जंयती का स्मरण कराते हुये कहा की उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जायें। जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पाने के लिये लगातार प्रयास करें। इस दौरान भुवनेश बघेल, जसवंत पटले, विनय सुराना, संतोष आडे,अनुराग तिवारी मौजूद रहे।

ग्राम गुनई गुणशाली लोगों का गांव है यहां ज्ञान की गंगा बहती है-राजेश

गुनई में गौतम बुद्ध ,अवंतीबाई ,बाबा साहेब ,स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गुनई में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर महापुरुषों की प्रतिमा अनावरण एवं आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि विधायक विवेक पटेल, राजेश पाठक उपाध्यक्ष म.प्र.कबड्डी संघ,अध्यक्षता दुर्गाप्रसाद लिल्हारे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत खैरलांजी,मुख्यं वक्ता भदन्त डॉ.चंद्रकिर्ती राष्ट्रिय सलाहकार ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम ,प्रमुख अतिथि जावेद अली अध्यक्ष राहुल गाँधी विचार मंच बालाघाट, संचालक भारतसिंह शिवहरे सामाजिक कार्यकर्ता गुनई, सुभाष क्षिरसागर, अनिल शुक्ला, विरेन्द्र वाटकर, परमेश्वरी बिरनवार ,कोमेंन्द्र पटले ,ओमकार बिसेन ,देवाजी चौधरी ,हीरालाल भगत, नत्थूलाल नगपुरे सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के हस्ते ग्राम गुनई के विभिन्न स्थानों पर स्थापित तथागत गौतम बुद्ध, विरांगना अवंतीबाई लोधी ,बाबा साहेब आंबेडकर एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का पूजा अर्चना कर अनावरण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित जनों के द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए महापुरुषों के जीवन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालकर उनके द्वारा किए गए कार्य उनके आदर्श और विचारों का वर्णन कर उनके बताएं मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं संदेश दिया कि किस प्रकार तथागत गौतम बुद्ध ने हिंसा का विरोध किया। वीरांगना रानी अवंती बाई ने अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी, डॉ बी आर आंबेडकर ने दलित वर्ग की लड़ाई लड़कर भारत का सबसे बड़ा संविधान का निर्माण किया। तो वहीं स्वामी विवेकानंद के बारे में बताया कि किस प्रकार उन्होंने भारत की आत्मा को यूरोप तक पहुंचा और भारतीय संस्कृति संस्कार को विदेशियों तक पहुंचाये जैसे सभी महापुरुषों के कार्यों का बखान किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा दिवस के अवसर पर ग्रामीणों सहित युवाओं को प्रेरित कर जागरूक करने का कार्य किया गया। इसके बाद रात्रि में आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया जिसमें जीवंत झांकियां के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियां कलाकारों के द्वारा दी गयी। जिसका ग्रामीणों के द्वारा देर रात तक लुफ्त उठाकर हर्ष उल्लास के साथ युवा दिवस मनाया गया। मध्य प्रदेश कबड्डी संघ उपाध्यक्ष राजेश पाठक ने कहाँ कि यहां बैठे भंतेजी मेरठ में लोगों को शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं उतने दूर से यह चलकर यहां आए हैं। यह उनका ग्रामीण अंचल जरूर है परंतु ऐसे महापुरुष अपने आप में ज्ञान का प्रकाश होते हैं जिन्होंने युवावस्था में संत बनकर समाज को शिक्षित करना प्रारंभ कर दिया। वहीं लगातार प्रचार में घूम रहे हैं ऐसे भंते और उनके शिष्य महान है। आज युवा दिवस है स्वामी विवेकानंद की जयंती भी है उनकी प्रतिमा बनकर लगातार अनावरण के इंतजार में थी। जिसके लिए एक अच्छे अवसर पर यह कार्यक्रम आज आयोजित किया गया है। यह युवा दिवस पूरे राष्ट्र में मनाया जा रहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस युवा दिवस के रूप में यह पूरा कार्यक्रम मनाया जाता है। यह १२ जनवरी का दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। श्री पाठक ने कहा कि यह जो ग्राम गुनई है वह गुणशाली लोगों का गांव है यहां हर घर में शिक्षक थे और ज्ञान की गंगा यहां बहती रहती थी। आज इस प्रकार के कार्यक्रम को देखकर प्रतीत भी हो रहा है स्वामी विवेकानंद डॉक्टर बी आर अंबेडकर तथागत गौतम बुद्ध वीरांगना रानी अवंती बाई जैसे बड़े महापुरुष की प्रतिमा का अनावरण यहां पर किया गया है। अवंती बाई ने अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई और अपने प्राण त्याग दिए इस प्रकार के महापुरुष की प्रतिमा का अनावरण करना बहुत बड़ी बात है। गुनई में लोग गुण शाली है इसी से प्रतीत होता है इस प्रकार का कार्यक्रम करने वाले को हम बधाई देते हैं और आप सभी को युवा दिवस और नव वर्ष की शुभकामनाएं। इस अवसर पर आयोजन समिति अध्यक्ष कैलाश पटले ,कार्यकारी अध्यक्ष विनोद नगपुरे सहित गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि आयोजन समिति सदस्य एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

फुलचुर में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का विधायक पारधी ने किया अनावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम फुलचुर में आदिवासी समाज के महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का गरिमामय अनावरण समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम श्रद्धा सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक एकता का प्रतीक बना। समारोह में क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन कर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया और उनके संघर्ष विचारों व समाज के लिए दिए गए योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और समाजजन की उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गौरव पारधी ने कहा कि संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण समाज की पहचान को मजबूत करते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि प्रत्येक परिवार अपने घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाए। तुलसी वातावरण को शुद्ध रखने के साथ साथ भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक रही है। विधायक पारधी ने ग्रामीणों की एकजुटता और आयोजन की गरिमा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर ज्ञानेश रहांगडाले,हरिलाल झाड़े, संजय बागड़े, गोविंद मर्सकोले, अनिल धुर्वे, हेमराज उईके, शिशुपाल श्रीरामे, विजय सरोते, कैलाश मर्सकोले, देवानंद कुमरे,दिनेश धुर्वे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भेंडारा में तीन दिवसीय मेला का आयोजन आज से प्रारंभ

कबड्डी प्रतियोगिता एवं डंडार का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/डोंगरमाली। मकर संक्रांति के अवसर पर ग्राम भेंडारा के ढीमरटोला में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तीन दिवसीय मकर संक्रांति मेला १४ जनवरी से १६ जनवरी २०२६ तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रानी दुर्गावती मेला समिति के प्रवक्ता पप्पू बसेने ने बताया कि १४ जनवरी शनिवार को कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ मेले का शुभारंभ होगा। जिसका समापन १६ जनवरी को किया जाएगा। कब्बडी प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार ७५५५ रुपये, दूसरा पुरस्कार ४५५५ रुपये एवं तीसरा पुरस्कार २५५५ रुपये रखा गया है। मैच में प्रवेश करने टीम के लिए २५५ प्रवेश शुल्क निर्धारित रखी गई है। साथ ही आयोजन की श्रृंखला में १४ जनवरी बुधवार को रात नौ बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। १५ जनवरी दिन गुरुवार को रात ९ बजे से दुय्यम डंडार का मुकाबला होगा जिसमें शिव शक्ति डंडार मण्डल नवेगांव तीन टोला एवं श्री राम कला मंच ग्राम भटेरा बालाघाट के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इस आयोजन के अध्यक्ष भीम उके, सचिव मुकेश शेंडे, उपसंचालक चंद्रशेखर शेंडे, उपाध्यक्ष बिहारी उइके, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण खंडाते, सहायक सचिव प्यारेलाल पंद्रे , प्रबंधक लाखन उइके, प्रवक्ता पप्पू बसेने, संचालक थानसिंह उइके सहित समस्त सदस्यों ग्राम वासियों ने इस मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

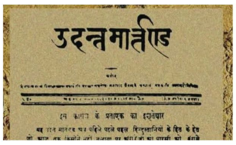

विरोध की चिंगारी

ईरान की सड़कों पर फिर से सत्ता विरोधी हुंकार सुनाई देने लगी है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दो सप्ताह के दौरान हिंसक झड़पों में अब तक पांच सौ से अधिक लोगों की मौत हो जाने और दस हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा है। इसी बीच ईरान का अमेरिका और इजराइल के साथ तनाव भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने तो यह चेतावनी भी दे डाली है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया गया, तो वह ईरान पर हमले की कार्रवाई करेगा। सवाल है कि आखिर ईरान में लोगों का शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ सड़कों पर उतरने का कारण क्या है? विरोध प्रदर्शन का झंडा बुलंद करने वालों को कहना है कि लोग देश की आर्थिक बदहाली और बढ़ती महंगाई से त्रस्त हैं। वहीं, ईरान सरकार का आरोप है कि यह सब अमेरिका के इशारे पर हो रहा है, ताकि उनके देश को अस्थिर किया जा सके।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों पर एक सवाल यह भी उठ रहा है कि वहां की सरकार की ओर से आंतरिक मामलों को सुलझाने और जनता का भरोसा जीतने का समय रहते प्रयास क्यों नहीं किया गया? इस मुल्क में ऐसे ही विरोध प्रदर्शन वर्ष 2022 में भी देखे गए थे, जब महसा अमीनी नामक एक महिला की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। महसा पर आरोप था कि उसने हिजाब के कानून को नहीं माना, जिस कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इस घटना के बाद देश भर में महिलाएं सड़कों पर उतर आई थीं। इस बार भले ही मुद्दा अलग है, लेकिन विरोध प्रदर्शनों में पहले की तरह महिलाएं बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। तनाव बढ़ने के बाद कई शहरों में इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई है, सड़कों पर सुरक्षाबल मोर्चा संभाले हुए हैं और इस दौरान हिंसक झड़पें भी हो रही हैं। इसी बीच सोमवार को सरकार समर्थक भी सड़कों पर उतर आए, जिससे हालात और बिगडने की आशंका है। ऐसे में ईरान सरकार को चाहिए कि अंदरूनी मसलों को सुलझाने के लिए सुरक्षा बलों की ताकत का सहारा लेने के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से समाधान के रास्ते तलाशे जाएं।

दूसरी ओर ईरान में विरोध प्रदर्शनों को वहां के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिशों से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। इसके पीछे अमेरिका और इजराइल का हाथ होने की आंशका इसलिए जोर पकड़ रही है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में जारी एक बयान में कहा है कि ईरान की जनता आजादी चाहती है, जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की। साथ ही प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने पर कार्रवाई की धमकी भी दी है। इस पर ईरान ने भी चेतावनी दी है कि अगर हमला हुआ, तो अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। हालांकि दोनों देशों में बढ़ते तनाव के बीच फिलहाल राहत की बात यह कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया कि ईरान वर्तमान हालात को लेकर बातचीत के लिए तैयार हो गया है। अब देखना होगा कि क्या ईरान कोई ऐसा रास्ता निकाल पाता है, जिससे विरोध प्रदर्शन खत्म हो जाएं और मौजूदा संकट भी टल जाए ?

[redacted]

तमिलनाडु की राजनीति में दिलचस्प मोड़

-आर राजगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

करूर भगदड़ की सीबीआई जांच एवं जन नायकन फिल्म की रिलीज पर रोक लगने से अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा को झटका लगा है। अब देखना यह है कि आगामी विधानसभा चुनाव पर इसका क्या असर पड़ता है।

अभिनेता से नेता बने विजय की सुपरस्टार लीड के तौर पर आखिरी फिल्म जन नायकन या जननायक तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से ठीक तीन महीने पहले एक गंभीर कानूनी पचड़े में फंस गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी को तय की है। तब तक फिल्म रिलीज नहीं हो सकती। इससे प्रोड्यूसर्स को भारी नुकसान हुआ है। अभिनय और राजनीति, दोनों के लिहाज से विजय के लिए यह एक बड़ा झटका है। तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा के साथ चुनावी राजनीति में यह उनकी पहली गंभीर कोशिश है। अब इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है और यह एक कानूनी लड़ाई में बदल गई है।

स्टालिन ने यह साफ नहीं किया कि उनकी आलोचना तमिलनाडु के हिंदी विरोधी आंदोलन पर आधारित फिल्म पराशक्ति के बारे में थी या विजय की जन नायकन के बारे में। सेंसर बोर्ड ने अभी तक जन नायकन को मंजूरी नहीं दी, जबकि उसने कई कट के साथ पराशक्ति को मंजूरी दे एक अन्य तमिल फिल्म पराशक्ति को सेंसर सर्टिफिकेट मिलने के तुरंत बाद द्रमुक ने जन नायकन को रोके रखने के लिए केंद्र सरकार पर हमला करना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भाजपा और केंद्र सरकार पर सेंसर बोर्ड को %राजनीतिक हथियार% बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सेंसर बोर्ड सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों की तरह हो गया है और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए केंद्र सरकार का %एक नया हथियार% बन गया है। स्टालिन का यह बयान टीवीके अध्यक्ष विजय की फिल्म जन नायकन और पराशक्ति को सेंसर बोर्ड द्वारा बड़े पैमाने पर कट लगाए जाने के बाद आया। इसके बाद, टीवीके समर्थकों ने तुरंत कहा कि द्रमुक मगरमच्छ के आंसू बहा रही है और आरोप लगाया कि भाजपा पराशक्ति के मामले में नरम थी तथा जन नायकन के मामले में अड़ी हुई थी।

टीवीके लॉन्च करने के बाद, विजय ने राज्य में सत्ताधारी द्रमुक और केंद्र में भाजपा, दोनों पर हमला किया। राजनीति में उनका प्रवेश बहुत नाटकीय था। उन्होंने जनसभाओं में भारी भीड़ जुटाई और तेजी से लोकप्रियता हासिल की। हालांकि, करूर भगदड़ ने उनकी राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाया और इतनी जल्दी सत्ता हासिल करने की उनकी मंशा पर सवाल खड़े कर दिए। सोमवार को इस मामले में सीबीआई ने उनसे लंबी पूछताछ की है।

कुछ जानकारों ने जन नायकन विवाद को तमिल फिल्म उद्योग की अंदरूनी राजनीति से भी जोड़ा है। वे उदयनिधि स्टालिन, जो उप-मुख्यमंत्री और उद्योग में एक अहम व्यक्ति हैं, से जुड़े संभावित सत्ता संघर्ष की ओर इशारा करते हैं। इस विवाद को द्रमुक से संबद्ध डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रेड जायंट मूवीज से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विजय ने जन नायकन की रिलीज के लिए रेड जायंट की उपेक्षा की, जिससे कथित तौर पर सत्ताधारी पार्टी का प्रथम परिवार नाराज हो गया। फिल्म जन नायकन में विजय को गरीबों और दबे-कुचले लोगों के मसीहा के रूप में दिखाया गया है, जो मछुआरों की मदद कर रहा है, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ खड़ा हो रहा है, और उसे भावी मुख्यमंत्री के तौर पर पेश किया गया है। यह राजनीतिक संदेश तब और स्पष्ट हो गया, जब उसी समय के आसपास एक और फिल्म, पराशक्ति, भी रिलीज होने वाली थी। पराशक्ति 1960 के दशक की तमिल राजनीतिक भावनाओं को जगाती है, जब हिंदी विरोधी आंदोलन अपने चरम पर था। यह एक भावनात्मक जगह है, जिस पर द्रमुक ने कब्जा किया हुआ है। दोनों फिल्मों में, संवाद, गाने के बोल और पटकथा क्षेत्रीय पहचान के राजनीतिक द्विअर्थी निहितार्थों से भरे हैं।

विजय के आखिरी अभिनय के तौर पर, जन नायकन उनके 30 साल के फिल्मी कॅरिअर को एक श्रद्धांजलि भी है और इस सिनेमा को एक प्रतीकात्मक विदाई के तौर पर देखा जा रहा है। मद्रास हाईकोर्ट की जस्टिस पीटी आशा ने शुरू में फिल्म को रिलीज के लिए मंजूरी दे दी थी। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने यह कहकर आपत्ति जताई कि प्रोड्यूसर्स ने कुछ ऐसे सीन नहीं हटाए हैं, जो बोर्ड के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। इसके बाद, चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकल जज के आदेश पर रोक लगा दी और अगली सुनवाई की तारीख 21 जनवरी तय की। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती के एक ट्वीट के बाद इसमें एक और राजनीतिक मोड़ आ गया, जिन्होंने विजय से कई बार मुलाकात की थी और खुलकर विजय और जन नायकन का समर्थन किया था। इससे तमिलनाडु की राजनीति में कहानी बदल गई।

द्रमुक, जो कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, ने कड़ा विरोध किया। कांग्रेस और द्रमुक नेताओं के बीच सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई। द्रमुक ने सेंसर बोर्ड से पराशक्ति को मंजूरी मिलने के बाद विजय का समर्थन करना शुरू कर दिया और देरी के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराया। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे का इस्तेमाल विजय और टीवीके को राजग गठबंधन में मिलाने के लिए कर रहे हैं। मगर कोर्ट ने सवाल किया कि मंजूरी लिए बिना रिलीज की तारीख क्यों तय की गई और क्या न्यायपालिका पर दबाव बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि ऐसी चालें काम नहीं करेंगी। टीवीके ने कहा कि उसे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वह कानूनी प्रक्रिया खत्म होने का इंतजार करेगा। नाटकीय, राजनीतिक और कानूनी पहलुओं को एक साथ देखने पर कुछ नतीजे सामने आते हैं। पहला, विजय ने संकट को शांति से संभाला। उन्होंने केंद्र सरकार या सेंसर बोर्ड पर सार्वजनिक हमला करने से परहेज किया और कानूनी रास्ते अपनाने का फैसला किया। दूसरा, हालांकि वह राजनीति में नए थे, लेकिन दो दिग्गजों को चुनौती दी राज्य में द्रमुक और केंद्र में भाजपा, जो उनके राजनीतिक साहस को दर्शाता है। तीसरा, द्रमुक ने सफलतापूर्वक विवाद को भाजपा की ओर मोड़ दिया, ताकि अल्पसंख्यक वोटों को पक्का किया जा सके और उन्हें टीवीके में जाने से रोका जा सके।

बहरहाल, अप्रैल 2026 में, लगभग पांच करोड़ तमिल मतदाता जब तमिलनाडु विधानसभा के लिए 234 विधायक चुनेंगे, तब तक, वे शायद जन नायकन के संवाद भूल चुके होंगे, या शायद वे तब भी उसके गाने गुनगुना रहे होंगे।

हैल एलरोड

परिणामों की चिंता किए बिना उस तक पहुंचने की प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध रहें। हर परिणाम की एक प्रक्रिया होती है, और जब आप निरंतर उसके प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे, तो सफलता अंततः अपरिहार्य हो जाएगी।

प्रतिबद्धता ही सफलता का रहस्य है

चीजों को आवश्यकता से अधिक कठिन बनाना, जो लगभग हमेशा हमारे दिमाग में होता है, अनुत्पादक और अनावश्यक है। इसलिए मैं अब सबसे आम बाधाओं को संबोधित करना चाहता हूं, ताकि हम उनके लिए तैयार रहें और जानें कि यदि वे सामने आती हैं, तो उनसे कैसे पार पाया जाए। पीटर मैकविलियम्स ने कहा है कि असहज होने के लिए तैयार रहें। असहज होते हुए भी सहज रहें। यह कठिन हो सकता है, लेकिन एक सपने को जीने के लिए यह एक छोटी-सी कीमत है।

पहली बाधा जो आमतौर पर अपने कई सिरों में से एक को सामने लाती है, वह है अतार्किकता, विफलता और बदलाव का डर, जो आमतौर पर टालमटोल का कारण बनता है। पहली बार किसी महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भय और घबराहट का अनुभव होना लाजिमी है। इसका कारण है कि जब भी हम अपने आरामदायक क्षेत्र के दायरे से बाहर निकलने का साहस करते हैं, तो यह असुविधाजनक होता है। किसी महत्वपूर्ण चीज से निपटना, खासकर यदि आपने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया है, डरावना होता है। ऐसी भावनाएं सामान्य और अपेक्षित हैं। यदि आप तनाव ले रहे हैं या अपने लक्ष्य या स्वयं के बारे में नकारात्मक सोच रहे हैं, तो एक गहरी सांस लें और इस बात पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें कि क्या संभव है और आप क्या करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि स्थिति चाहे जैसी भी हो, आप अपने विचारों के नियंत्रण में ही रहते हैं। जो चीज आपको रोक रही होती है, उसे समझना उस पर काबू पाने की दिशा में पहला कदम है। एक और जरूरी बात यह है कि अल्पकालिक परिणामों के प्रति भावनात्मक लगाव को कैसे संभाला जाए। यदि सफलता का कोई वास्तविक रहस्य है, तो वह यह है कि अपने परिणामों से भावनात्मक रूप से जुड़े बिना उसे पाने की प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध रहें। प्रत्येक परिणाम की एक प्रक्रिया होती है, और जब आप लंबे समय तक उस प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे, तो सफलता अंततः अपरिहार्य हो जाएगी।

दूसरी बाधा है अधीरता। हम तत्काल संतुष्टि पाने के चक्कर में रहते हैं। हम टेक्स्ट संदेश के माध्यम से मित्रों से तुरंत संपर्क कर सकते हैं। सेकंडों में सोशल मीडिया तक पहुंच सकते हैं, जो हमारी रुचि को प्रभावित करती है। इसलिए, जीवन में धैर्य बेहद जरूरी है, क्योंकि चमत्कार को पाने में बहुत समय खपाना पड़ता है। अधीरता आपके तनाव के स्तर को बढ़ाती है और आपके लिए प्रतिबद्ध रहना कठिन बना देती है। समस्याओं से जूझने के लिए स्पष्टता बेहद जरूरी है। स्पष्टता हमें ऊर्जावान बनाती है। इसलिए, अपनी प्रक्रिया निर्धारित करें और इसके प्रति जवाबदेह बनें। स्पष्टता ही असाधारण सफलता का आधार हैं।

सूत्र - धैर्य को ताकत बनाएं

भय, असहजता व अधीरता को बाधा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक मानें। सपनों की ओर बढ़ते समय असहज होना स्वाभाविक है, पर उसी असहजता में सहज रहना ही विकास की कुंजी है। हर बड़ी उपलब्धि निरंतर छोटे प्रयासों की देन होती है, इसलिए अपने विचारों पर नियंत्रण रखें, टालमटोल को पहचानें और धैर्य को अपनी शक्ति बनाएं।

- द मिरेकल इक्वेशन के अनूदित अंश

मकर संक्रांति विशेष

ऋतु परिवर्तन का महापर्व

-ज्ञानेंद्र रावत (पर्यावरणविद)

सूर्य जब दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं या फिर पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है, उस दिन मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है. यह पर्व सूर्य की महत्ता से जुड़ा है।

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है. है. वेद और पुराणों में भी इस पर्व का विशेष उल्लेख मिलता है. होली, दुर्गोत्सव, दीपावली, शिवरात्रि आदि की तरह ही मकर संक्रांति भी प्रकृति पर्व के रूप में प्रतिष्ठित है. मकर संक्रांति एक खगोलीय घटना भी है. कारण इससे जड़ और चेतन की दिशा तय होती है. संसार में सभी कुछ प्रकृति के नियम से संचालित है. हमारी गति और स्थिति क्या है, सबकुछ प्रकृति पर ही निर्भर है. खगोलशास्त्र के अनुसार, सूर्य जब दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं या फिर पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है, उस दिन मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है. यह पर्व सूर्य की महत्ता से जुड़ा है. ऋग्वेद में उल्लेख है कि 'तम आसीत तमसा गूढ़मग्रे.' अर्थात, सृष्टि की उत्पत्ति से पूर्व सर्वत्र अंधेरा था. यजुर्वेद में भी उल्लेख है कि 'सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुपश्च.' अर्थात गतिशील प्राणी एवं निष्क्रिय जड़ पदार्थों की आत्मा भी सूर्य ही है. सूर्य के प्रकाश से जहां वनस्पति अपना भोजन निर्माण करती है, वहीं शेष जीव भी इसी से अपना भोजन प्राप्त करते हैं. पूरी दुनिया में न केवल जीवों को सूर्य की ऊर्जा से जीवन मिला, बल्कि मानव विकास, सभ्यता और प्रगति को इसी ऊर्जा ने गति प्रदान की. पृथ्वी पर जलवायु की दशाओं में जो अंतर है, उसका अहम कारण सूर्य ही है. क्योंकि जहां-जहां सूर्य की किरणें लंबवत यानी सीधी पड़ती हैं, वहां तापमान अधिक और जहां-जहां तिरछी-टेढ़ी पड़ती हैं, वहां का तापमान शून्य या कहीं-कहीं उससे भी नीचे तक चला जाता है. सूर्य जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक भी है. इसे हम ऋतु परिवर्तन भी कहते हैं. यह कुछ राशियों में सूर्य की स्थिति के कारण भी होता है. वाष्पीकरण और उससे होने वाली वर्षा व उसकी मात्रा सूर्य की स्थिति परिवर्तन और उसकी प्रकृति का परिचायक है. जलवायु और उसकी विविधता के चलते जो प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है, क्षेत्र विशेष के लोगों की शारीरिक-मानसिक क्षमताओं में भिन्नता भी उसी का परिणाम है. शास्त्रों के अनुसार, ग्रहों का मापन राशिवृत्त में होता है न कि ग्रहों की कक्षा में. इसलिए जब सूर्य किसी राशि विशेष के आरंभ बिंदु में होता है, तब उस राशि की संक्रांति होती है. हमारे यहां अक्सर संक्रांतियों के द्वारा ही अयन, ऋतु व मास का विचार किया जाता है. अयन का अर्थ है गति. सूर्य का उत्तर या दक्षिण की ओर जाना या झुकाव उसका अयन है।

उत्तरायण और दक्षिणायन दोनों अयन का समय एक वर्ष का होता है. सूर्य के कारण हुए ऋतु परिवर्तन से ही किस संक्रांति में कौन सी ऋतु होगी, यह जाना जाता है. शास्त्रानुसार महत्वपूर्ण चार संक्रांतियों, यथा मेष, तुला, कर्क और मकर संक्रांति में से मेष व मकर संक्रांति को ही सर्वाधिक महत्व दिया गया है. कारण, ये संक्रांतियां सूर्य के उत्तर गमन पथ में पड़ती हैं, इसलिए इन्हें उत्तरायण की संक्रांति भी कहते हैं. उत्तरायण को देवताओं का ब्रह्म मुहूर्त शुरू होता है, इसलिए इसे सिद्धकाल माना गया है. इसी काल में यज्ञोपवीत, दीक्षा, विवाह, देव प्रतिष्ठा आदि शुभ कार्य किये जाते हैं. भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के श्लोक 24-25 में उत्तरायण का महत्व बताते हुए कहा है कि जब सूर्य उत्तरायण में होते हैं, तो इस काल में पृथ्वी प्रकाशमान रहती है. इसके विपरीत, सूर्य के दक्षिणायन होने पर पृथ्वी अंधकारमय होती है. शिशिर, वसंत और ग्रीष्म ऋतुओं में सूर्य उत्तरायण और वर्षा, शरद और हेमंत में दक्षिणायन होते हैं. राशि के आधार पर मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष और मिथुन राशियों में जब सूर्य भ्रमण करते हैं, तब उत्तरायण और जब कर्क, वृश्चिक, सिंह, तुला, कन्या और धनु राशियों में भ्रमण करते हैं, तब दक्षिणायन होता है।

पौराणिक मान्यताओं के आधार पर सूर्य के मकर राशि में आते ही दानवों के दिन-रात समाप्त और देवताओं के दिन-रात प्रारंभ हो जाते हैं और जब सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करता है, तब देवताओं के दिन-रात समाप्त हो जाते हैं और देवता अपने लोकों को लौट जाते हैं. रामचरितमानस में उल्लेख है कि 'माघ मकर रवि गति जब होई, तीरथपति आवहिं सब कोई', तात्पर्य यह कि माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में आते हैं, उस दिन को मकर संक्रांति कहते हैं. इसका लाभ लेने के लिए सभी तीर्थों के राजा, देवता, देवियां, यक्ष, गंधर्व, दानव आदि पृथ्वी पर आते हैं और गंगा, यमुना, सरस्वती के संगम और सभी जीवनदायिनी पूज्य नदियों में स्नान कर अपने-अपने लोकों को लौट जाते हैं. महर्षि पुलस्त्य के अनुसार, इस दिन जप, तप, दान, पुण्य आदि करने से अमोघ-अक्षय फल की प्राप्ति होती है. मकर संक्रांति के दिन से मौसम में बदलाव आने लगता है, सूर्य के प्रकाश में तपन बढ़ने लगती है. फलस्वरूप, प्राणियों में चेतना और कार्य शक्ति का विकास होने लगता है।

यह पर्व हर साल 14 जनवरी को उत्तर, मध्य व अधिकांश पूर्वी भारत में मकर संक्रांति, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, आंध्र में पेड्डु-पांडुगा और गुजरात में उत्तरायण के नाम से मनाया जाता है. इस दिन नदियों के तटों पर स्नानादि कर, श्वेतार्क तथा रक्त रंग के पुष्पों के साथ सूर्योपासना व सूर्य को अर्घ्य देने और अन्न, तिल व गुड़ दान की परंपरा का विशेष महत्व है. सूर्य को अर्घ्य देने के पीछे यह मान्यता प्रबल है कि सूर्यदेव संक्रांति काल को निर्विघ्न गुजर जाने दें और सेवक पर अपनी कृपा दृष्टि बनाये रखें. इसके पीछे पुण्य लाभ और जीवन में सुख-शांति की कामना और समृद्धि की आशा-आकांक्षा अहम है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कुछ अलग

झरते पत्तियों का उत्सव

-डॉ मयंक मुरारी

झरते पत्तियों का उत्सव है शिशिर ऋतु. जरा-मरण का पौष मास. लोक कहावत है कि शिशिर में झरते पत्तियों की तरह आत्माएं भटकती हैं. वैसे ही प्रकृति पर भी बुढ़ापे की परछाई आ जाती है. उस पर पीलापन छा जाता है, पत्तियां झरती हैं और उदासी व सुस्ती का वातावरण रहता है. जो स्थिर रह पाता है, जो पौष-माघ के ठिठुरन को कल्पवास में बदल लेता है, उसके जीवनांगन में वसंत का मधुमास आ जाता है. शिशिर व्यक्ति के पौरुष की परीक्षा का आरंभ माना जाता है. इस समय कड़ाके की ठंड पड़ती है. घना कोहरा छाया रहता है. दिशाएं धवल और उज्ज्वल हो जाती हैं. मानो वसुंधरा और अंबर एकाकार हो गये हों. ओस से कण-कण भीग जाता है. शीत ऋतु में जठराग्नि के तीव्र होने से पाचन शक्ति प्रबल रहती है. अतः इस समय लिया गया पौष्टिक और बलवर्धक आहार वर्ष भर शरीर को तेज, बल और पुष्टि प्रदान करता है. शिशिर में वातावरण में सूर्य के अमृत तत्व की प्रधानता रहती है. जिससे शाक, फल, वनस्पतियां अमृत तत्व को अधिकाधिक अपनी ओर खींचती और पुष्ट होती हैं. जीव-जंतु भी पुष्ट होते हैं. मकर संक्रांति पर शीतकाल अपने यौवन पर रहता है।

इस समय के व्रत-त्योहारों में तिल का विशेष महत्व बताया गया है. माघ माह में गणपति आराधना, शनिश्चरी व सोमवती अमावस्या, मकर संक्रांति, तिलकुटा एकादशी, तिल चतुर्थी आदि पर्व मनाये जाते हैं. स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी बातों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण होता ही है, धर्म उसे कर्तव्य के रूप में स्थापित कर देता है. इसलिए मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल पर तिल के उपयोग का महत्व है. तिल-गुड़ से बने पदार्थ स्वास्थ्यकर होते हैं. धर्मशास्त्रों के अनुसार, पौष और माघ मास में तिल और गुड़ का सेवन हितकर होता है. शिशिर में वातावरण में शीतलता के साथ ही रूक्षता बढ़ जाती है. यह सूर्य का उत्तरायण काल होता है, इसमें शरीर का बल धीरे-धीरे घट जाता है. तिल विशेषतः अस्थि, त्वचा, केश व दांतों को मजबूत बनाता है. बादाम की अपेक्षा तिल में छह गुना से भी अधिक कैल्शियम होता है. इसलिए इस ऋतु में आने वाले व्रत-त्योहारों में तिल सेवन करने के लिए कहा गया है. शीतकाल का खान-पान वर्षभर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

ऋतुओं का अपना स्वभाव है. उस स्वभाव के साथ जीना ही सुख है, परंतु तकनीक और ज्ञान ने इस सुख को भी एकरस बना दिया है. अन्यथा, हम शिशिर में अपने ऋतुओं के साथ लोक जीवन को कैसे भूलते ? अब न उपलों की गंध वाली आग है, न पुआल की भभकती आग का गोला. अब तो मीठी एवं धीमी आग में पके आलू और शकरकंद का स्वाद भी गायब है? बूटझंगरी का वह कड़कपन और महक भी हमें कहां याद है? आधुनिकता की बयार ने हमारे जीवन से ऋतुओं का आनंद खत्म कर दिया है. शिशिर अपनी परिवर्तन की परछाई के साथ बार-बार अलाव जलाने की चाहत रखता है. यह ऋतु हमें संदेश देती है कि अलाव के आलोक में मनुष्य एक-दूसरे से सट जाता है. इसलिए एक-दूसरे के पास आने के लिए शिशिर और बरसात जरूरी है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 250, निफ्टी 57 अंक नीचे आया

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 250.48 अंक टूटकर 83,627.69 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक फिसलकर 25,732.30 पर बंद हुआ। बाजार को हालांकि पीएसयू बैंकों ने सहारा दिया। निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एनटीपीसी, सी बैंक और पावर ग्रिड के शेयर

लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बीईएल, एक्सिस बैंक, भारतीय एयरटेल, एचयूएल, डाएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील नुकसान में रहे। माना जा रहा है कि ईरान के साथ ट्रेड करने वाले देशों पर संभावित अमेरिकी टैरिफ को लेकर नई चिंताओं के कारण घरेलू बाजार में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। कुछ ही देर में मुनाफावसूली और नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते यह गिरावट में आ गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 195.79 अंक की गिरावट के साथ 83,682.38 अंक पर वहीं निफ्टी भी 25,897 के स्तर पर मजबूत शुरुआत करने के बाद फिसल गया। सुबह खुलने के बाद निफ्टी 60.40 अंक टूटकर 25,729.85 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। निवेशकों ने ईरान और वेनेजुएला में भू-राजनीतिक तनावों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के खिलाफ आपराधिक जांच को फिलहाल नजरअंदाज किया। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़ा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। छुटपुट लेवाली से मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। दलहनों में चने व मसूर में बाजार मजबूती के रहे। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में छुटपुट माँग के चलते भावों में सुधार दर्ज हुआ। सोया तेल रिफाईंड मालों में 1310-1315 रू. प्रति 10 किलो होले गये। सोंगदाना तेल 1640 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। दलहनों में चने व मसूर में मजबूती रही। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 3970-4050, खोपरा गोला 325-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विस्फूद नग 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्स्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सोंगदाना 1640, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2540, सोया साल्वेंट 1260-1265, सोया रिफाइंड 1310-1315, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575-1600, मुम्बई पाम 1265, मुम्बई सोया 1315,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4900-5000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5750-5800, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबुली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7250, एवरेज 6900-7000, हल्की 6700-6800, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 259000, चाँदी (99) 258500, टंच 258000, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 144500,

रूपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 98.24 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे कमजोर होकर 90.22 पर पहुंच गया। आज अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

ईरान में अशांति से प्रभावित हो रहा भारत का बासमती चावल निर्यात

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान में नागरिक अशांति और आंतरिक अस्थिरता ने भारत के बासमती चावल निर्यात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) के अनुसार भुगतान में देरी और अनुबंधों में अनिश्चितताएं निर्यातकों के लिए प्रमुख चुनौती बन गई हैं। बाजार आंकड़ों के अनुसार पिछले एक सप्ताह में बासमती की प्रमुख किस्मों की कीमतें गिर गई हैं। किस्म-1121 85 से 80 रुपए प्रति किलोग्राम पर आई, जबकि 1509 और 1718 किस्म 70 से 65 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। गिरती कीमतें खरीदारों की झिझक, भुगतान में देरी और निर्यात जोखिमों की चिंता को दर्शाती हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर में भारत ने ईरान को 5.99 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया, जिसकी कीमत 468.10 मिलियन डॉलर रही। अमेरिका के साथ व्यापार पर पहले ही 50 फीसदी शुल्क है और हालिया संकेतों के अनुसार 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। हालांकि, वैश्विक बाजार में भारतीय बासमती की स्थिति मजबूत बनी हुई है। आईआरईएफ ने निर्यातकों से ईरानी अनुबंधों पर जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने और सुरक्षित भुगतान अपनाने का आग्रह किया है। संगठन ने वैकल्पिक बाजारों जैसे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप में अवसर तलाशने की सलाह दी। आईआरईएफ ने स्पष्ट किया कि यह चेतावनी नहीं बल्कि सावधानी बरतने का आग्रह है। ईरान में जारी अशांति और भू-राजनीतिक तनाव के कारण आने वाले हफ्तों में कीमतों, नकदी प्रवाह और व्यापारिक माहौल में और अधिक अस्थिरता देखने को मिल सकती है। निर्यातकों और किसानों के लिए संतुलित और सतर्क दृष्टिकोण अब आवश्यक हो गया है।

अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और एआई सहयोग पर जोर दिया

नई दिल्ली। एजेंसी। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने भारत की विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता को मजबूत करने के लिए खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को आवश्यक बताया। वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस और जर्मनी के वित्त मंत्री और उच्च अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रों को विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपाय अपनाकर आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को दूर करना चाहिए। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भी यह स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले से किए गए निवेशों और योजनाओं के माध्यम से मजबूत, सुरक्षित और विविध आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस दौरान वैष्णव ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा से मुलाकात की। बैठक में भारत में फरवरी 2026 में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट पर चर्चा हुई। यह शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला वैश्विक एआई इवेंट होगा और इसका फोकस लोग, ग्रह और प्रगति पर होगा। बैठक से यह स्पष्ट हुआ कि भारत आर्थिक समृद्धि और तकनीकी विकास में वैश्विक साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और एआई में वैश्विक नेतृत्व दोनों ही भारत के विकास और तकनीकी क्षमता विस्तार के लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएंगे।

मेष- आज का दिन आपके लिए साझेदारी में काम करने के लिए रहेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को समय से निभाएंगे, लेकिन आपका किसी की बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, जो जातक किसी कानूनी मामले को लेकर परेशान हैं, तो किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी, तभी उनका वह काम पूरा हो सकेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है। आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे। आप किसी बात को लेकर तर्क-वितर्क में न पड़ें। आप नई प्रॉपर्टी की खरीदारी की योजना बनाएंगे, जिसके लिए आप कोई लोन भी ले सकते हैं। किसी विपरीत परिस्थिति में भी आपको धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है। आपको अपने भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामाजिक पद-प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपकी खुशियां बढ़ेगी और आप अपने पिताजी की शारीरिक समस्याओं को लेकर टेंशन में आ सकते हैं। यदि आप कहीं घूमने-फिरने जा रहे हैं, तो वहां आप किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आज आपका मन परेशान रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप काम के सिलसिले में कहीं बाहर जा सकते हैं। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। माता-पिता के सहयोग से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। संतान का किसी परिक्षा के परिणाम आ सकते हैं। नौकरी में आपको अपने कामों पर पूरी खास जगह बनाये रखने की आवश्यकता है, नहीं तो बेवजह के लड़ाई-झगड़े बढ़ सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आप अपनी कमाई को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन किसी काम को लेकर आपको कानून के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बनाएंगे। सिंगल लोगों के अपने साथी से मुलाकात होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा और आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी भी रहेगी, लेकिन फिर भी आप थोड़ा परेशान रहेंगे। आप अपनी बुद्धि और विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। किसी नए वाहन की खरीदारी की आप योजना बना सकते हैं। जो आपके लिए अच्छे रहेगी। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

तुला- आज आपको शीघ्रता और भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा। जीवनसाथी के साथ आप कुछ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। आपको अपने बढ़ते खर्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार का कोई सदस्य नौकरी से संबंधित काम को लेकर कहीं बाहर जा सकता है। आप अपने जीवनसाथी के मनमाने व्यवहार को लेकर पहचान रहेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम मेरे काम में डालने से बचने के लिए रहेगा। बिजनेस में आप किसी तकनीकी समस्या के कारण परेशान रहेंगे। आपको कोई फैसला किसी के कहने में आकर नहीं लेना है और किसी काम को लेकर पार्टनरशिप कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए आलस्य से भरा रहने वाला है। जिससे काम आगे के लिए लटक सकते हैं। आप अपने घर के कामों में कुछ बदलाव करने की सोचेंगे, लेकिन आपके आलस के चक्कर में समस्या बढ़ेगी। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों के ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं दूर होंगी। कोई नया मित्र आपसे मिलने आ सकता है। आपके कुछ नए किए गये प्रयास बेहतर रहेंगे। जीवनसाथी की किसी बात को लेकर लापरवाही करेंगे, जिससे वह आपसे नाराज हो सकते हैं और आप अपनी वाणी पर संयम रखें। यदि आपका धन फंसा हुआ था, तो आपको धन के मिलने के संभावना भी अधिक है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको काम को लेकर कहासुनी हो सकती है, जिससे आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है और आपके अंदर एनर्जी रहने से अपने कामों को सोच-समझकर करें। परिवार के सदस्यों में आपसी तालमेल बना रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको अपनी संतान से किए हुए बातों को पूरा करने की आवश्यकता है। आप अपने विरोधियों को आसानी से मात देने की कोशिश करेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप थोड़ा सोच-समझकर कामों में आगे बढ़ना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को काम को लेकर आज बड़े नेता से मिल सकते हैं। आपको अपनी समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा।

शब्दजाल - 8140

शब्दजाल में दस पालतू जानवरों के नाम ढूंढिए. दिए गए दस नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

ग	क	ल	ड	व	ल	पं	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	र	रा	आ	ख	गा
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ला	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	त्ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	श्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त

खरगोश,बिल्ली,कुत्ता,गाय,भैंस,ऊंट,गधा, बकरी,बंदर,घोड़ा

शब्दजाल - 8139 का हल

दैनिक पंचांग

14 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 14 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण तिथि एकादशी 17.53 बजे को समाप्त। नक्षत्र अनुराधा 03.04 बजे रात को समाप्त।
योग गण्ड 19.56 बजे को समाप्त।
करण बालव 17.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872589
जूलियन दिन 2461054.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रजब तारीख 24
विशेष षटतीला एकादशी, मकर संक्रांति, पोंगल, उत्तरायण।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	06.49 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कुंभ	08.35 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.08 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.19 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	15.17 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.30 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.46 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.58 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		तुला	00.09 बजे से
		वृश्चिक	02.24 बजे से
		धनु	04.40 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44	बजे तक
काल	08.15 से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47	बजे तक	चर	10.16 से 11.47	बजे तक
रोग	11.47 से 01.16	बजे तक	रोग	11.47 से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44	बजे तक	काल	01.19 से 02.51	बजे तक
चर	02.44 से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7084

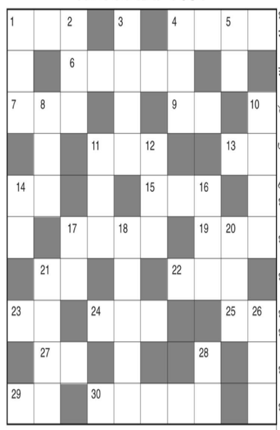

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नरगिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वाली से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नीहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मन लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फराह की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२३. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतुतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
३०. अमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 7083

प्रसंगतः सफलता का नशा

किसी आश्रम में अनेक छात्र रहते थे। उनमें से एक छात्र को अपनी बुद्धि पर काफी अभिमान हो गया था। एक दिन गुरु ने उसे एक कथा सुनाई- घने जंगल में एक बकरी रहती थी। वह अपने को काफी चतुर मानती थी। उसके शरीर पर घने नर्म लंबे बाल थे, जिस कारण वह बहुत सुंदर दिखती थी। एक दिन वह घास चर रही थी। तभी कुछ शिकारियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने उसका पीछा करना शुरू किया। बकरी भागती हुई जंगल में एक ऐसी जगह पहुंची, जहां अंगूर की घनी बेलें थीं। बकरी बेलों के पीछे जाकर छिप गई। जब पीछा करते शिकारी पहुंचे, तो वे बकरी को देख न सके। बड़ी देर तक वहां ढूंढने के बाद वे आगे बढ़ गए। बकरी अपनी चतुराई पर बहुत प्रसन्न हुई। तभी उसका ध्यान अंगूर के कोमल पत्तों पर गया तो उसने अंगूर की बेल को ही चरना आरंभ कर दिया। थोड़ी देर में ही उसने सारी झाड़ी चट कर डाली। तभी शिकारी उसे ढूंढते वापस वहां आ पहुंचे और उन्होंने बकरी को देख लिया और थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्होंने उसका शिकार कर लिया। शिकारी आपस में कह रहे थे कि यदि बकरी ने वह झाड़ी साफ न की होती तो उसे पकड़ना नामुमकिन था। बकरी ने अपना आश्रय स्वयं नष्ट किया और वह शिकार हो गई। गुरु ने कथा यहीं समाप्त कर कहा, 'सफलता के नशे में मनुष्य अपना विवेक खो देता है और स्वयं को संकट में डाल लेता है। इसलिए अहंकार से बचना चाहिए।' शिष्य गुरु का आशय समझ गया।

सूडोकु नवताल- 7393

★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल- 7392 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	4	2	9
3	4	1	6	2	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
2	7	6	1	9	3	5	8	4
6	7	1	3	9	8	4	2	5
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8608

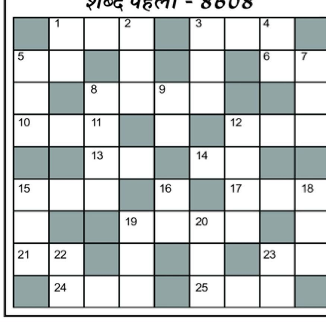

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्त, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली - 8607 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लक्ष्मीकांता कॉलेज में राष्ट्रीय युवा दिवस पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, भारत माता पब्लिक स्कूल एवं मेधालिपि 24 फाउंडेशन लांजी के संयुक्त तत्वाधान में 12 जनवरी ''राष्ट्रीय युवा दिवस'' के अवसर पर प्रात: 9:30 बजे सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र भाजपा जनता पार्टी से पूर्व विधायक रमेश दिलीप भटेरे जी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रमेश दिलीप भटेरे ने स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की बात कही एवं ''भारत माता स्कूल'' के सुन्दर नाम की प्रशंसा की तथा संस्थान में अध्ययनरत् सभी विद्यार्थियों को ''भारत माता की तस्वीर'' आगामी कार्यक्रम में उपलब्ध कराने की बात कही। तत्पश्चात् योग गुरू भानुप्रताप खांडे के द्वारा सूर्य नमस्कार एवं ध्यान करवाया गया साथ ही म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ''स्वदेशी प्रतिज्ञा'' कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त विद्यार्थियों एवं अध्यापकों द्वारा शपथ भी ली गई। जिसका तात्पर्य भारत के विकास में मेरा एक-एक कदम मेरी पहचान मेरी जिम्मेदारी हैं।

शिविर में 30 लोगों ने किया रक्तदान

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में दोपहर 12 बजे से स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिला चिकित्सालय बालाघाट की ब्लड कलेक्शन टीम द्वारा 30 युनिट ब्लड का संग्रहण किया गया, जिसमें सर्वप्रथम संस्था भारत माता पब्लिक स्कूल, श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज आफ टेक्नालॉजी एवं ''मेधालिपि 24 फाउंडेशन'' के संस्थापक गुलाबचन्द लोधी एवं अन्य स्वेच्छिक रक्तदाताओं द्वारा ब्लड डोनेट किया गया। आज ही मेधालिपि 24 फाउंडेशन के संस्थापक गुलाबचन्द लोधी ने लांजी क्षेत्र में ''लांजी ब्लड आर्मी'' का गठन लांजी क्षेत्र के युवाओं एवं स्वेच्छिक रक्तदाताओं की मदद से किया जो भविष्य में ''तत्काल'' जरूरतमंदों को नि:शुल्क रक्त उपलब्ध करायेगी। इस अवसर पर भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय स्वयं सेवक के क्षेत्रीय संघ प्रमुख नैनसुख वर्मा जी भाईसाहब ने भी रक्तदान किया एवं स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला कार्यक्रम के मध्य में सभी विद्यार्थियों को ब्लड डोनेशन के प्रति जागरूकता के लिए रक्तदाताओं से संस्थान में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को मिलाया गया, ताकि वे बड़े होकर रक्तदान-महादान के अभियान से जुड़ सके। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् महाकौशल लांजी, श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब तथा मेधालिपि 24 फाउंडेशन लांजी की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में संस्था के संचालक डॉ. ताराचन्द बड़घैया, भारत माता स्कूल के संचालक बिनिश मैथ्यू, समाजसेवी गुलाबचन्द खोब्रागढ़े एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारीगण, स्वेच्छिक रक्तदाता एवं महाविद्यालय एवं स्कूल के समस्त विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, साडरा में स्वामी विवेकानंद जयंती पर हुआ सामूहिक सूर्यनमस्कार

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती 12 जनवरी के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा में उत्साहपूर्ण ढंग से सामूहिक सूर्यनमस्कार एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जा रहे स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 9:00 बजे शाला प्रांगण में छात्रों को पंक्तिबद्ध करके की गई। प्रात: 9:28 बजे प्राचार्य एस. के. नारनौरे ने माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छाया चित्रों की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात् आकाशवाणी से प्रसारित राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रसारण प्रात: 9:30 से 10:15 बजे तक चला, जिसमें राष्ट्रगीत, वंदे मातरम्, स्वामी विवेकानंद जी की वाणी, माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश, सामूहिक सूर्यनमस्कार एवं प्राणायाम की गतिविधियाँ शामिल रहीं। इसके बाद स्वदेशी संकल्प लिया गया तथा स्वदेशी रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रात: 10:30 बजे प्राचार्य महोदय ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। अंत में छात्रों को प्रसादी वितरित की गई और कार्यक्रम का औपचारिक समापन घोषित किया गया। कार्यक्रम का संचालन खेल शिक्षक संतोष कुमार भरने ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण — पी.एन. धनोले, टी.डी. लिल्हारे, एम. के. गुरदे, के. डी. मेश्राम,

पी. के. कुराहे, एच. आर. वाकडे, सी. के. ठाकरे, श्रीमति सोनम नागले, डी. के. नगपुरे, ओ.पी. नारनौरे, श्रीमति शिल्पा कावडे, आर. के. नगपुरे, एस.के. अगासे, अनिल कुमार धारणे, श्रीमति जी. कटरे, श्रीमति एम. दुबे, डी. के. लिल्हारे, पी. दशहरे, विलास लिल्हारे, आर. डी. वाहने, आकाश जाम्भुरे, कु. उमादेवी मस्करे — सहित समस्त विद्यार्थी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद जी के विचारों — युवा शक्ति, स्वास्थ्य, स्वदेश प्रेम एवं आध्यात्मिकता — को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। विद्यालय परिवार ने ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्रों में अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने का संकल्प दोहराया।

केराटोला इलेवन ने नेवरवाही इलेवन को हराकर जीता फाइनल का खिताब

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत वनांचल ग्राम पंचायत कंसुली के ग्राम केराटोला में 8 जनवरी से प्रारंभ हुई केराटोला प्रीमियम लीग का भव्य समापन 13 जनवरी को उत्साहपूर्ण

वातावरण में किया गया। समापन समारोह में ग्राम सरपंच लीलाराम मानकर, जनपद सदस्य महेश चौधरी, उपसरपंच, पंचगण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता की खिताबी भीड़ंत नेवरवाही इलेवन एवं केराटोला इलेवन के बीच खेला गया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए नेवरवाही इलेवन ने 7 ओवर में 56 रन बनाए और केराटोला इलेवन को 57 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए केराटोला इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 ओवर 5 गेंदों में लक्ष्य हासिल कर लिया और टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियो ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया, वहीं अंतिम ओवर तक बना रोमांच दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में पहुंचे खेल प्रेमियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। समिति के द्वारा निर्धारित ईनामी राशि एवं शील्ड अतिथियों के हस्ते विजेता को पुरस्कार 5025 रूपयें एवं उपविजेता को 2525 रूपये प्रदान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य उमेश देवाहे, मनोज देवाहे, जागेश्वर दांदरे, मेत्रय दांदरे, तुलसी दांदरे, जीतू पीपलेश, सुरेंद्र, मिथलेश, पंकज, यशकुमार, सुखदेव, शिवा, राजेंद्र, मोनू, आकाश, अक्षय, राजा, प्रदीप, दीपेंद्र, कोमेश्वर दांदरे, विशाल, सागर, चैतराम, अमन, सोनू, सुनील, रूपेंद्र सहित अन्य खिलाडय़ियों का विशेष योगदान रहा। समिति एवं खिलाड़ियों ने क्षेत्र के समस्त खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल संस्कृति को मजबूत करने की अपील की।

महावीर इंटरनेशनल लांजी ने अति नक्सल प्रभावित ग्राम डेंडूरबोड़ी में बांटे कंबल और ऊनी वस्त्र

पद्मेश न्यूज। लांजी। भीषण ठंड से जूझ रहे लांजी विकासखंड के ग्राम पंचायत खुर्शीटोला के आदिवासी बहुल वनांचल क्षेत्र के अति नक्सल प्रभावित ग्राम डेंडूरबोड़ी में महावीर इंटरनेशनल लांजी रीजन 9 ने मानवीय सेवा का अनुपम उदाहरण पेश किया। संस्था के गोद लिए गए ग्राम में 13 जनवरी को प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक पहुंचकर कंबल और ऊनी कपड़ों का वितरण किया गया। महावीर इंटरनेशनल लांजी रीजन 9 चेयरमैन विशाल राऊत खोंगल ने बताया कि 卐सब की सेवा, सबको प्यार卐 की तर्ज पर चलाए जा रहे इस सेवा कार्य के तहत ग्राम के बुजुर्गों, महिलाओं और पुरुषों को लगभग 45 ऊनी कंबल तथा 20 ऊनी कपड़े (स्वेटर आदि) वितरित किए गए। साथ ही बच्चों को भी ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए। इस दुर्गम क्षेत्र में पहुंचना आसान नहीं था, जहां दुर्लभ रास्तों से छोटी मोटरसाइकिलों के माध्यम से महावीर इंटरनेशनल के सदस्य पहुंचे। वितरण के दौरान सदस्यों ने ग्रामीणों की आंखों की जांच की, मोतियाबिंद के संभावित इलाज में सहयोग का आश्वासन

दिया तथा स्वास्थ्य जागरूकता और अच्छे स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल लांजी के सभी सदस्यों, ग्राम पंचायत खुर्शीटोला के सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों का पूर्ण सहयोग रहा। अंतरराष्ट्रीय महासचिव वीर सोहन वैद्य जी तथा अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष रीजन 9 वीर दिलीप भंडारी जी के मार्गदर्शन में यह सेवा संपन्न हुई। विशेष रूप से सक्रिय सदस्यों में विशाल राऊत खोंगल, रामकुमार खरगाल, ओमप्रकाश दवने, अरशद खान, इंद्र कुमार, राजा भूते, जगन्नाथ दादू नाकतोड़े, सुभाष उरखेड़े, रूपेश नखाते, राकेश, सचिन, संजय मालू, सुशील जैन, तरुण सुराना, अभय सेठिया, दीपक हीरावत, अंकित नाहर और महेंद्र टांक शामिल रहे। यह सेवा कार्य महावीर इंटरनेशनल की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो अहिंसा, करुणा और मानव सेवा पर आधारित है। संस्था नियमित रूप से ऐसे दुर्गम एवं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमंदों की मदद करती आ रही है, जिससे ग्रामीणों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस पर साक्षरता अभियान थीम पर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। म.प्र.शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के पत्र एवं निर्देशानुसार शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद की १६३ वीं जयंती के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस का कार्यक्रम रन फॉर स्वदेशी तथा राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साक्षरता अभियान थीम पर महाविद्यालय में कार्यक्रक आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ पर रन फार स्वदेशी थीम अन्तर्गत महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एस एस गेड़ाम, तृप्ती सोनवे, हेमन्त गनवीर की उपस्थिति में सामूहिक दौड़ छात्र छात्राओं द्वारा की गई। तत्पश्चात विकास साहू क्रीडा अधिकारी तथा प्रकाश कठाने प्रायेगशाला तकनीशियन के सहयोग से सूर्य नमस्कार, और प्राणायाम जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राएँ एवं महाविद्यालय परिवार ने भाग लिया। व्याख्यान व सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ संरस्वती वन्दना एवं स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया गया। सरस्वती वन्दना दिव्या पंचेश्वर छात्रा के द्वारा प्रस्तुत की गयी। अतिथि स्वागत गीत अनिशा एवं प्रीती लांजेवार के द्वारा प्रस्तुत किया गया। समस्त अतिथियों के स्वागत उपरान्त एनएसएस लक्ष्य गीत रितु कोटेकर एवं पुजा सोनवाने के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस दौरान हेमन्त कुमार मण्डाले, रक्षा निकोसे, पूर्णिमा कुमरे, अनिरूद्ध सिंह काकोड़िया, सरिता नागवंशी, नेहा मर्सकोले, एवं महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

धान का उठाव एवं परिवहन नही होने से किसानों का भुगतान हो रहा लंबित

बारदानों के अभाव मे धान खरीदी नहीं होने से किसान परेशान

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश शासन की उपार्जन नीति के अनुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 01 दिसम्बर 2025 से की जा रही है, जो 20 जनवरी 2026 तक चलेगी। चालू सीजन में जिले में 12 जनवरी 2026 की शाम तक 01 लाख 08 हजार 878 किसानों से 1316 करोड़ 45 लाख 33 हजार रुपए की 55 लाख 57 हजार क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। शासन द्वारा खरीदी केंद्रों से 72 घंटे में परिवहन होने का नियम पोर्टल में दर्ज है, लेकिन किसानों से धान खरीदी किए जाने के दौरान भी केंद्रों में खरीदी की गई धान का परिवहन नहीं हो पा रहा है, जिससे किसानों का भुगतान लंबित एवं अटका पड़ा हुआ है। वही धान उपार्जन केंद्रों में 20 जनवरी 2025 तक धान खरीदी किया जाना है, इसके बावजूद क्षेत्रों के अनेकों धाम उपार्जन केंद्रों मे अब भी बारदानों का अभाव बना हुआ है जिनमे उपार्जन केन्द्र कांदिकला, किरनापुर, वारा सहित अनेक केंद्रों मे अब भी बारदानों का अभाव बना हुआ है जिससे किसानों ने स्लॉट बुक करने के उपरान्त उनकी धान उपज की खरीदी नहीं हो पाने से किसानों को मानसिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि कुछ हद तक समितियों द्वारा अपने पास के बारदाने उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन फिर भीहर किसी किसान के समक्ष आई इस तरह की समस्या का निराकरण नहीं हो रहा हैं। अब ऐसी स्थिति में धान का उठाव एवं परिवहन नही हो पाने से धान खरीदी करने वाले समिति सहित किसानों को परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। ऐसे मे शासन प्रशासन को यथाशीघ्र समितियों के माध्यम से सभी उपार्जन केंद्रों मे बारदानों की समुचित उपलब्धता किसानों को कर खरीदी की गई धान का उठाव एवं परिवहन किए जाने की आवश्यकता है जिससे किसानों को सही समय पर उनकी उपज का भुगतान भी हो सके।

युवा दिवस पर एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव में किया गया सामूहिक सूर्य नमस्कार

पद्मेश न्यूज। लांजी। युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में 12 जनवरी 2026 दिन सोमवार को एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव में मनाया गया। सर्वप्रथम स्कूल के संचालक ए. आर. कुशले के द्वारा माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यकम की शुरूवात की गई। तत्पश्चात कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के अध्ययनरत लगभग 1150 उपस्थित छात्र/छात्राओं व शिक्षकों के द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार के बारह विधाएं एवं साथ ही विभिन्न आसन, योग, प्राणायाम भी किये गये। संचालक के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन चरित्र के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया व योग प्राणायाम से हमारे मानव शरीर पर होने वाले प्रभाव के बारे में विस्तार से समझाया गया व विद्यार्थीयों को अपने दिनचर्या में प्रतिदिन योग करने के लिए प्रेरित किया गया । उक्त आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय की प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले, शिक्षक रोहित चंदेल, नरेन्द्र कटरे, शुभम मेश्राम, सुरेन्द्र देवाहे, शिक्षिका सुनिता नखाते, सीमा येरपुडे, भागरता ठाकरे, रानू दखने, यशोदा कलपुरे, एवं स्कूल की समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिती रही ।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

शिक्षकों के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना लागू- 322 करोड़ 34 लाख रुपये की स्वीकृति

द्वितीय चरण में 200 सांदीपनि विद्यालयों के लिए 3 हजार 660 करोड़ रुपये की स्वीकृति : उज्जैन शहर की जल आवर्धन योजना के लिए 1,133 करोड़ 67 लाख रुपये स्वीकृत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित मंत्रि-परिषद के सदस्य बैठक में टैबलेट के साथ शामिल हुए। मंत्रि-परिषद द्वारा शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, शिक्षक तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए 1 जुलाई 2023 अथवा उसके बाद की तिथि से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर, चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना प्रभावशील किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए 322 करोड़ 34 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

द्वितीय चरण में सांदीपनि विद्यालयों के लिए 3 हजार 660 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा द्वितीय चरण के लिए 200 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय की स्थापना के लिए अनुमानित व्यय 3 हजार 660 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। द्वितीय चरण के प्रस्तावित विद्यालयों की क्षमता एक हजार से अधिक होगी।

उज्जैन शहर की जल आवर्धन योजना के लिए 1,133 करोड़ 67 लाख रुपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन शहर की जल आवर्धन योजना लागत 1,133 करोड़ 67 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

सहायक उप निरीक्षक स्व. गौतम के परिवार को 90 लाख रुपये की श्रद्धा निधि स्वीकृत

मंत्रि-परिषद द्वारा जिला मऊगंज में हुई घटना में दिवंगत स्व. रामचरण गौतम, सहायक उप निरीक्षक के परिवार को 90 लाख रुपये की श्रद्धा निधि दिये जाने की स्वीकृति दी गयी। उल्लेखनीय है कि दिवंगत स्व. गौतम के परिवार को 10 लाख रुपये की विशेष अनुग्रह राशि पूर्व में 1 अप्रैल 2025 को प्रदान की जा चुकी है। जिला मऊगंज थाना शाहपुर अंतर्गत ग्राम गडरा में एक परिवार के लोगों को समुदाय के लोगों द्वारा बंधक बना लिया गया था। घर के अंदर एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के बाद शव को अभिरक्षा में लेने के दौरान समुदाय द्वारा पुलिस अमले पर हमला कर दिया था। हमले में गौतम ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए कर्तव्य का पालन किया और वीर गति को प्राप्त हुए।

ग्वालियर व्यापार एवं उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला-2026 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट दिये जाने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा ग्वालियर व्यापार मेला-2026 एवं उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2026 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट दिये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

सोलर सह स्टोरेज प्रदाय परियोजना की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन सोलर सह स्टोरेज प्रदाय परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही परियोजना के अंतर्गत सोलर-सह चार घंटे 300 मेगावाट, सोलर सह छह घंटे 300 मेगावाट एवं सोलर-सह 24 घंटे 200 मेगावाट विद्युत प्रदाय की सिंगल साइकिल चार्जिंग आधारित ऊर्जा भंडारण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना से राज्य में पीक डिमांड के समय भी सस्ती, स्वच्छ एवं भरोसेमंद विद्युत उपलब्ध हो सकेगी।

सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उपलब्ध विद्युत केवल दिन के समय उपलब्ध रहती है और इसकी उपलब्धता मौसम पर निर्भर करती है। इसी प्रकार पवन ऊर्जा परियोजनाओं से ऊर्जा की उपलब्धता भी अनिश्चित रहती है, क्योंकि यह पवन की उपलब्धता एवं गति पर निर्भर करती है। मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी, ग्रिड स्थिरता की आवश्यकता, पीक-डिमांड प्रबंधन तथा विद्युत की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा आधारित ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं की स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राजगढ़ एवं रायसेन जिले की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 898 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा राजगढ़ एवं रायसेन जिले की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 898 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार राजगढ़ जिले की सारंगपुर तहसील की मोहनपुरा विस्तारीकरण (सारंगपुर) सिंचाई परियोजना लागत 396 करोड़ 21 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे सारंगपुर तहसील के 26 ग्रामों की 11,040 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी, जिसमें 10 हजार 400 कृषक परिवार लाभांवित होंगे।

मंत्रि-परिषद द्वारा रायसेन जिले की सुल्तानपुरा उद्वहन सिंचाई परियोजना लागत 115 करोड़ 99 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इससे सुल्तानपुर तहसील के 20 ग्रामों की 5,700 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी, इसमें 3,100 कृषक परिवारों को लाभ होगा।

रायसेन जिले की बरेली तहसील की बारना उद्वहन सिंचाई परियोजना लागत 386 करोड़ 22 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इससे बरेली तहसील के 36 ग्रामों की 15 हजार हैक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमें 6,800 कृषक परिवार लाभांवित होंगे।

मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति-2026 लागू किये जाने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में उपलब्ध 322 औद्योगिक पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर और 31 गीगावाट की बिजली आपूर्ति, उत्कृष्ट शैक्षणिक सस्थानों आदि संसाधनों एवं अनुकुल वातावरण के दृष्टिगत अंतरिक्ष-ग्रेड विनिर्माण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य में म.प्र. स्पेसटेक नीति-2026 लागू की जाने की स्वीकृति दी। यह नीति उपग्रह निर्माण, भू स्थानिक विश्लेषण और डाउन स्ट्रीम अनुप्रयोगों में नवाचार को बढ़ावा देगी। प्रदेश में आगामी 5 वर्ष में 1 हजार करोड़ का निवेश और लगभग 8 हजार का रोजगार सृजन होगा। इस पर अनुमानित वित्तीय भार 628 करोड़ रूपये आयेगा।

इस नीति के लागू होने से मध्यप्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (स्पेसटेक) क्षेत्र में एक मजबूत केंद्र बनने की ओर अग्रसर होगा। इस नीति के लागू होने से राज्य अंतरिक्ष उद्योग को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे और अनुसंधान सहायता के माध्यम से अपनी रणनीति बना सकेगा। यह नीति उपग्रह निर्माण, भू-स्थानिक विश्लेषण, और डाउन स्ट्रीम अनुप्रयोगों (जैसे कृषि, आपदा प्रबंधन, और शहरी नियोजन) में नवाचार को बढ़ावा देगी, जिससे आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक मान्यता प्राप्त होगी। नव प्रवर्तन और अनुसंधान अंतर्गत स्पेसटेक उत्कृष्टता केंद्र एवं इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित होगा, जिससे राज्य सरकार द्वारा एकीकृत स्पेसटेक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जा सकेगी। मध्यप्रदेश में स्पेसटेक नीति-2026 के क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश के माध्यम से नवीन रोजगार सृजित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना पंचम चरण को 3 वर्षों के लिए 5 हजार करोड़ स्वीकृत

प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास के लिए मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना पंचम चरण को 3 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-27 एवं 2028-29) के लिए, 5 हजार करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गयी है। योजनान्तर्गत मास्टर प्लान की सड़कें जिले की प्रमुख एवं अन्य रोड तथा शहर की प्रमुख सड़कों का निर्माण तथा अनुषांगिक कार्य, सडक सुरक्षा एवं शहरी यातायात सुधार, शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति/सीवरेज / अन्य परियोजनाओं में गैप कवरेज से संबंधित कार्य, इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन ड्रेन तथा एसटीपी निर्माण संबंधी कार्य एवं राज्य शासन की प्राथमिकता के कार्य किये जा सकेंगे। योजना का क्रियान्वयन नगरीय निकायों द्वारा किया जायेगा। इस योजना के लागू होने से विभिन्न शहरों में आवश्यक अधोसंरचनाएँ उपलब्ध हो सकेंगीं।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के निर्धारण के लिए मंत्रि-परिषद समिति गठन की स्वीकृति प्रदान की गई।

कैडर रिव्यू में देरी पर केंद्र व राज्य सरकार को झटका

कैट की टिप्पणी रिव्यू में देरी मौलिक अधिकार का उल्लंघन, कैट ने राज्य पुलिस सेवा के आधिकारियों के पक्ष में किया फैसला

भोपाल। कैट(केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण) जबलपुर पीठ ने मध्यप्रदेश पुलिस एसोसिएशन की दायर मूल आवेदन को स्वीकार करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की उस लापरवाही पर कड़ी टिप्पणी की है, जिसमें भारतीय पुलिस सेवा कैडर रिव्यू जैसे अनिवार्य वैधानिक कर्तव्य को समय पर पूरा नहीं किया गया। यह याचिका मध्यप्रदेश पुलिस एसोसिएशन की ओर से दायर की गई थी, जिसमें यह मुद्दा उठाया गया था कि, भारतीय पुलिस सेवा (कैडर) नियम, 1954 के तहत प्रत्येक पांच वर्ष में कैडर रिव्यू किया जाना अनिवार्य है, लेकिन पिछले लगभग दो दशकों से यह प्रक्रिया लगातार देरी की जाती रही। इस देरी के कारण राज्य पुलिस सेवा के अनेक पात्र अधिकारी आईपीएस में पदोन्नति/इंडक्शन के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो रहे हैं ।

ट्रिब्यूनल ने यह माना कि कैडर रिव्यू कोई औपचारिक या विवेकाधीन कार्य नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार पर डाला गया अनिवार्य दायित्व है। इस दायित्व के निर्वहन में हुई देरी को न तो प्रशासनिक उदासीनता और न ही निष्क्रियता के आधार पर उचित ठहराया जा सकता। ट्रिब्यूनल ने यह भी स्वीकार किया कि इस प्रकार की देरी से अधिकारियों के अनुच्छेद 14 एवं 16 के अंतर्गत प्राप्त समानता और पदोन्नति पर विचार के मौलिक अधिकार प्रभावित होते है। आवेदक की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे तथा अक्षय खंडेलवाल ने प्रभावी रूप से यह पक्ष रखा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यूनियन ऑफ इंडिया बनाम हेमराज सिंह चौहान सहित अनेक निर्णयों में स्पष्ट किया गया है कि, कैडर रिव्यू समयबद्ध और अनिवार्य है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश के अधिकारी अत्यधिक पिछड़े हुए हैं, जिससे गंभीर असमानता उत्पन्न हुई है। याचिका में यह भी बताया गया कि यदि इसी प्रकार देरी जारी रही तो कई अधिकारी 56 वर्ष की आयु सीमा पार कर जाएंगे और आईपीएस में इंडक्शन का अवसर हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा।

ट्रिब्यूनल ने इस चिंता को गंभीर मानते हुए सरकारों की निष्क्रियता को अधिकारियों के भविष्य से खिलवाड़ करार दिया। ट्रिब्यूनल द्वारा आपने आदेश से केंद्र सरकारऔर राज्य सरकार को अतिरिक्त कैडर रिव्यू करने के लिए आदेशित किया है। ईवीएम यह प्रक्रिया पूर्ण करने के ,128 दिन समय दिया गया है । यह निर्णय न केवल राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए राहतकारी है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि वैधानिक दायित्वों की अनदेखी प्रशासन के लिए स्वीकार्य नहीं है। यह आदेश भविष्य में समयबद्ध कैडर रिव्यू सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है।

ओपन नेशनल कराटे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने बढाया जिले का मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हाल ही में नगर में आयोजित दो दिवसीय ओपन नेशनल कराटे टूर्नामेंट में योद्धा कराते एन्ड फिटनेश अकादमी बालाघाट के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने काता एवं कुमिते फाइट स्पर्धाओं में भाग लेकर कई पदक अपने नाम किए।आयोजित प्रतियोगिता में आराध्य पिता दुर्गेश मोहारे, एंजल पिता दुर्गेश मोहारे, शौर्या पिता चंद्रशेखर पाण्डेय, प्रियंजलि पिता विजय तिवारी,प्रमेश पिता सुनील कुंभलकर ने गोल्ड मैडल प्राप्त किया।तो वही शिवम् पिता हीरा लाल बवानकर, ऋषभ पिता दिलीप बसेने,दिव्यांशी पिता सुरेश नागपुरे ने सिल्वर मैडल हासिल किया है।इसके साथ ही अकादमी के कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी ने भी काता प्रतियोगिता में भाग लेकर गोल्ड मेडल जीतकर अपने खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।इस शानदार उपलब्धि पर अकादमी परिवार एवं अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी ने सभी विजेता खिलाडियों को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास से ही खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में बालाघाट का परचम लहराया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी बालाघाट के डायरेक्टर प्रवीण नन्हेट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भारत सरकार की पहल खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 का आयोजन 5 से 10 जनवरी 2026 तक केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के दीव स्थित घोघला बीच पर भव्य रूप से किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बीच स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना, खिलाडियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्रदान करना तथा तटीय और गैर-तटीय राज्यों के खिलाड़ियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।इस आयोजन का संचालन दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के प्रशासन द्वारा किया गया, जबकि प्रतियोगिताएं भारतीय खेल प्राधिकरण तथा संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघों के तकनीकी मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस वर्ष के खेलों में देशभर से 1300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 25 राज्य और 6 केंद्र शासित प्रदेश, कुल 31 इकाइयों का प्रतिनिधित्व देखने को मिला।खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में बीच सॉकर, बीच वॉलीबॉल, बीच सेपक टकरॉ, बीच कबड्डी, पेंचक सिलाट और ओपन वाटर स्विमिंग को पदक स्पर्धाओं के रूप में शामिल किया गया, जबकि मल्लखंब और रस्साकशी को प्रदर्शन खेलों के रूप में प्रस्तुत किया गया।

बालाघाट के सरुण सोनवाने ने मप्र का प्रतिनिधित्व कर जीता स्वर्ण पदक

आयोजित प्रतियोगिता में बालाघाट जिले और पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व और खुशी का क्षण यह रहा जब एकलव्य मार्शल आर्ट्स एंड फिटनेस अकादमी के खिलाड़ी एवं पेंचक सिलाट नेशनल्स 2025 के पदक विजेता सरुण सोनवाने ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए पेंचक सिलाट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि ने न केवल बालाघाट जिले बल्कि पूरे राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।इसके साथ ही, मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट टीम के साथ वरिष्ठ महिला कोच के रूप में प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं एकलव्य एवं विक्रम पुरस्कार से सम्मानित सुश्री निधि नन्हेट भी शामिल रहीं। अपने वर्षों के अनुभव से उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन करते हुए टीम को इस बड़े मंच पर सशक्त नेतृत्व प्रदान किया।बताया गया कि पेंचक सिलाट स्पर्धा में देश के लगभग सभी राज्यों से खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें मध्य प्रदेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा पूरे टूर्नामेंट की समग्र पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया।

बालाघाट आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

प्रतियोगिता के उपरांत मंगलवार 13 जनवरी की सुबह मध्यप्रदेश टीम कोच निधि नन्हेट ओर खेलों इंडिया बीच गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट सरुण सोनवाने का आगमन बालाघाट हुआ जिनके स्वागत के लिए एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी की पूरी टीम मौजूद रही।इस दौरान प्रतीक नन्हेट, संगीता मराठा , भावना सोनकर, छाया नरवास,साहिल सोनवाने, यथार्थ गर्दे, विहान बिसेन,अनिरुद्ध कुमार पुरोहित,आशीष सोनकर, महेश चौहान, गौरव जायसवाल,सहित अन्य ने उनका भव्य स्वागत कर बधाइयां दी।

मप्र ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव बने लीलाधर सुलाखे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन और मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक एम्पलाइज़ एसोसिएशन की त्रैवार्षिक आमसभा एवं महा अधिवेशन प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित किया गया।ऑफिसर्स एसोसिएशन हेतु निर्वाचन की कार्यवाही केंद्रीय संगठन द्वारा नियुक्त किए गए चुनाव अधिकारी जितेंद्र भिंचर, अमित पूनिया राजस्थान सहित उनकी पांच सदस्यीय टीम द्वारा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाई गई ।इस महाधिवेशन में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के 21 क्षेत्रीय कार्यालयों , प्रधान कार्यालय एवं प्रदेश के 55 जिलों में अवस्थित शाखाओं के अधिकारी, शाखा प्रबंधक एवं स्टाफ बड़ी संख्या में शामिल हुए।जहा कर्मचारी वर्ग हेतु आम सहमति से निर्वाचन हुआ।

770 अधिकारियों ने किया मताधिकार का उपयोग

इस निर्वाचन में जहा अधिकारी वर्ग हेतु मतदान प्रक्रिया से चुनाव संपन्न हुए, प्रतिनिधिक आधार पर प्रदेश भर से आए हुए लगभग 770 अधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।अध्यक्ष पद हेतु रुद्र कुमार पांडे ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में 16 मतों से विजय प्राप्त की। ट्रेड यूनियन एक्ट अंतर्गत संगठन के महत्वपूर्ण पद महासचिव पद हेतु लीलाधर सुलाखे ने 472 मत प्राप्त करते हुए 191 मतों के मार्जिन से विजय श्री का वरण किया।वही कोषाध्यक्ष पद हेतु जितेंद्र कुमार ने 71 मतों के अंतर से जीत हासिल की। उधर कार्यकारी अध्यक्ष के पद हेतु आसित सिंह, रविंद्र कुमार चौहान तथा कार्यकारी महासचिव हेतु आदित्य भार्गव और अनुपम तिवारी विजयी हुए।वही कर्मचारी वर्ग में अमित कुमार अध्यक्ष तथा पुष्पेंद्र पाठक महासचिव निर्विरोध निर्वाचित हुए।पूर्व महासचिव अजय तिवारी धार एवं श्रीमती नीता होर भोपाल के नेतृत्व में कार्यक्रम की सफलता हेतु सदस्यों ने अथक मेहनत की।

अब आर-पार की लड़ाई के मूड में आउटसोर्स कर्मचारी

भोपाल। स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले विभाग के 30 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर नौ फरवरी से चरणबद्ध आंदोलन करेगा। इसमें मेडिकल कॉलेजों से लेकर गांव के उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक में कार्यरत वे कर्मचारी शामिल हैं, जो वर्षों से स्थायी प्रकृति का काम कर रहे हैं, लेकिन आज भी न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा के लिए तरस रहे हैं। संघ का आरोप है कि शासन किसी पद के लिए 20 से 25 हजार रुपये स्वीकृत करता है, लेकिन ठेकेदारी प्रथा और प्रशासनिक कटौती के चलते कर्मचारी के हाथ में मात्र 8 से 12 हजार रुपये ही आते हैं।

प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु कृषको दिया गया प्रषिक्षण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र ब?गांव बालाघाट एवं बॉयफ - मॉयल सामुदायिक विकास कार्यक्रम उकवा के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 12.01.2026 को एक दिवसीय कृषक प्रषिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 20 कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव से अवगत करवाते हुए कहा कि रासायनिक खेती से भूमि एवं मानव स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा हैं एवं कृषकों को खेती की लागत भी अधिक आती हैं। खेती की लागत को कम करने एवं वातावरण को शुद्ध बनायें रखने हेतु प्राकृतिक खेती की शुरूआत कृषक छोटे-छोटे क्षेत्रों से कर सकते हैं एवं कृषकों को प्राकृतिक खेती करने हेतु सुझाव दिया। डॉ. धुवारे द्वारा प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती के महत्व के बारे में बताया गया जिसमें रबी फसलों में चना, सरसों, गेहूं आदि फसलों में प्राकृतिक खेती के द्वारा उत्पादन कैसे अच्छा हो साथ ही रबी फसलों में जैविक खेती एवं रबी फसल की उन्नत तकनीक की जानकारी दिया। किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ बताये तथा जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, दशपर्णी, नीमास्त्र, ब्रम्हास्त्र, अग्निअस्त्र, वापसा प्रबंधन एवं मल्चिंग आदि बनाने की विधि किसानों को बताया तथा यह भी समझाया कि भूमि की उर्वरा शक्ति एवं मिट्टी में लाभदायक जीवाणुओं की संख्या बढ़ाने हेतु एवं पर्यावरण प्रदुषित होने से बचाने हेतु कृषकों को प्राकृतिक खेती अपनाना आवष्यक हैं। कार्यक्रम में बॉयफ के श्री ओम मुंगुलमारे ने कृषकों को रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करके प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु कृषको को समझाईस दी। कार्यक्रम के दौरान कृषकों को केन्द्र के विभिन्न इकाईयों जैसे प्राकृतिक खेती इकाई, पौध उत्पादन इकाई, सब्जी उत्पादन इकाई, मषरूम इकाई, मुर्गी पालन इकाई, एजोला इकाई, नाडेप इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, कृषि यंत्र इकाई, अजोला इकाई एवं अन्य इकाईयों का भ्रमण करवाया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के श्रीमति अन्नपूर्णा शर्मा एवं श्री दीलिप कुमार षिव का सराहनीय योगदान रहा।

दूसरे एकदिवसीय को भी जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे से शुरु होगा मुकाबला

राजकोट । पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के निरंजन शाह स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकारार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 301 रनों का भी लक्ष्य हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। पहले एकदिवसीय में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं केएल राहुल ने भी मैच फिनिशर की जिम्मेदारी निभाई। ऑलराउंडर हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले दोनो से ही अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह

से निभाई थी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने भी पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी हालांकि वह मैच नहीं जीत पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में किसी भी हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना रहेगा।

पहले एकदिवसीय में कीवी टीम बीच के ओवरों में दबाव बनाने में सफल रही थी हालांकि राहुल ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। राजकोट की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है, ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है. भारत जहां जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम जीत कर सीरीज में बने रहना चाहेगी। भारतीय टीम को इस मैच में वाशिंगटन सुंदर के बिना ही उतरना पड़ेगा क्योंकि वह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर है। ऐसे में इस मैच उनकी जगह शामिल आयुष बाडोनी को शामिल किया जा सकता है। अगर आयुष को जगह मिलती है तो अपना एकदिवसीय डेब्यू करेंगे।

दोनो ही टीमों की भारत की संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आयुष बाडोनी और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवन कॉन्वे, हेनरी निकल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), ज़ाकरी फाउल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमिसन और आदित्य अशोक।

एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिया हीली ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 35 साल की हीली ने कहा कि वह भारत के साथ होनेवाली सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। हीली पिछले 15 साल से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सक्रिय हैं। टीम की कप्तानी करते हुए हीली ने छह टी-20 और तीन एकदिवसीय विश्वकप में अपनी टीम को जीत दिलायी है। हीली के पति ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क हैं। हीली ने कहा, 'आगामी भारत दौरा ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी, यह कहते हुए मुझे हालांकि मिलाजुला अहसास हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से की मेरी इच्छा अभी भी बनी हुई है पर प्रतिस्पर्धा की वह भावना जो मुझे शुरुआत से प्रेरित करती रही है, अब कम हो गयी है। इससके साथ ही मानसिक थकान का भी अहसास हो रहा है। मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने का सही समय आ गया है। मुझे संन्यास के बाद अपने साथियों की, टीम गीत गाने की और ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने की बहुत याद आएगी।

हीली ने साल 2010 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू करते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सात शतकों लगाकर 3563 रन जबकि टी-20 में एक शतक के साथ ही 3054 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने विकेटकीपर रहते हुए 275 शिकार भी किये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हीली क्रिकेट की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभायी। हीली ने महिला क्रिकेट में अपनी अलग ही जगह बनायी। इस क्रिकेटर ने पहले ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। अब फरवरी और मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच की सीरीज में वह अंतिम बार नजर आयेंगी।

उड़ीसा के तीरंदाजों ने दूसरा स्थान हासिल किया

रांची। ओडिशा की टीम ने रांची में हुए 69वें नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-17 तीरंदाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण, 5 रजत, 1 कांस्य सहित कुल दस पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं महाराष्ट्र ने पहला और झारखंड ने तीसरा स्थान हासिल किया है। उड़ीसा ने इन खेलों में 18 खिलाड़ियों को उतारा था जिसमें 11 लड़कियां और 7 लड़के शामिल थे। उड़ीसा टीम में शामिल रोहित कुमार मरांडी ने 30-मीटर इंडियन राउंड, 30-मीटर ओलंपिक राउंड और मिश्रित टीम इवेंट में तीन स्वर्ण पदक जीते, साथ ही ओवरऑल 30 मीटर और 20 मीटर वर्ग में एक रजत भी जीता। वहीं रेशमा मल्लिक ने 30-मीटर मिश्रित टीम इवेंट में स्वर्ण जीता। वहीं सुनीता नाइक ने 60-मीटर रिकर्व राउंड में रजत और 60-मीटर व्यक्तिगत इवेंट में कांस्य पदक जीता जबकि सबित्री पात्रो (क्योंझर), टेनिश मेहर (सुंदरगढ़) और पंखी भात्रा (भुवनेश्वर) ने भी रजत पदक जीता।

विराट के फार्म का अंदाजा नहीं लगा सकते - जैमीसन

वडोदरा। न्यूजीलैंड के क्रिकेटर काइल जैमीसन ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। जैसीसन के अनुसार विराट एक ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हे रोकना किसी भी गेंदबाज के लिए संभव नहीं है। जैमीसन ने ही पहले एकदिवसीय में विराट का विकेट लिया था। जैमीसन ने आईपीएल में विराट की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से खेला था। ऐसे में वह विराट के खेलने का अंदाज जानते हैं। जैमीसन ने कहा कि यह पता करना कठिन होता है कि यह भारतीय बल्लेबाज इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है या नहीं। जैमीसन ने कहा, 'यह कहना कठिन होता है कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है या नहीं। वह लंबे समय से काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भी उनसे सामना होता है, तो आपको लगता है कि उनसे मुकाबला करने के लिए भी आपको इससे भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वह एक अलग ही स्तर के खिलाड़ी हैं और अधिकतर समय बेहतरीन लय में

नजर आते हैं। उन्होंने कहा, 'कोहली जैसे खिलाड़ियों को रोकने के लिए आपको कुछ खास रणनीति बनानी होती है हालांकि उन जैसे दिग्गज बल्लेबाजों पर रोक नहीं लगायी जा सकती है। वह थोड़ा बहुत अपना दबाव बनाए रखते हैं, इसलिए मुझे उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगा। जैमीसन ने कहा कि उन्हें फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण अपने करियर में उतार-चढ़ाव देखना पड़ा है। अपने करियर में हो भी हासिल किया उसके लिए वह अपने को आभारी मानते हैं। साथ ही कहा कि खुशकिस्मती से अपने करियर के शुरुआती दौर में ही मुझे आईपीएल में खेलने का अवसर मिला।

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरायी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है।

वहीं आईसीसी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा की गई स्वतंत्र सुरक्षा जांच में भारत में खेलने पर बांग्लादेश टीम के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं पाया गया। इन जांचों में कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश टीम, अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए कोई विशेष खतरा नहीं पाया गया। आईसीसी ने यह भी कहा कि कई बार आकस्मिक योजना बनायी जाती है पर उसे कभी जोखिम नहीं माना जा सकता है। ये पेशेवर जांच का हिस्सा होती है पर इसे कई बार गलत समझा जाता है। ये किसी प्रकार के वास्तविक खतरे को नहीं दिखाती है।

वहीं बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल सलाहकार, आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि आईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरुल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए।

वहीं आईसीसी ने बीसीसीआई और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर बनाई जा रही सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से सही बताया और कहा कि भरोसा जताया है और कहा है कि भारत का बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। साथ ही कहा कि टूर्नामेंट के लिए सुरक्षा योजनाओं की लगातार समीक्षा की जाएगी और इसमें सभी भाग लेने वाले बोर्ड, जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है से पूरी प्रक्रिया के दौरान सलाह ली जाएगी। आईसीसी ने ये भी साफ कर दिया कि अब टूर्नामेंट के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया जाएगा।

बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप का बहिष्कार किया तो लग सकता है प्रतिबंध

मुम्बई । अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर जारी गतिरोध अब तक थमा नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी से कहा है कि टीम की सुरक्षा को देखते हुए इन मैचों को श्रीलंका स्थानांतरित कर देना चाहिये। वहीं आईसीसी ने साफ कर दिया है कि मैचों को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। आईसीसी का कहना है कि टीम की सुरक्षा को किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है। वहीं बीसीसी अब भी अपनी बात पर अड़ा हुआ है और उससे विश्वकप का बहिष्कार करने की धमकी की है।

बीसीबी ने साफ कर दिया है कि वह अपने क्रिकेट टीम को विश्वक कप के लिए भारत नहीं भेजेंगे। ऐसे में अगर बीसीसी विश्वकप का बहिष्कार करता है तो नुकसान उसे ही अधिक होगा।

इस फैसले के कारण आईसीसी उस पर कड़े प्रतिबंध लगा सकती है, क्योंकि विश्वकप इवेंट से एक महीने से भी कम समय पहले किसी टीम का हटना नुकसानदेह होता है। ऐसे में आईसीसी या तो नई टीम को शामिल कर सकता है। या ग्रुप सी में बांग्लादेश की विरोधी टीम को सीधे अंक दे सकता है।

उसकी जगह किसी नई टीम को शामिल किया जा सकता है पर अंतिम समय पर उनकी यात्रा व्यवस्था करना असान नहीं होगा। दूसरी चुनौती यह होगी कि रिप्लेसमेंट टीम के लिए क्वालिफायर से अगली सर्वश्रेष्ठ टीम कैसे चुनी जाए। टीमें इस बार अपने-अपने रीजनल क्वालिफायर खेलकर टी20 विश्वककप में पहुंची हैं। ऐसे में आईसीसी के लिए चयन करना काफी कठिन हो जाएगा।

भारत-न्यूजीलैंड सीरीज में अंपायरिंक कर रहे बांग्लादेश के शरफुद्दौला

मुम्बई। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) जहां अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से उसके मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में रखे जाने पर अड़ा हुआ है। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के ही एक अंपायर शरफुद्दौला सैकत भारत-न्यूजीलैंड सीरीज में अंपायरिंग कर रहे हैं। वहीं इस मामले को लेकर जब बांग्लादेश बोर्ड से सवाल पूछे गये तो उसने कहा कि शरफुद्दौला आईसीसी के अनुबंधित अंपायर हैं, इसलिए क्रिकेट का उनसे कोई संबंध नहीं हैं। वह आईसीसी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

गौरतलब है कि शरफुद्दौला सैकत एक अनुभवी अंपायर हैं. और उन्होंने 250 से ज्यादा मैचों में अंपायरिंग की है। वडोदरा में हुए भारत-न्यूजीलैंड एकदिवीसय सीरीज के पहले मुकाबले में भी टीवी अंपायर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। शरफुद्दौला अंपायरिंग करने से पहले प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रहे हैं। अंपायरिंग अनुभव की बात करें तो वह 32 टेस्ट, 119 वनडे, 75 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अंपायरिंग कर चुके हैं।

अब क्रिकेटरों के अनुशासन हीन रवैये के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के मूड में ईसीबी

लंदन । ऑस्ट्रेलिया दौरे में एशेज सीरीज में खराब प्रदर्शन के साथ ही अपने अनुशासन हीन रवैये के कारण भी इंग्लैंड क्रिकेट टीम आलोचकों के निशाने पर है। इसी को देखते हुए अब इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने जा रहा है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने टीम के रहन-सहन की समीक्षा शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोर्ड खिलाड़ियों के लिए कई कड़े कदम उठा सकता है। इसका लक्ष्य आगामी उपमहाद्वीपीय दौरों और बड़े टूर्नामेंटों से पहले टीम में पेशेवर रुख को बढ़ाना है। एशेज सीरीज में कई क्रिकेटर ब्रेक के नाम पर बीच पर शराब पीते दिखे थे।

टीम की 4-1 से एशेज में करारी हार के लिए खिलाड़ियों के इस प्रकार के व्यवहार को भी जिम्मेदार माना गया है। इससे टीम का माहौल खराब रहा और खिलाड़ी गंभीरता से जीत के लिए प्रया नहीं कर पाये। चयन समिति भी मान रही है कि मैदान के बाहर के कामकाज से खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। इसी कारण से ईसीबी अब टीम संस्कृति पर जोर दे रहा है, जिससे भविष्य में टीम विवादों से दूर रहे। एशेज ही नहीं इससे पहले भी टीम के ऊपर सवाल उठते रहे हैं।

न्यूजीलैंड दौर में बल्लेबाज हैरी ब्रूक का एक नाइटक्लब बाउंसर के साथ झगड़ा हुआ था। इस मामले में हैरी पर जुर्माना लगाया गया। यह घटना श्वष्टक्र के लिए चेतावनी बन गई कि मैदान से बाहर की छोटी घटनाएं भी टीम की छवि और फोकस को नुकसान पहुंचा सकती ऐसे में अब श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज़ और उसके बाद श्रीलंका व भारत में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए ईसीबी पहले ही कुछ बदलावों की योजना बना रहा है। बोर्ड चाहता है कि खिलाड़ियों का व्यवहार पूरी तरह नियंत्रित और पेशेवर रहे, ताकि उपमहाद्वीप जैसे चुनौतीपूर्ण दौरों पर कोई अतिरिक्त विवाद खड़ा न हो।

अंडर19 विश्वकप में वैभव तोड़ सकते हैं कई रिकार्ड

मुम्बई । उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की नजरें अब 15 जनवरी से शुरु हो रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। वैभव ने हाल ही में दक्षिण अफीका में हुए यूएथ एकदिवसीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और वह ये सिलसिला आगे भी बनाये रखना चाहेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला अमेरिकी टीम से खेलना है। वैभव ने अब तक जिस प्रकार से बल्लेबाजी कर नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे तय है कि वह एकदिवसीय विश्वकप में भी इतिहास रच सकते हैं। विश्वप में तय है कि कई रिकार्ड वह तोड़ देंगे। वैभव अपनी बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। उनके अधिकतर रन चौकों और छक्कों से आते हैं। अंडर-19 विश्व कप के एक सत्र में सबसे ज्यादा 22 छक्कों का रिकॉर्ड। अभी दक्षिण अफ्रीक के डेवाल्ड ब्रेविस के नाम है जो वैभव इस बार तोड़ सकते हैं। वहीं अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का रिकॉर्ड अभी भारत के ही पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 2004 में 93.51 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इस बार वैभव इसे भी तोड़ देंगे क्योंकि वह 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन सरफराज खान ने साल 2014 से 2016 के बीच 566 रन बनाए थे। वैभव जिस प्रकार से खेलते है उससे ये रिकार्ड भी टूट सकता है। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अभी जैक बर्नहैम और शिखर धवन के नाम संयुक्त रुप से है, दोनों ने ही तीन-तीन शतक लगाए हैं। वैभव अधिक से अधिक शतक लगाकर इसे भी तोड़ना चाहेंगे।

राहुल बन सकते हैं बेहतर फिनिशर - आकाश चोपड़ा

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे पता चलता है कि उनमें जबरदस्त फिनिशर बनने की क्षमताएं हैं। चोपड़ा के अनुसार राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नाबाद 29 रन ही बनाये पर एक छोर थामे रखा। वहीं जब टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गिरने से दबाव में थी तब अच्छी साझेदारी बनाकर उसे उबारा। राहुल ने ऑलराउंडर हर्षित राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को उनका विकेट न मिले क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम तक पहुंचने का अवसर मिल जाता। राणा के विकेट के बाद राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की

राहुल ने 49वें ओवर तक संयम रखते हुए बड़े शॉट नहीं खेले। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, तो राहुल ने तेजी दिखाई और लगातार चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों में एक छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। चोपड़ा राहुल की इसी शांत और समझदारी भरी पारी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि राहुल में बहुमुखी प्रतिभा है। वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दबाव के बीच भी शांत बने रहे और उन्होंने धैर्य बनाये रखा। चोपड़ा ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में केएल राहुल का बल्लेबाजी का तरीका अलग ही था। हम उन्हें एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर देखते आये हैं। कई बार आपको लगता है कि वह तेजी से रन बनाएंगे और बड़े शॉट लगाकर मैच जल्दी समाप्त करने का प्रयास करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, वह उन गेंदों पर एक रन बना रहे थे जिन पर वह आमतौर पर शॉट मारते हैं, लेकिन उन्होंने सही अवसरों का इंतजार किया। एक एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी शुरु कर सकते हैं। मध्यक्रम में उतर सकते हैं और जरुरत पड़ने पर विकेट कीपिंग भी कर सकते हैं।

कर्नाटक ने मुम्बई को हराकर लगातार चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

देवदत्त, करुण ने खेली अर्धशतकीय पारियां

बेंगलुरु। देवदत्त पडीक्कल और करुण नायर के अर्धशतकों की सहायता से कर्नाटक ने वर्षा बाधित मैच में मुंबई को 54 रन से हराकर लगातार चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनायी है। पडीक्कल ने नाबाद 81 रन बनाए जबकि करूण ने 74 रन बनाये। इस मैच में कर्नाटक की टीम ने जीत के लिए मिले 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 33 ओवर में एक विकेट पर 187 रन बना लिए थे। तब बारिश की बाधा के कारण वीजेडी प्रणाली से लक्ष्य 132 रन पाया गया जबकि कर्नाटक 55 रन आगे था जिससे उसे जीत मिल गयी।

इससे पहले मुंबई की टीम कुछ खास नहीं कर पायी। अभ्यास के दौरान ही ऊंगली में चोट के कारण उसके एक बल्लेबाज सरफराज खान टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सरफराज ने इस टूर्नोमेंट में करीब 300 रन बनाये हैं। ऐसे में उनके बाहर होने से मुम्बई की टीम आठ विकेट पर 254 रन ही बना पायी। शम्स मुलानी ने सबसे अधिक 86 रन जबकि सिद्धेश लाड ने 38 रन बनाये। वहीं कर्नाटक की ओर से विद्याधर पाटिल ने तीन जबकि अभिलाष शेट्टी और विद्वत कावेरप्पा ने दो दो विकेट लिए।

पडिक्कल विजय हजारे ट्रॉफी : दो बार 700 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने पडिक्कल

नई दिल्ली। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में मुम्बई के खिलाफ 81 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में दूसरी बार 700 से अधिक रन बनाये। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। इससे पहले अब तक मयंक अग्रवाल, पृथ्वी शॉ, नारायण जगदीशन और करुण नायर ने ही विजय हजारे ट्रॉफी के एक सत्र में 700 से ज्यादा रन बनाए थे। वहीं पडिक्कल अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार एक सत्र में 700 से अधिक रन बनाए हैं।

नक्शा बटांकन स्वीकृत ऋण राशि के भुगतान भृत्य मानदेय और वृध्दा पेंशन आदि समस्याओं के निदान की उम्मीदें लेकर पहुचे हितग्राही

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 104 आवेदकों की अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 13 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 104 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम बिजाटोला निवासी गणेश हिरवाने शिकायत लेकर आये थे कि जनपद पंचायत परसवाा में आयोजित आनंद उत्सव कार्यशाला के दौरान उसके द्वारा भोजन बनाने का कार्य किया गया था, जिसका भुगतान आज दिनांक तक नही किया गया है। गणेश ने बताया कि इस कार्य को 01 वर्ष बीत चुके है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ परसवाड़ा को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हली के ग्राम मानेगांव निवासी बालकिशन पटले पटवारी द्वारा नक्शा बटांकन के कार्य मे तत्परता न दिखाने की शिकायत लेकर आये थे। बालकिशन पटले का कहना था कि उसकी निजी भूमि खसरा क्रमांक 207/8, 207/5 में निर्मला माधोराव द्वारा कब्जा कर लिया गया है। बालकिशन ने बताया कि नक्शा बटांकन करके कब्जा दिलाने के लिए खैरलांजी तहसील में 02 मई 2025 को प्रकरण दर्ज कराया गया था जिसकी जांच के आदेश आरआई श्री साकेत एवं पटवारी स्वराज माने तथा मोहारे को दी गई थी। किंतु आज दिनांक तक इस मामले पर कोई कार्यवाही नही की गई है। इस प्रकरण में खैरलांजी तहसीलदार को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

जनसुनवाई में ग्राम सालेटेका, वार्ड क्रमांक 9 निवासी परवीन भुरे शिकायत लेकर आये थे कि उन्हें केनरा बैंक शाखा प्रभारी खैरलांजी द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत स्वीकृत ऋण राशि का भुगतान नही किया गया है। परवीन भुरे का कहना था कि स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उसने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बालाघाट में आवेदन किया था, जिसके पश्चात उसे ऋण प्रकरण स्वीकृत किया गया था। परवीन ने बताया कि योजना के तहत 3 लाख रुपये की ऋण सहायता राशि के भुगतान के लिए केनरा बैंक शाखा खैरलांजी को ऑनलाइन आवेदन भी भेजा गया, लेकिन लगभग तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आज तक ऋण राशि का भुगतान नहीं किया गया। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा के ग्राम बड़ीघोन्दी की अनिता उइके 06 वर्षो से किये गए भृत्य के कार्य का मानदेय प्रदाय करने की मांग लेकर आयी थी। अनिता कहना था कि उसके द्वारा प्राथमिक/माध्यमिक शाला संकुल केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उकवा में 06 वर्षो से सहायिका के रूप में भृत्य का कार्य किया जा रहा है, जिसका मानदेय उसे आज तक नही मिल पाया है। अनिता ने शासन से गुहार लगाई है कि उसे सहायिका भृत्य का 06 वर्षो का मानदेय प्रदान किया जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम चिखला निवासी दामाजी गजभिये वृद्धा पेंशन की राशि प्रदान करने व बीपीएल कार्ड बनाने की मांग लेकर आये थे। दामाजी गजभिये का कहना था कि वे दोनो पति पत्नि वृद्ध हो चुके है और उनका पालन-पोषण करने के लिए सिर्फ उनकी बेटी है। हम पति-पत्नि दोनों कों वृद्ध पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे हमारे घर की आर्थिक स्तिथि अत्यंत दयनीय हो गयी है। दामाजी गजभिये का कहना है की उनकी सिर्फ एक बेटी है बेटा नहीं है और शासन के नियमों के अनुसार जिसकी एक बेटी होती है उसे शासन की तरफ से सहायता राशि प्रदान की जाती है लेकिन इसका लाभ भी उन्हें नहीं मिल रहा है। इसके साथ-साथ वे गरीबी रेखा के नीचे आते है व मजदूरी करके अपना पालन-पोषण कर रहे है। इस प्रकरण में सम्बंधित उपसंचालक सामाजिक ॅ?याय को आवश्यक कार्यवाहीं करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम दिघोरी निवासी मोहम्मद खालिक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि मिलने की मांग लेकर आये थे। मोहम्मद खालिक का कहना था कि वह एक किसान है व उसकी धान की फसल अत्यधिक वर्षा होने के कारण खराब हो गयी है जिससे उसे बहुत अधिक नुकसान हुआ है। फसल के नुकसान की सूचना उसने 14447 नंबर पर भी दी है जिसके बाद कंपनी की तरफ से सर्वेयर जाँच के लिए भी आये थे। 27 नवंबर 2025 कों उसके मोबाइल नंबर पर फसल बीमा से सम्बंधित आवश्यक जानकारी दी गयी। मोहम्मद खालिक नें बताया की वह इस सम्बन्ध में बैंक जाकर भी फसल बीमा की राशि के बारे में जानकारी लिए है लेकिन उसे अब तक इस राशि का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। इस पर उपसंचालक कृषि कों इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने डीएलसीसी की बैठक में पीएम स्वनिधी एवं पीएम आवास योजना में ऋण वितरण की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में 13 जनवरी कों जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ,कटंगी विधायक गौरव पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति भारती ठाकुर, अग्रणी जिला प्रबंधक संजीव कुमार व सभी बेंको के समन्वय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सांसद श्रीमती पारधी ने आवास योजना का लाभ सभी पात्र नागरिकों तक शीघ्रता से पहुंचाने के लिए सभी बैंकों से शीघ्र ऋण वितरण करने कहा। उन्होंने कहा कि आवास योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को घर बनाने के लिए ऋण प्रदान किया जाता है, और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ मिले।

बैठक में पीएम स्वनिधि योजना की भी समीक्षा की गई। इस योजना के तहत, रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे व्यवसायियों को ऋण प्रदान किया जाता है। सांसद श्रीमती पारधी ने सभी बैंकों के अधिकारियों से कहा कि वे इस योजना के तहत अधिक से अधिक ऋण वितरित करें और पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ दिलाएं। इसके अलावा सांसद श्रीमती पारधी ने सभी बैंकों के अधिकारियों से कहा कि वे विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाना चाहिए और पात्र व्यक्तियों को ऋण प्रदान करने में कोई देरी नहीं करनी चाहिए।

बिठली की किस नदी में वार्षिक अनुभूति कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। उकवा। मध्य प्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल और वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा सामान्य के संयुक्त तत्वाधान में 13 जनवरी मंगलवार को ग्राम बिठली की किस नदी किनारे वार्षिक अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डाबरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगुड्डा, और माध्यमिक शाला अडोरी से आए कुल 120 छात्र-छात्राओं को वन भ्रमण कर, उन्हें दीमक की बाबी, वन औषधि प्रजातियां, बिच्छूओ की उम्र की गणना करना, तितली दर्शन(पी.आ.पी) सहित वन विभाग के कार्यों की उन्हें अन्य जानकारियां दी गई। वहीं एक कलाकार द्वारा भालू बनकर आने पर, वन्य जीवों से कैसे बचाव किया जाए इसकी जानकारी दी गई।इसके अलावा बाघों की गणना के विषय में बताया गया। वही मानव व वन्य प्राणी संघर्ष के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा वन विभाग तथा राजस्व विभाग से सम्बधित अन्य जानकारियां दी गई। इसके पश्चात सभी छात्र-छात्राओं को सामान्य ज्ञान की परीक्षा हेतु प्रेरित कर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से परीक्षण किया गया। जिसमें उपस्थित समस्त छात्र छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित वन समिति अध्यक्ष तथा ग्राम पंचायत बिठली की सरपंच श्रीमती मालती उईके परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष सिंग, एसडीओ तरुण डेहरिया, परिक्षेत्र अधिकारी प्रियंका मरकाम, ए.के चालर्स तथा अशोक मंडेलेकर (अध्यक्ष जिला लघु वनोंपज संघ) आदि का स्वागत गणमान्य नागरिक एवं विभागीय कर्मचारियों के द्वारा किया गया।जिनकी प्रमुख उपस्थिति में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार किया गया।इस दौरान दिलीप डोंगरे, महेश चौरे, मनोज चौहान,अरविंद मड़ावी, कीर्तन सिंह धुर्वे, परमानंद उईके, राजेश नेवारे, ममता मड़ावी ,दिग्विजय सिंह चंदेल, युवराज भोयर, विजय कुमार, अभिषेक काटरे, डिलेन्द्र नगपुरे, मनीष बिसेन, अश्विन शेंडे, गोविंद बोरबन, प्रकाश बोपचे, राजेश खरे, रामसिंह धुर्वे, योगेश धुवारे, आदि विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।इनके अलावा श्रीमती आशा अजीत, भारती गढ़पाल,तेजराम नगपुरे, कमल बिसेन, छाया पटले, और जयराम बोपचे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वन ग्राम लौगुर में पहली बार भव्य निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। उकवा। गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार जी/123वीं बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के लौगुर कैंप में सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत पहली बार भव्य निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कमांडेंट हजारी लाल, 123वीं बटालियन सीआरपीएफ के निर्देशन एवं उनकी प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस चिकित्सा शिविर में 123वीं बटालियन के चिकित्सा अधिकारी एवं नर्सिंग स्टाफ द्वारा ग्राम लौगुर, छापरवाही, चिखलाझोड़ी, गोदरीटोला, तल्लाबोड़ी, खारा, गोवारी एवं धोंडी के ग्रामीणों तथा स्कूली बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही मरीजों को महंगी एवं आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क वितरित की गईं। शिविर के दौरान अनेक गंभीर रोगों का भी बिना शुल्क उपचार किया गया।

इसी कार्यक्रम के अंतर्गत इन गांवों के 10 शिक्षित युवाओं का चयन प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण हेतु किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात उन्हें निःशुल्क प्राथमिक उपचार किट भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आपात स्थिति में वे अपने गांव में ही प्राथमिक उपचार दे सकें।

उल्लेखनीय है कि वन ग्राम लौगुर पूर्णतः आदिवासी बहुल क्षेत्र है और चारों ओर वनों से घिरा हुआ है, जहां आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। विशेष रूप से चिकित्सा सुविधाओं के लिए ग्रामीणों को जिला मुख्यालय या उकवा में निजी चिकित्सकों के पास जाना पड़ता है, जिससे उन्हें समय और धन दोनों का भारी खर्च उठाना पड़ता है, जो सभी के लिए संभव नहीं हो पाता।

ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए कमांडेंट हजारी लाल के निर्देश पर नव निर्मित सीआरपीएफ लौगुर कैंप में यह चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उम्मीद से कहीं अधिक संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और स्वास्थ्य परीक्षण कराकर निःशुल्क दवाइयाँ प्राप्त कीं।

चिकित्सा शिविर के दौरान उपस्थित सभी ग्रामीणों को सीआरपीएफ की ओर से स्वल्पाहार एवं मिष्ठान का भी वितरण किया गया, जिसकी ग्रामीणों ने मुक्तकंठ से सराहना की। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी पहल के लिए सीआरपीएफ एवं कमांडेंट हजारी लाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थिति

इस आयोजन में मुख्य रूप से कमांडेंट हजारी लाल एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, मनोज कुमार (उप कमान्डेंट), बलराम (सहा. कमान्डेंट), रामजस यादव (सहा. कमान्डेंट), निरीक्षक तुलसीराम एव जवानों सहित सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक छपरवाही सरपंच महेश उइके तथा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे ।

सेवा भारती का वार्षिकोत्सव संपन्न, वनांचल क्षेत्र के बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सेवाभारती बालाघाट द्वारा संचालित वनवासी कन्या छात्रावास का वार्षिकोत्सव विगत दिनों हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वनाचंल क्षेत्रों से आई हुई बेटियों के शिक्षार्थ सेवा भारती के प्रयास प्रशंसनीय है। संस्था और इसी तरह आगे बढ़ती रहे। आपने बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।सेवाभारती महाकौशल प्रांत जबलपुर से पहुंचे संगठन मंत्री आत्माराम ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार के माध्यम से बेटियों को उच्च शिक्षा देने में सेवा भारती प्रयासरत है। वनांचल की बेटियां देश का गौरव है। इनकी सेवा करना ही नारायण सेवा है। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, शिक्षाविद् लता एलकर, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, कलेक्टर मृणाल मीणा मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर व सरस्वती वंदना पूनम धुर्वे व दीक्षा राहंगडाले ने किया। नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि गीत पर नृत्य स्नेहा चौधरी, भारती उइके व तनुष्का ने किया। छत्तीसगढ़ी नृत्य तरी ना री ना ना पर प्रियांशी, विद्या, नव्या, आस्था व कौशिकी, माधुरी ने किया। देश से है प्यार तो गीत पर राधिका धुर्वे, पूर्वी यादव, नंदिनी, लक्ष्मी, जिज्ञासा ने नृत्य प्रस्तुत किया। इसी तरह झांकी में जीजा माता के रूप में तुलसी ठाकरे व शिवाजी खुशबु, सरस्वती माता शिवानी तिड ?ाम, भारतमाता जिज्ञासा परते ने जीवंत झांकी प्रस्तुत किया। मंच का संचालन अंजली सैय्याम, व आभार प्रदर्शन सत्यनारायण अग्रवाल ने किया।अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सचिव पार्श्वेन्द्र पारधी, कोषाध्यक्ष सुनील खोटेले, उपाध्यक्ष राजेन्द्र मंगलानी, श्रीमती उषा सावलानी, प्रोफेसर प्रतिमा बिसेन, अधीक्षिका भारती गौतम, ईश्वर डाहके ने किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दानदाताओं में सुरेश बाघरेचा, रोहिणी पांडेय परिवार, नवनीत नायडू, रमेश रंगलानी, अभय सेठिया, महेन्द्र सुराना, अभय कोचर सहित अन्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने में श्वेता सेठिया, राजुल चौरडिया, रीना, छिप्रा पांडे एवं रश्मि पांचे ने सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम कायदी के पूर्व सरपंच एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. प्रमोद सिंह बाटे का निधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी के पूर्व सरपंच, वरिष्ठ समाजसेवी एवं जनप्रिय चिकित्सक डॉ. प्रमोद सिंह बाटे का नागपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही ग्राम कायदी सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। समाचार मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं शुभचिंतक उनके गृह निवास पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।डॉ. प्रमोद सिंह बाटे ने ग्राम पंचायत कायदी में लगातार 27 वर्षों तक सरपंच के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने जनपद सदस्य के रूप में भी क्षेत्र के विकास और जनसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे पिछले पाँच वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता रहे, जबकि इससे पूर्व वे पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल के करीबी रहकर 35 साल तक कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में भी पंचायत और ग्रामीणों की सेवा करते रहे। जिन्होंने अपने गांव की वृताकार सहकारी समिति के अध्यक्ष के रूप में रहकर क्षेत्रीय कृषकों को अपना सहयोग दिए।

डॉ. बाटे न केवल एक कुशल कृषक थे, बल्कि पेशे से चिकित्सक होने के नाते उन्होंने वर्षों तक निर्धन और जरूरतमंद ग्रामीणों का निःस्वार्थ भाव से इलाज किया। जनसेवा और सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक विशिष्ट पहचान दिलाती रही। श्री बाटे पिछले कुछ महीनों से वे अस्वस्थ चल रहे थे। अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 12 जनवरी की रात्रि उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उल्लेखनीय है कि उन्होंने नवंबर 2025 में अपने छोटे पुत्र डॉ. अभिजीत सिंह बाटे का विवाह संपन्न कराकर अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया था।अपने निधन के पश्चात डॉ. प्रमोद सिंह बाटे दो बेटे और दो बेटी से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से ग्राम कायदी ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि, संवेदनशील चिकित्सक और सच्चे समाजसेवी को खो दिया है। क्षेत्रवासी उन्हें सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण करेंगे। जिनके निधन के बाद कायदी का एक राजनीतिक अध्याय समाप्त हो गया। 13 जनवरी को स्वर्गीय प्रमोद सिंह बाटे का अंतिम संस्कार ग्राम कायदी स्थित मोक्षधाम में विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में क्षेत्र भर से लोगों की उपस्थिति रही और सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।अंतिम संस्कार में क्षेत्रीय विधायक विक्की उर्फ विवेक पटेल, पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल पूर्व विधायक ओमकार सिंह बिसेन समेत दर्जनों ग्राम पंचायत के सरपंच,जनप्रतिनिधि आसपास के ग्रामों के सैकड़ो ग्रामीण बालाघाट, वारासिवनी की व्यवसायी भी शामिल हुए। सभी ने स्व. प्रमोद सिंह बाटे के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर शोक संवेदनाएँ और श्रद्धांजलि अर्पित की।स्व. बाटे जी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनका सरल स्वभाव, सामाजिक सरोकार और सहयोग भावना को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे।

गुणवत्ताहीन सुधार कार्य पर सासंद ने नाराजगी जाहिर कर कहा ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाई की जाये

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में 13 जनवरी को जिला सतर्कता एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, मप्र सडक विकास निगम, जल संसाधन विभाग, खा एवं आपूर्ति विभाग, सहकारिता विभाग, नगर पालिका बालाघाट, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निर्माण संभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक राजकुमार कर्राहे, गौरव सिंह पारधी, श्रीमती अनुभा मुंजारे, विवेक विक्की पटेल, मधु भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, जनपद अध्यक्ष समल सिंह धुर्वे, कल्याण सिंह राणा, श्रीमती कल्पना मर्सकोले, कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद श्रीमती पारधी ने बैठक में कहा कि जिले के वन क्षेत्रों में बाघों की मृत्यु दर कम करने के लिए वन विभाग कारगर प्रयास करें और बाघों के संरक्षण के लिए कदम उठाए। विभिन्न विभागों की सडको की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सडको का कार्य गुणवत्ता के साथ किया जाए और सडको की मरम्मत व सुधार का कार्य नियमित रूप से चलता रहे। उन्होंने एमपीआरडीसी की सडको का सुधार कार्य गुणवत्ताहीन होने पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि सडको का घटिया पेच वर्क करने वाले ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने बालाघाट-गोंदिया नेशनल हाइवे की गुणवत्ता संतोषजनक नही होने एवं उसमें सुधार करने की आवश्यकता बतायी। जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि जिले के सभी क्षेत्रों की नहरों की साफ सफाई का कार्य किया जाए। नहरों की लाइनिंग के लिए जहां पर केंद्र सरकार से स्वीकृति या बजट की आवश्यकता है तो उसके प्रस्ताव उन्हें दिये जाए। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की समीक्षा के दौरान सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि बारदाने के अभाव में किसी भी केंद्र में धान की खरीदी रूकना नही चाहिए। खरीदी केंद्रो से धान का तेजी से उठाव किया जाए और किसानों को शीघ्रता से भुगतान किया जाए।

नगर पालिका बालाघाट के कार्यों की समीक्षा के दौरान सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि स्वीमिंग पुल के लिए स्वीकृत 01 करोड रुपए की राशि का सदुपयोग कर निर्धारित मापदण्डों के अनुसार स्वीमिंग पुल बनाने की कार्यवाही की जाए। स्वीमिंग पुल के नाम पर केवल टेंक नही बनना चाहिए। बल्कि उसमें स्वीमिंग पुल में लगने वाले सभी उपकरण एवं सुविधायें होना चाहिए। उन्होंने नगर पालिका द्वारा 01 करोड की लागत से लाइब्रेरी एवं 01 करोड रुपए की लागत से बनाए जा रहे म्यूंशीपल स्कूल भवन की चर्चा करते हुए कहा कि इन्हें भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर बनाया जाए, जिससे भविष्य में अधिक संख्या में बच्चे लाइब्रेरी एवं स्कूल भवन का उपयोग कर सके। सांसद श्रीमती पारधी ने नगरीय क्षेत्र बालाघाट के मुख्य मार्गो पर रात्रि में रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं आमजन की सुरक्षा के लिए आवारा कुत्तों को पकडने की कार्यवाही करने कहा।

सांसद श्रीमती पारधी ने कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उनका उपचार कर उन्हें कुपोषण से बाहर निकालने के लिए सार्थक प्रयास करने कहा। इसी प्रकार उन्होंने क्षय रोगियों की पहचान कर उनका उपचार करने एवं जिले को क्षय मुक्त करने के लिए कारगर उपाय करने कहा। उन्होंने जिले के विभिन्न स्थानों पर बनाए जा रहे पुलों का कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कराये जाने कहा। उन्होंने बालाघाट सरेखा मार्ग पर बने रेल ओव्हरब्रिज की गुणवत्ता संतोषजनक नही होने पर नाराजगी जाहिर की।

बैठक में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने स्थानांतरित होकर आयी आंगनवाडी पर्यवेक्षक को 06 माह से वेतन नही मिलने का मामला उठाते हुए कहा कि इसका शीघ्रता से निराकरण किया जाए। उन्होंने पीआइयू के अधिकारी से कहा कि वे जो भी निर्माण कार्य स्वीकृत करा रहे है और जिनका कार्य शुरू कर रहे है इसकी जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधि के संज्ञान में अवश्य लाए। विधायक श्री मधु भगत ने खामी-दुरेंदा रोड पर प्रधानमंत्री ग्राम सडक ईकाई द्वारा पुल निर्माण के लिए वन विभाग द्वारा आपत्ति लगाये जाने का मामला उठाया और कहा कि वन विभाग की ओर से इसमें शीघ्र अनुमति दी जाए। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बालाघाट-सिवनी रोड का पेंच वर्क ठीक नही होने एवं सर्राटी व पाथरी जलाशय की नहरे जीर्णशीर्ण होने का मामला उठाया। लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे ने किरनापुर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में धान का भुगतान लेने आने वाले किसानों के लिए छाया, पानी एवं बैठक की उचित व्यवस्था करने की आवश्यकता बतायी।

बैठक में सांसद एवं सभी विधायकों ने बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अच्छी व्यवस्था करने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला प्रशासन की प्रसंशा की। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा जिन विषयों एवं प्रकरणों की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया है, उन पर कार्यवाही की जाएगी और उनका निराकरण किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

2 कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन की 11 शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की हर मंगलवार को संबंधित विभाग के अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर सुनवाई की जाती है। इसी कडी में 13 जनवरी को उन्होंने 11 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई

की। इस दौरान 06 शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद कराया गया। इन शिकायतों में महिला एवं बाल विकास विभाग की लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत बालिकाओं को छात्रवृत्ति का लाभ नही मिलने संबंधी शिकायतें भी शामिल थी। इन शिकायतों की सुनवाई के दौरान पाया गया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निराकरण में गलत जवाब डाला गया है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सहायक ग्रेड वंदना मरावी के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। नगर पालिका बालाघाट से संबंधित लंबित शिकायतों की सुनवाई के दौरान वार्ड नं. 28 विवेकानंद कॉलोनी में अवैध रूप से बनाये आश्रम पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए और नगर पालिका की बिना अनुमति के किये गए अवैध निर्माण के लिए उपयंत्री ज्योति को निलंबित करने के निर्देश दिये गए।

मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में माओवाद के अंत के बाद पहला बड़ा सम्मान

नक्सल मोर्चे पर तैनात बालाघाट हॉकफोर्स के 61 जवानों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश में एंटी नक्सल अभियान में लगे जवानो को सरकार ने आज भोपाल में बड़ा इनाम दिया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस मुख्यालय का मानना है कि इन बहादुर जवानों की कार्रवाई से बालाघाट और आसपास के क्षेत्रों में नक्सल नेटवर्क को निर्णायक रूप से कमजोर किया गया है। यह प्रमोशन नक्सल विरोधी अभियानों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस बल का मनोबल बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इस अभियान का मोहन यादव सरकार ने मनोबल भी बढ़ाया है।

आज बालाघाट में तैनात सुरक्षा बलों के उन जवानो के लिए खुशियों भरा दिन था.मध्यप्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे के बाद पुलिस मुख्यालय ने हॉक फोर्स के जवानों को बड़ी सौगात दी है। पुलिस मुख्यालय ने नक्सल मुठभेड़ों में साहसिक भूमिका निभाने वाले 61 पुलिस कर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने का फैसला किया है। इनमें से 60 पुलिसकर्मियों को शीघ्र पदोन्नति दी जाएगी, जबकि एक पुलिसकर्मी का प्रमोशन लिफाफा बंद कर दिया गया है। ये सभी पुलिसकर्मी विशेष सशस्त्र बल (SAF) और बालाघाट जिला पुलिस बल से संबंधित हैं। इन जवानों को प्रतिबंधित माओवादी के जीआरबी (गोंदिया राजनांदगाव बालाघाट) डिवीजन के मलाजखंड दलम के चार एरिया कमेटी सदस्यों को मुठभेड़ में मार गिराने के लिए पदोन्नति दी जा रही है। मारे गए नक्सलियों में रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांगु हिडामी (पति चंदू उर्फ देवचंद), सुमन, इमला उर्फ तुलसी और रवि मडावी उर्फ बदरेको शामिल हैं।

डीजीपी ने जारी किए प्रमोशन आदेश

आज भोपाल में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सूचीबद्ध सभी पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने की कार्रवाई की जाएगी।

सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बने

नक्सल मोर्चे पर तैनात रहे जवानों को यह प्रमोशन मिला है(सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पद पर प्रमोशन पाने वालों में बिपिन चंद्र खलको, इंदर सिंह बिदूरी, शुभम प्रताप सिंह तोमर, रत्नेश मीणा और नर्वदेश श्रीवास्तव शामिल हैं।

एएसआई से एसआई की पदोन्नति

मुनेंद्र सिंह को सहायक उप निरीक्षक से उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है।

प्रधान आरक्षक से एएसआई बने

बालाघाट में प्रधान आरक्षक एसएएफ से सहायक उप निरीक्षक एसएएफ बनने वालों में रुद्री चंद्र जखमोला, अनिल सिंह भदोरिया, मत्ते सिंह मरावी, उज्जवल घोरमारे, मनोज कुमार यादव, देवेंद्र धुर्वे, रविंद्र कुशवाह, हरेंद्र सिंह, प्रदीप गोसाई, विनोद कुमार मर्सकोले, उमेश कुमार पटेल और विकास कुमार राजपूत शामिल हैं।

आरक्षक से प्रधान आरक्षक बने

एसएएफ के जिन जवानों को आरक्षक से प्रधान आरक्षक पद पर प्रमोट किया जाना तय हुआ है, उनमें मुकेश सगर, विवेक परस्ते, राघवेंद्र सिंह गुर्जर, आशीष रजक, शिवहरि मरावी, प्रवीण धुर्वे, टीकाराम ढकालु, प्रवीण कुमार, असित यादव, राम आशीष यादव, संदीप शर्मा, लोकपाल धाकड़, कृष्णा श्रेष्ठ, जितेंद्र सिंह पटेल, वीर सिंह, शकर चंद्र सरयाम, सुनील परिवार, चंद्रकांत पांडे, सत्यम द्विवेदी, सुनील यादव, देवराज कलमे, सुरेंद्र सिंह मार्को, सुशील उइके के नाम शामिल हैं। इसके अलावा रामलाल भील, उमेश चंद्र दुबे, संतोष कुमार मरावी, प्रदीप कुमार परते, राजा मालवीय, विशाल कुमार सिंह, नरेंद्र सोनबे, दीपक पवार, कन्हैया मरकाम, सुनील सिंह कुशवाह, मुलायम सिंह, वरुण देव सिंह चाहर, मुनीष कुमार द्विवेदी, नीलेश, महेंद्र सिंह, रवि कुमार यादव, छटु यादव, सलेश कुमार द्विवेदी और संजू शर्मा को भी पदोन्नति दी जाएगी। प्रधान आरक्षक संत कुमार धुर्वे के खिलाफ बालाघाट जिले के लांजी थाना क्षेत्र में प्रकरण दर्ज होने के चलते उनका पदोन्नति लिफाफा फिलहाल बंद कर दिया गया है।

बालाघाट के नक्शे से मिटा दिया नक्सलवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने लगभग 35 साल नक्सलवाद का दंश झेला। यह एक बड़ी चुनौती थी, पर राज्य सरकार की पुनर्वास नीति और नक्सल विरोधी अभियान में शामिल जवानों की प्रतिबद्धता से 11 दिसंबर 2025 को नक्सलवाद प्रदेश के नक्शे से पूरी तरह मिटा दिया गया।

आधुनिक तकनीक और त्वरित रिस्पांस से मजबूत होगी बालाघाट की पुलिस व्यवस्था

जिले के थानों को आईएसयू बनाने की प्रक्रिया शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा थानों को आईएसयू (ढ्ढस्ङ्क इंटीग्रेटेड सर्विस यूनिट) प्रणाली से जोड़े जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस पहल का उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में आम नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करना तथा पुलिस कार्यप्रणाली को आधुनिक स्वरूप प्रदान करना है। जानकारी के अनुसार, आईएसयू प्रणाली के अंतर्गत थानों को एकीकृत आपात सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां से पुलिस, आपात सहायता और सूचना तंत्र को एक साथ संचालित किया जा सकेगा। इससे थाना स्तर पर ही त्वरित निर्णय और तत्काल कार्रवाई संभव होगी।

आधुनिक संसाधनों से होंगे लैस थाने

आईएसयू के तहत चयनित थानों में आधुनिक संचार प्रणाली, हाई-स्पीड इंटरनेट, कंप्यूटराइज्ड रिकॉर्ड, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, जीपीएस युक्त वाहन, वायरलेस सेट, बॉडी कैमरा एवं अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे अपराध की सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र में पुलिस बल को तुरंत रवाना किया जा सकेगा।

त्वरित रिस्पांस पर रहेगा विशेष फोकस

आईएसयू व्यवस्था के अंतर्गत क्विक रिस्पांस टीम (त्तक्रञ्ज) की तैनाती की जाएगी, जो आपात कॉल, महिला अपराध, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, झगड़े या कानून-व्यवस्था की किसी भी स्थिति में न्यूनतम समय में मौके पर पहुंचेगी। इससे पुलिस की प्रतिक्रिया समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

नागरिकों को मिलेगा सीधा लाभ

आईएसयू लागू होने से आम नागरिकों को कई प्रकार की सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी। शिकायत दर्ज करने, आपात सहायता लेने, गुमशुदगी, सड़क दुर्घटना या महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा। थानों में कामकाज अधिक पारदर्शी होगा और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलने में मदद मिलेगी।

अपराध नियंत्रण में होगी मजबूती

पुलिस प्रशासन का मानना है कि आईएसयू प्रणाली लागू होने से अपराधियों पर निगरानी और अधिक प्रभावी होगी। डिजिटल रिकॉर्ड, सीसीटीवी निगरानी और त्वरित कार्रवाई से अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी तथा अपराधियों में पुलिस का भय बढ़ेगा।

चरणबद्ध तरीके से लागू होगी व्यवस्था

प्रारंभिक चरण में जिले के चुनिंदा थानों को आईएसयू के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने के बाद जिले के अन्य थानों को भी चरणबद्ध तरीके से इस प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

बालाघाट में अगले पाँच दिन मौसम साफ, तापमान में गिरावट की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में दिनांक 14 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक मौसम सामान्यत: साफ एवं शुष्क रहने की संभावना है। इस अवधि में तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ. धर्मेन्द्र अगासे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान जिले में अधिकतम तापमान 23.1 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच तथा न्यूनतम तापमान 8.2 से 9.1 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सुबह के समय हवा में आर्द्रता 89 से 94 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी तथा हवा की दिशा उत्तर-पूर्व होने की संभावना है।

बड़गांव यात्री प्रतीक्षालय के सामने खड़ी पल्सर मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़गांव तिराहा स्थित यात्री प्रतीक्षालय के सामने खड़ी एक पल्सर मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी गई मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत 90 हजार रुपये बताई जा रही है। किरनापुर पुलिस ने पीड़ति जितेंद्र गायकवाड 32 वर्ग ग्राम दिघोरी थाना लांजी निवासी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र गायकवाड ग्राम दिघोरी,निवासी, मजदूरी का कार्य करते हैं। 4 जनवरी को वे अपने भाई महेंद्र गायकवाड की पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक MP 50 ZG 9245 से किसी कार्य से ग्राम रजेगांव गए थे। कार्य निपटाने के बाद रात्रि लगभग 9 बजे वे अपने गांव दिघोरी लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में स्वास्थ्य खराब होने और सिर में तेज दर्द होने के कारण उन्होंने बड़गांव तिराहा स्थित यात्री प्रतीक्षालय के सामने सड़क किनारे अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर दी और कुछ समय के लिए आराम करने लगे। जब तबीयत में सुधार हुआ और वे घर जाने के लिए मोटरसाइकिल के पास पहुंचे, तो देखा कि जिस स्थान पर मोटरसाइकिल खड़ी की थी, वह वहां से गायब थी। जितेंद्र गायकवाड ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी अपने भाई एवं परिवारजनों को दी और कुछ समय तक अपने स्तर पर तलाश करते रहे। जब मोटरसाइकिल नहीं मिली, तब उन्होंने किरनापुर थाना पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।किरनापुर पुलिस ने पीड़ति जितेंद्र गायकवाड की रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा चोरी गई पल्सर मोटरसाइकिल की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट